Exam technique

www.examtechnique.in

Join now Telegram- https://t.me/joinchat/K_BU1RmI1BmxazJOsruF7g

Subscribe Youtube- https://www.youtube.com/channel/UC7HEJ54ia2cU-rS20LHpHtg

**3500+ भूगोल के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर question and answer महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK pdf - हिंदी में**

CLICK HERE- https://examtechnique.in/3500-bhugol-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-answer-mahatvpurn-tables-and-facts-k-sath-e-book-pdf-hindi-mai

**3500+ Most Important One Liner Geography Question and answer with Important Tables and Facts E-BOOK PDF - in English**

CLICK HERE- https://examtechnique.in/3500-most-important-one-liner-geography-question-and-answer-with-important-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

**2100+ इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ - हिंदी में**

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2100-history-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-important-tables-and-facts-k-sath-hindi-mai

**2100+ Most Important One Liner History Question and answer with Important Tables and Facts E-BOOK PDF in English**

CLICK HERE- https://examtechnique.in/2100-most-important-one-liner-history-question-and-answer-with-important-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

**विविध भाग -1+भाग -2(Static GK), सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF - हिंदी में**

CLICK HERE- https://examtechnique.in/vividh-bhag1bhag2-sabhi-pratyogi-prakshyon-k-lia-mahatvpurn-table-and-facts-k-sath-e-book-pdf-in-hindi

**Miscellany Part-1+ Part-2(Static GK) with imp. Table and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book pdf in English**

CLICK HERE- https://examtechnique.in/miscellany-part-1-part-2-with-imp.-table-and-facts-for-all-govt.-competitive-exams-e-book-pdf-in-english

**2500+ भारतीय राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q&A, सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF-हिंदी में**

Exam technique Publication

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2500-most-imp.-one-liner-indian-polity-qanda-with-imp.-table-and-facts-in-hindi

**2500+ Most Imp. One Liner Indian Polity Q&A with Imp. Table and Facts for all Govt. competitive Exams E-book in English**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2500-most-imp.-one-liner-indian-polity-qanda-with-imp.-table-and-facts-in-english

**2000+ Most Important One Liner Chemistry Q&A with Imp. Tables and Facts E-BOOK PDF in English**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2000-most-important-one-liner-chemistry-qanda-with-imp.-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

**2000+ रसायन विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ -हिंदी में**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2000-chemistry-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-with-important-tables-and-facts-in-hindi

**2000+ भौतिक विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF -हिंदी में**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2000-physics-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-with-important-tables-and-facts

**2000+ Most Important One Liner Physics Q&A with Imp. Tables and Facts E-BOOK PDF in English**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2000-most-important-one-liner--physics-qanda-with-imp.-tables-and-facts-e-book-pdf-in-english

**2800+ जीव विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ -हिंदी में**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2800-jeev-vigyan-k-sabse-mahatvpurn-one-liner-question-and-answer-mahatvpurn-tables-aur-facts-k-sath-hindi-mai

**2800+ Most Important One Liner Biology Q&A with Imp. Tables and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book PDF in English**

**CLICK HERE-** https://examtechnique.in/2800-most-important-one-liner-biology-qanda-with-imp.-table-and-facts-for-all-govt.-competitive-exams-e-book-pdf-in-english

Exam technique Publication

# मध्य प्रदेश : स्थापना एवं पुनर्गठन

प्रदेश को भारत के बिल्कुल मध्य में होने के कारण भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं.जवाहरलाल नेहरू ने इसका नाम ''मध्य प्रदेश'' दिया।

इसीलिए मध्य प्रदेश को भारत का ह्रदय स्थल भी कहते हैं। मध्य प्रदेश किसी भी अंतर्राष्ट्रीय सीमा को नहीं छूता साथ ही प्रदेश की सीमा किसी भी समुद्र से नहीं मिलती अत: यह पूरी तरह भू-आवेष्ठित (लैंड लोक्ड) (Land-locked) है।

☞ मध्य प्रदेश को स्वतंत्रता से पूर्व मध्यभारत एवं बरार कहते थे। (M.P. = मध्य भारत + बरार)

☞ 1947 से 1956 के बीच निम्न स्थिति थी।

(1) बघेलखण्ड और छत्तीसगढ़ की रियासतों को मिलाकर A में सम्मिलित किया गया था। इसकी राजधानी नागपुर थी।

(2) पश्चिम की 25 रियासतो को मिलाकर मध्य भारत नामक राज्य को भाग B में सम्मिलित किया गया। मध्य भारत की राजधानी 6-6 माह के लिए ग्वालियर एवं इन्दौर थी।

(3) उत्तर को 38 रियासतों को मिलाकर विंध्य प्रदेश नामक राज्य को भाग C का हिस्सा बनाया गया। इसकी राजधानी रीवा थी। (वर्तमान भोपाल को भाग C के अंतर्गत रखा गया था। जोकि सीहोर जिले कि तहसील था। 1972 में भोपाल को एक जिला बनाया गया।)

## राज्य पुर्नगठन आयोग-

देश में राज्यों के पुर्नगठन के अंतर्गत 29 दिसम्बर 1953 को राज्य पुर्नगठन आयोग का गठन हुआ जिसके अध्यक्ष फ़ज़ल अली तथा दो सदस्य पं. ह्रदय नाथ कुंजरू एवं डॉ के एम पणिक्कर थे।

आयोग कि सिफारिश पर 1 नवम्बर 1956 को मध्य प्रदेश का गठन हुआ। तथा निम्न परिवर्तन किए गए।

(1) अमरावती, अकोला, यवतमाल, बुलढाणा, वर्धा, चाँदा, भण्डारा, एवं नागपुर के जिले तत्कालीन मुम्बई (अब महाराष्ट्र) में मिला दिए गए।

(2) मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले का ग्राम सुनैल टप्पा राजस्थान को तथा राजस्थान के कोटा जिले कि सिरोंज तहसील मध्यप्रदेश के विदिशा जिले में मिला दी गई।

(3) भोपाल तथा विंध्य प्रदेश को मध्य प्रदेश में मिला दिया गया एवं भोपाल को मध्य प्रदेश की राजधानी बनाया गया।

इस प्रकार तत्कालीन मध्यप्रदेश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का सबसे बड़ा राज्य था। जिसमें कुल 43 जिले थे। 1 नवम्बर 2000 को मध्यप्रदेश के 135191 वर्ग किमी क्षेत्रफल वाले भूभाग को अलग किया गया। (इस समय मध्य प्रदेश के 61 जिले थे जिनमें से 16 जिले छत्तीसगढ़ में जाने के बाद कुल 45 जिले शेष बचे।)

**नोट-** (1) 31 अक्टूबर 2000 को मध्य प्रदेश पुर्नगठन विभाजन अधिनियम पारित हुआ।

(2) 1 नवम्बर 2000 को मध्यप्रदेश का पुर्नगठन हुआ।

**(अ) 15 अगस्त 2003 को तीन नए जिले बनाए गए।**

(1) 46वां जिला अशोक नगर बना जिसे गुना जिले से अलग किया गया।

(2) 47वां जिला अनूपपुर बना जिसे शहडोल जिले से अलग किया गया।

(3) 48वां जिला बुरहानपुर बना जिसे खण्डवां जिले से अलग किया गया।

**(ब) मई 2008 में दो नए जिले बनाए गए-**

(1) 17 मई 2008 को 49 वाँ जिला अलीराजपुर बना जिसे झाबुआ से अलग किया गया।

(2) 24 मई 2008 को 50 वाँ जिला सिंगरोली बना जिसे सीधी जिले से अलग किया गया।

**(स) 16 अगस्त 2013 को 51 वाँ जिला आगर मालवा बना जिसे शजापुर से अलग किया गया।**

**नोट**—इस प्रकार वर्तमान में मध्य प्रदेश में कुल 51 जिले हैं।

## सम्भाग-

☞ 14 जून 2008 को मध्यप्रदेश का 10वाँ सम्भाग शहडोल को बनाया गया, जिसमें 4 जिले थे। शहडोल, डिण्डोरी, अपुनपुर, उमरिया।

☞ 1 मार्च 2012 को डिण्डोरी जिले को शहडोल सम्भाग से हटाकर जबलपुर सम्भाग में मिला दिया गया।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

## मध्य प्रदेश में संभाग व जिले

1. जबलपुर (8) – जबलपुर, कटनी, सिवनी, नरसिंहपुर, बालाघाट, मण्डला, छिंदवाड़ा, डिंडोरी (क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा संभाग)
2. रीवा (4) – रीवा, सीधी, सतना, सिंगरोली,
3. शहडोल (3) – शहडोल, उमरिया, अनुपपुर,
4. सागर (5) – सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़
5. होशंगाबाद (3) (नर्मदापुरम) – होशंगाबाद, हरदा, बैतूल,
6. ग्वालियर (5) – ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, दतिया
7. इंदौर (8) – इंदौर, धार, झाबुआ, खरगौन, खण्डवा, बुरहानपुर, बड़वानी, अलीराजपुर
8. उज्जैन (6) – उज्जैन, देवास, रतलाम, मन्दसौर, नीमच, शाजापुर
9. भोपाल (5) – भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़
10. चम्बल (3) – भिण्ड, मुरैना, श्योपुर (क्षेत्रफल में सबसे छोटा संभाग)

**नोट**–ग्वालियर दो सम्भाग ग्वालियर एवं चम्बल का मुख्यालय है।

## मध्य प्रदेश के उपनाम

1. ह्रदय प्रदेश – भारत के मध्य में स्थित होने के कारण।
2. लघु भारत – विभिन्न संस्कृतियों के सम्मिश्रण के कारण।
3. सोया प्रदेश – देश का 55% उत्पादन के कारण (सोयाबीन)
4. दाल-दलहन प्रदेश – सर्वाधिक उत्पादन के कारण
5. जनजाति प्रदेश – देश की सर्वाधिक जनजाति जनसंख्या होने के कारण
6. बाघ राज्य – प्रदेश में सर्वाधिक बाघों की संख्या के कारण

**नोट**–मध्यप्रदेश से बाघ राज्य का दर्जा 2012 में कर्नाटक के पास चला गया है। पुन: 2013 में म.प्र. को ये दर्जा प्राप्त हो गया है।

## प्रदेश की प्रमुख शख्सियतें :

- ☞ लता मंगेशकर – इंदौर
- ☞ किशोर कुमार – खण्डवा
- ☞ जया बच्चन – बैरागढ़ (भोपाल)
- ☞ बैजू बावरा – ग्वालियर
- ☞ महेश दास (बीरबल) – घोघरा, सीधी
- ☞ तानसेन – बेहट (ग्वालियर)
- ☞ जॉनी वाकर – इंदौर
- ☞ डॉ. भीमराव अंबेडकर – महू
- ☞ अटल बिहारी वाजपेयी – ग्वालियर,
- ☞ माधवराव सिंधिया – ग्वालियर,
- ☞ हरिशंकर परसाई – होशंगाबाद
- ☞ महर्षि महेश योगी – जबलपुर
- ☞ माखनलाल चतुर्वेदी – ग्राम बाबई, होशंगाबाद,
- ☞ चन्द्रशेखर आजाद – भाभरा (झाबुआ)



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

# मध्य प्रदेश का इतिहास

## प्राचीन काल

(पाषाण काल) (अ) पूर्व पाषाण काल

### (अ) पुरापाषाण काल या निम्न पूर्व पाषाण काल-

- पुरापाषाण काल के कुछेक अवशेष मध्य भारत से प्राप्त हुए हैं। वर्तमान मध्यप्रदेश में सीधी, खण्डवा एवं मंदसौर को पुरापाषाण कालीन युग का माना जाता है।
- **पुरापाषाण कालीन मध्य प्रदेश नदी घाटियां**—बेतवा नदी, सोन नदी, नर्मदा नदी। मध्य प्रदेश के प्रमुख स्थल साक्ष्य।
- होशंगाबाद के हथनोरा नामक स्थल से होमोइरेक्टस (मानक प्रजाति) का कंकाल पाया गया है।
- यह नर्मदा नदी घाटी में है, इसका सर्वेक्षण एच.डी.सांकलिया मैक ब्राउन, आर.बी. जोशी ने किया है।
- नरसिंहपुर एवं आदमगढ़ से पुरातन जीवाश्म प्राप्त हुए हैं।

### (ब) मध्य पूर्व पाषाण काल

- **मध्य प्रदेश के स्थल**—मण्डला, मंदसौर, नाहरगढ़, सीहोर इंदौर, भीम बैटका, सोन नदी घाटी

### (स) उच्च पूर्व पाषाण काल

- इस युग की प्रमुख विशेषता गुफा चित्रकारी का विकास था।
- मध्यप्रदेश के भीमबेटका से दो प्रकार के चित्र प्राप्त हुए हैं। 1. स्त्री पुरुष के चित्र 2. मैमथ (जंगली हाथी) के चित्र
- चित्रकारी में काला, लाल, पीला और सर्वाधिक नीले रंग का प्रयोग किया गया।
- भीमबेटका से नीला रंग बनाने वाले पत्थर की खोज वाकणकर द्वारा 1958 ई. में की गई।
- होशंगाबाद, आदमगढ़, भोपाल के क्षेत्रों में धरमपुरी, श्यामलाहिल्स, बरखेड़ा, सांची उदयगिरि आदि स्थानों पर आदिम मानव के गुफा चित्र मिलते हैं।

### (ब) मध्य पाषाण काल

- मध्य प्रदेश के विंध्याचल क्षेत्र की खोज कारलायक द्वारा की गई ।
- 1964 में आर.बी जोशी ने होशंगाबाद जिले के आदमगढ़ से 25 हजार उपकरण खोजें।

### (स) नव पाषाण काल

- मध्य प्रदेश के स्थल जबलपुर, ऐरण, दमोह, होशंगाबाद (आमदगढ़) जतकारा, सागर। ताम्र पाषाण कालीन स्थल।
- हड़प्पा सभ्यता या सिंधु घाटी सभ्यता के साक्ष्य मध्य प्रदेश से नहीं मिलते।
- महेश्वर (महिष्मती), नागदा, (उज्जैन) कैथल (उज्जैन) ऐरण (सागर) त्रिपुरी (जबलपुर) मध्यप्रदेश के ताम्र पाषाण कालीन स्थल है-
- नवदाटोली, नागदा, एवं एरण से मालवा संस्कृति (1700-1200 ई.पू.) के अवशेष मिले हैं।
- हैहय राजा माहिष्मत ने नर्मदा किनारे माहिष्मति नगरी बसाई।
- रामायण काल में मध्य प्रदेश के अंतर्गत दण्डकारण्यक व महाकान्तार के घने जंगल थे।
- राम ने वनवास के कुछ क्षण दण्डाकारण्यक (वर्तमान छत्तीसगढ़) में बताये थे। बाद में राम का पुत्र कुश दक्षिणी कौशल का राजा हुआ)

## वैदिक काल से गुप्त काल तक

- उत्तर वैदिक काल (1000-600 ई.पू.) के समय आर्य नर्मदा घाटी तक फैले थे नर्मदा नदी के लिये रेवा या रेवात्रा शब्द का प्रयोग करते थे।
- नर्मदा नदी पर यदु नामक कबिला तथा श्रापित पचास पुत्र महर्षि अगस्त के नेतृत्व में आकर बसे थे।
- ऋग्वेद के दासराज्ञ युद्ध में यदु कबिले ने भाग लिया था।
- इच्छावाकु के पुत्र दण्डक के नाम पर दण्डकारण्यक वन (घने जंगल) का नाम पड़ा था। दण्डकारण्यक के वनों का उल्लेख रामायण से मिलता हैं।
- दण्डकारण्यक (बस्तर) वर्तमान में छत्तीसगढ़ में हैं।
- विध्य प्रदेश व सतपुड़ा के क्षेत्रों पर रामायण काल में निषाद जातियों का अधिकार था।
- महाभारत काल में उज्जैन सांदीपनि आश्रम के लिए प्रसिद्ध था।
- महाजनपद काल छटी शताब्दी ई.पू. में बौद्ध ग्रंथ अंगुत्तर निकाय एवं जैन ग्रंथ भगवती सूक्त में 16 महाजनपदां का वर्णन मिलता है।
- महाजनपद में वत्स ग्वालियर, चेदि, खजुराहों का सम्बंध मध्य प्रदेश से है।
- महाजनपद काल में चार शक्तिशाली जनपदों में दूसरे स्थान पर अवन्ति जनपद था, जिसका संबंध आधुनिक उज्जैन से है। जिसकी दो राजधानियां थी। उत्तर में उज्जैनी तथा दक्षिण में महिष्मति।
- अवन्ति का शासक प्रद्योत था। जो कि बुद्ध का समकालीन था। प्रद्योत के निमंत्रण पर बुद्ध अपने शिष्य महाकच्चायन को भेजते हैं। जोकि उज्जैयनी के रहने वाले थे।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- प्रद्योत की पुत्री वासवदत्ता एवं महाजनपद वत्स के शासक उदयन की प्रेम कहानी का वर्णन भाष की कृति स्वप्नवासवदत्ता से मिलता है।
- लोहा प्राप्ति में अवंति दूसरे स्थान पर था। पहले पर राजग्रह था। इसीलिए अवंति एक शक्तिशाली महाजनपद था।
- प्रद्योत के पाण्डुरोग से ग्रसित होने पर मगध के शासक बिम्बसार ने अपने राजवैध जीवक के माध्यम से सहायता करते हैं।
- चेदी की राजधानी सोत्वत्थी थी। जिसका सम्बंध खजुराहो से है।
- वत्स की राजधानी कौशाम्बि थी। जिसका सम्बंध ग्वालियर से है। यहाँ का शासक उदयन था जिसने गौतम बुद्ध को घोषिताराम बिहार दान में दिया था। उदयन, पिण्डोला भारद्वाज के कहने पर बुद्ध के अनुयायी बने थे।
- बिन्दुसार के समय अवन्ति का कुमारामात्य अशोक था (गर्वनर)
- अशोक के अभिलेख पानगुडारिया (सीहोर) रूपनाथ (जबलपुर) सांची (रायसेन) एवं सारोमारो (शहडोल) से प्राप्त होते हैं।
- सम्राट अशोक ने विवाह विदिशा के एक श्रेणी (व्यापारी) की पुत्री देवी या देवीस देवी से विवाह किया था। अशोक ने सांची में स्तूप का निर्माण करवाया, जो रायसेन जिले में है।
- सांची म.प्र. के तीन विश्व धरोहर में से एक है। जिसमें महास्तूप में बुद्ध के अस्थि अवशेष तथा दो अन्य स्तूप में बुद्ध कालीन शिष्य मोदग्लायन एवं सारीपुत्र के अस्थि अवशेष रखे हैं।
- अशोक का नाम अभिलेखों में देवनामपिय मिलता है लेकिन उसके चार अभिलेखों मास्की उडेगोलम नेत्तूर, गुर्जरा में अशोक नाम मिलता है जिससे गुर्जरा अभिलेख म.प्र. के दतिया में है
- पुष्यमित्र शुंग का पुत्र अग्निमित्र विदिशा का राज्यपाल था।
- सांची के महास्तूप पर शुंग शासक पुष्यमित्र शुंग ने तोरणद्वार का निर्माण करवाया था।
- शुंग वंश (ब्राह्मण वंश) की राजधानी विदिशा थी।
- शुंग वंश के नवे शासक भागभ्र के 14वे वर्ष तक्षशिला के यवन शासक एन्टियॉलकीड्स का राजदूत हैलियोडोरस विदिशा में दरबार में आया था। हैलियोडोरस ने विदिशा के पास वेसनगर में गरूड स्तम्भ स्थापित किया यह भगवान विष्णु को समर्पित हैं।
- भरहुत स्तूप (सतना) का सम्बंध शुग वंश से है।
- कुषाण शासक, वासिष्क का सांची एवं भेड़ाघाट से प्राप्त बौद्ध प्रतिमा पर कनिष्क संवत 28 मिलता है।
- उज्जैयनी के शक शासकों में सबसे शक्तिशाली रूद्रदामन (130-150) था।
- समुद्र गुप्त के ऐरण अभिलेख में समुद्र गुप्त की तुलना कुबेर (सौम्य रूप) एवं यमराज (रौद्ररूप) से की है।
- समुद्र गुप्त का व्याघ्रहंता सिक्का मालवा में शकों पर विजय का प्रतीक हैं।
- गुप्त शासक चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य ने पाटलीपुत्र के अलावा उज्जैनी (उज्जैन) को भी अपनी राजधानी बनाया था।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य की पुत्री प्रभावती गुप्त का विवाह वकाटक वंश के शासक रूद्रसेन द्वितीय से हुआ था।
- वकाटक वंश ने तीसरी से लेकर पांचवी शताब्दी तक शासन किया। संस्थापक विंध्यशक्ति थे।
- वकाटक नरेश प्रवर सेन ने प्राकृत भाषा में सेतुबंध तथा सर्वसेन (धर्ममहाराज) ने प्राकृत भाषा में हरिविजय नामक रचना की।
- गुप्तकाल के नौरत्न में प्रमुख कालिदास थे। उन्होंने रघुवंश, कुमार सम्भव, मेघदूत, अभिज्ञान, शकुंतलम्, ऋतुसंहार, मालविकाग्निमित्रम् विक्रमोवर्षिय, पुष्पवाण विलासम की रचना की।
- गुप्तकाल में शुद्रक (मृच्छकटीकम्) विशाखदन्त (देवीचन्द्र गुप्तम्) कात्यायन (कामसूत्र) आर्यभट्ट (आर्यभट्टीय एवं सूर्यसिद्धांत) बारह मिहिर (वृहतसंहीता) तथा धमवंतरि (आयुर्वेद) साहित्यकार निवास करते थे।

  बारह मिहिर ने ग्रह नक्षत्र एवं बाग्ग भट्ट ने अष्टांग ह्रदय से ह्रदय शल्य चिकित्सा का वर्णन किया है।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय ने शकों (रूद्रसिंह) को परास्त कर विक्रमादित्य की उपाधि धारण की तथा चांदी का सिक्का जारी किया।
- चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य के दरबार में चीनी यात्री फाहियान (रचना-कायोफू) आया था। जिसने मध्य प्रदेश को ब्राह्मणों का देश बताया है।
- कुमार गुप्त का मंदसौर एवं तुमेन (ग्वालियर) अभिलेख मिलते हैं।
- स्कंदगुप्त का इंदौर ताम्रपत्र मिलता है।
- गुप्त साम्राज्य कमजोर हूणों के बार-बार आक्रमण के कारण हुआ था मालवा पर भानु गुप्त अन्तिम शक्तिशाली राजा था।
- भानु गुप्त ने हुणों से युद्ध किया इसमें गोपराज मारा गया उनकी पत्नी सती हुई थी उसका पहला अभिलेखीय साक्ष ऐरण अभिलेख 510 ई. से मिलता है (सती प्रथा का पहला अभिलेखीय साक्ष्य)
- राय चौधरी ने इस युद्ध को प्राचीन भारत का स्वतंत्रता संग्राम कहा।
- 528 ई. में यशोवर्मन (मालवा) ने हुण शासक मिहिर कुल को परास्त कर विक्रमादित्य की उपाधि धारण की।

## राजपूत काल

- राजपूत काल में मध्य प्रदेश के क्षेत्रों पर मालवा में परमार वंश, बुंदेलखण्ड में चंदेल वंश, तथा त्रिपुरी में कल्चुरी या हैहय वंश



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

का शासन रहा।

- (अ) परमार वंश का अग्निकुण्ड से उदय माना गया है। इसका वर्णन चंदरबरदाई की रचना पृथ्वी राजरासी में मिलता है।
- परमार वंश का संस्थापक उपेन्द्र या कृष्णराज था। उसकी राजधानी धारानगरी (धार) थी।
- परमार वंश के प्रमुख शासक थे- सिमुक, मुंज, सिंधुराज, एवं भोज।
- राजा भोज महत्वपूर्ण परमार शासक था।
- भोज ने (1010-1060 ई.) विविध विषयों-चिकित्सा शास्त्र, खगोल शास्त्र, धर्म, व्याकरण, स्थापत्य शास्त्र आदि पर बीस से अधिक ग्रंथों की रचना की।
- भोज ने धारानगरी में सरस्वती मंदिर एवं भोजशाला (महाविद्यालय) का निर्माण कराया। उसने भोपाल शहर की स्थापना कर यहाँ एक विशाला तालाब का निर्माण कराया।
- भोज ने अनेक रचनाएँ तत्व प्रकार, आयुर्वेद सर्वस्व (चिकित्सा पर) सरस्वती कठांभरण समरांगण सूत्र (वस्तु कला) राजमार्तण्ड, पंतजली के योगसूत्र पर टीका इत्यादि लिखी।
- परमार शासक ने उज्जैन के निकट भतृहरि की गुफाओं का निर्माण 11 वी शताब्दी में कराया। यह पर रंगीन भित्ती चित्र प्राप्त होते हैं।
- अंतिम परमार शासक महलकदेव को 1305 ई में अलाउद्दीन खिलजी द्वारा मार कर मालवा को दिल्ली सल्तनत में मिला दिया गया।
- चंदेल वंश का संस्थापक नानुक था चंदेल प्रारंभ में प्रतिहारों के सामंत थे वे स्वयं को चन्द्रवंशी क्षेत्रीय मानते थे। इस वंश को जेजाक भुक्ति के चंदेल कहते हैं।
- (ब) चंदेलों ने 9 वी- 13वी शताब्दी तक बुंदेलखण्ड क्षेत्र में राज्य किया। इनको प्रारम्भिक राजधानी खजुराहो थी।
- जिसे बाद में महोबा स्थानांतरित किया गया।
- खजुराहों के मंदिरों का निर्माण चंदेलों ने किया था।
- प्रसिद्ध कंदारिया महादेव का मंदिर का निर्माण विद्याधर द्वारा किया गया।
- जबकि खजुराहों के अधिकांश मंदिर का निर्माण धंग के समय हुआ। जिनमें जिननाथ, विश्वनाथ, बैघनाथ, पार्श्वनाथ मंदिर एवं यशोवर्मन ने प्रसिद्ध विष्णु मंदिर का निर्माण कराया।
- घंग के पुत्र गंड ने खजुराहों में जगदम्बी तथा चित्रगुप्त मंदिर का निर्माण कराया।
- चंदेल शासक परमर्दिदव के प्रमुख सेनापति आल्हा उदल थे।
- (स) मध्य प्रदेश के जबलपुर के पास त्रिपुर पर कल्चुरि वंश का शासक रहा। कल्चुरि वंश का संस्थापक कोकल्ल था। कल्चुरि वंश को हैहय वंश भी कहते हैं।
- राजशेखर कल्चुरि के दरबार में रहते थे। राजशेखर की प्रमुख रचनाओं में काव्यमिमांसा, कर्पूरमंजूरी एवं विग्दशाल भंजिका की प्रमुख थी।
- कल्चुरि वंश का शक्ति शाली शासक गंगेयदेव था। उसने कलिंग विजय की थी उपलब्ध में त्रिकलिंगाधिपति की उपाधि धारण की।

## मध्य काल

- मध्यप्रदेश में दिल्ली सल्तनत की स्थापना के समय अनेक क्षेत्रीय रियासतों का उदय हुआ।
- मालवा-1392 ई. में दिलावर खाँ गौरी ने मालवा में सल्तनत की स्थापना की।
- दिलावर खाँ गौरी के पुत्र अल्प खाँ ने होशंगाबाद नगर की स्थापना की। तथा होशंगशाह की उपाधि धारण की एवं धार के स्थान पर माण्डु को राजधानी बनाया।
- माण्डू को शादियाबाद अर्थात आनन्द की नगरी (City of Joy) भी कहते हैं।
- होशंगशाह ने चित्तौड़ विजय किया तथा विजय स्तम्भ स्थापित किया।
- **कछवाह शासक महीपाल ने 1093 ई. में ग्वालियर में सास**-बहु नामक मंदिर का निर्माण करवाया।
- 1019 ई. में महमूद गजनवी ने तथा 1149 ई. मोहम्मद गौरी ने ग्वालियर क्षेत्र पर आक्रमण किया।
- दिल्ली सल्तनत का प्रारम्भिक शासक ऐबक ने बुन्देलखण्ड की विजय की।
- ऐबक की मृत्यु के बाद ग्वालियर पर प्रतिहार एवं कालिंजर व अजयगढ़ पर चंदेलों का अधिकार हो गया।
- 1231 ई. में पुन: ग्वालियर पर इल्तुतमिश का अधिकार हो गया इस उपलक्ष्य में उसने चाँदी का टका (टनका) नामक सिक्का जारी किया।
- 1531 ई. में. रूद्रप्रताप ओरछा की स्थापना की।
- 1539 ई. में ओरछा बुन्देलों की राजधानी बना।
- 1555 ई. में मालवा का शासक बाजबहादुर बना। बाजबहादुर स्वयं को कृष्ण तथा पत्नी रूपमती को राधा समझते थे। (रासलीला करते थे) उनकी प्रेम कथाऐं चर्चित हैं।
- 1561 ई. में अकबर ने मालवा पर अधिकार किया तथा उसे मुगल सुबे में शामिल किया।
- बाजबहादुर ने अकबर को नागड़ा बजाना सिखाया। अकबर ने अपना पहला तोहफा बाजबहादुर को नगाड़े के रूप में दिया था।
- खानदेश ताप्ती नदी पर स्थित था। 1601 ई. में खानदेश को अकबर ने मुगल साम्राज्य में मिला लिया।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- ग्वालियर पर 1486 ई.। से 1526 ई. तक तोमर वंश का शासन रहा। तोमर स्वयं को पाण्डवों का वंशज मानते थे।
- तोमर वंश का प्रसिद्ध राजा अकबर कालीन मानसिंह तोमर था। जो महान संगीतज्ञ एवं स्थापत्यकार था। उसने ग्वालियर में मोती झील एवं गुजरी महल का निर्माण कराया।
- मानसिंह का संबंध धुप्रद घराने से था।
- चंदेरी का युद्ध बाबर और मालवा के शासक मेंदनी राय के मध्य 29 जनवरी, 1528 ई. में लड़ा गया जिसमें मेंदनी राय मारा गया। बाबर ने राजपूतों के सिर से मिनार का निर्माण कराया थ।
- हुमायूं ने सम्पूर्ण मालवा को मुगल राज्य में मिला दिया।
- 1545 ई. में बुंदेलखण्ड के कालिंजर में शेरशाह सूरी की उक्के नामक तोप के गोले फटने से मृत्यु हुई।
- गोण्डवाना पर गोंड रानी दुर्गावती (1524-64) का शासन था। अकबर के समय मुगल सेनापति आसफ खाँ ने 1564 ई. में आक्रमण किया था। दुर्गावती का बेटा वीर नारायण था। युद्ध में हारते देख पहले बेटे को मारा और फिर स्वयं आत्महत्या कर ली।
- अकबर का यह अभियान व्यक्तित्व पर कलंक माना जाता है।
- कालिंजर रीवा की रियासत है। यहाँ के शासक रामचंद्र है। 1569 ई में अकबर ने आक्रमण किया तो रामचन्द्र ने अधीनता मानते हुए संधि करली तथा ग्वालियर घराने के संगीतज्ञ रामतनु पाण्डे को उपहार के रूप में अकबर को दिया।
- रामतनु पाण्डे तानसेन के नाम से प्रसिद्ध हुए। तानसेन की प्रसिद्ध रचना- मिया की टोडी, मिया की राग, मिया की मलहार एवं दरबारी कानाहाड़ा है।
- तानसेन का मकबरा ग्वालियर में है। तानसेन के गुरू हरिदास थे।
- 1601 ई में अकबर का अंतिम अभियान मध्यप्रदेश का असीरगढ़ अभियान था।
- मुहम्मद गौस सूफी सत्तारी सिलसिले के प्रमुख शिक्षक थे जिनका मकबरा ग्वालियर में है। हुमायूं और अकबर मुहम्मद गौस के शिष्य थे।
- 1738 ई. में बुंदेलों की राजधानी ओरछा से टीकमगढ़ स्थानांतरित की।
- वीर सिंह बुंदेला-जहांगीर का साथ दिया था अकबर से बगावत के समय 1602 ई. में अबुल फज़ल की हत्या कर लूटी सम्पत्ति से मथुरा के केशवदेवराय का मंदिर बनाया था।
- बुंदेल नरेश छत्रपाल (बुंलेदखण्ड केसरी) एवं मराठा शिवाजी ने ओरंगजेब के विरुद्ध दल बनाया था।
- उज्जैन के धरमत नामक स्थान पर 14 अप्रैल 1658 ई. को ओरंगजेब और मुगलसेनापति जसवंत सिंह के मध्य युद्ध हुआ था। जिसमें औरंगजेब की जीत हुई थी।

**भोपाल रियासत-**

- भोपाल रियासत की स्थापना 1724 को दोस्त मुहम्मद ने की थी। जो कि अफगान मुगल सेनापति था उसके उत्तराधिकारी ने स्वयं को स्वतंत्र कर नवाब की उपाधि धारण की।

**भोपाल की बेगमें-**

- कुदसिया बेगम (1819-1837) भोपाल रियासत की पहली महिला शासिका थी। गौहर बेगम के नाम से भी जानी जाती है। जामा मस्जिद और गौहर महल बनवाया।
- सिकंदर जहां बेगम (1844-1868) मोती मस्जिद और मोती महल बनवाया 1857 की क्रांति के समय अंग्रेजों का साथ दिया था।
- शाहजहाँ बेगम (1868-1901) शाहजहानाबाद का निर्माण किया।
- केखुसरोंजहाँ बेगम (1901-1926) भोपाल नगर का कार्यालय सदर मंजिल का निर्माण कराया था।
- नूर-उस सबा महल (वर्तमान में हेरिटेज होटल) बनवाया।
- के खुसरों जहाँ बेगम के बाद हमीदुल्ला खान नवाब बने आजादी के बाद 1 मई 1949 को अनमने ढंग से विलय पर हस्ताक्षर किये।
- छोटी बेटी बेगम साजिदा (1961-1995) की शादी नवाब इफ्तिखार अली खाँ पटोदी से हुई अत: अब नवाब पटोदी ही भोपाल के नवाब कहलाए।

## आधुनिक काल

- अंग्रेजो के साथ मराठा ने चार युद्ध लड़े जिसमें क्रमश: पहले युद्ध में पेशवा, दूसरे में होल्कर, तीसरे में सिंधिया तथा चौथे में भौंसले को हराया।
- इनमें से होल्कर और सिन्धिंया का सम्बंध मध्यप्रदेश से है।
- होल्कर वंश ने अपना स्वतंत्र शासन इंदौर में स्थापित किया। इस वंश के संस्थापक मल्हार राव होल्कर थे।
- होल्कर वंश की प्रसिद्ध शासिका राजमाता अहिल्या बाई होल्कर थी जिन्होंने 1767 से 1795 ई. तक शासन किया। इन्होंने अपनी राजधानी महेश्वर बनाई थी।
- होल्कर वंश के अंतिम शासक यशवंत राव होल्कर द्वितीय थे। जिन्होंने स्वतंत्रता के थोडे बाद तक इंदौर पर शासन किया।
- ग्वालियर पर सिंधिया वंश का स्वतंत्र शासन था। इस वंश के संस्थापक राना जी राव शिंद थे।
- राजमाता विजयाराजे सिंधिया (1919-2001) का जन्म मध्यप्रदेश के सागर में हुआ था। उनका विवाह सिंधिया राजघराने में महाराज जीवाजी राव सिंधिया से हुआ था। स्वतंत्रता के बाद उन्होंने राजनीति में प्रवेश करते हुए संसद के दोनों सदनों में निर्वाचित भी हुई।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- राजमाता विजयाराजे सिंधिया की जीवनी मृदुला सिन्ध ने एक रानी ऐसी भी के शीर्षक पर लिखी है।
- 1821 में अंग्रेजों के विरुद्ध नरसिंहगढ़ के कुंवर चैनसिंह ने सीहोर के ब्रिटिश एजेंट मेडॉक के विरुद्ध विद्रोह किया जिसमें चैन सिंह की मृत्यु हुई।
- चैनसिंह को मध्यप्रदेश के स्वतंत्रता आंदोलन का प्रथम शहीद कहा जाता है।
- चैनसिंह का स्मारक चैनसिंह की छतरी के नाम से सीहोर जिले में है।
- 1857 की क्रांति का मध्यप्रदेश में आगाज 3 जून को नीमच छावनी से हुआ।
- झांसी (उत्तर प्रदेश) की रानी लक्ष्मी बाई ने तात्पाय टोपे के साथ मिलकर ग्वालियर दुर्ग पर अधिकार कर लिया था। झलकारी बाई लक्ष्मी बाई की सहायिका थी। झलकारी बाई का चेहरा लक्ष्मीबाई से हुबहु मिलता था।
- 18 जून 1858 को ह्यूरोज (अंग्रेज) द्वारा पीछा करते हुए कालपी नामक स्थान पर लक्ष्मीबाई शहीद हो गई।
- तात्या टोपे (1814-1859) का मूल नाम रामचंद पाण्डुरंग था। तात्या टोपे ने अंग्रेजो का विरोध गोरिल्ला युद्ध द्वारा किया था। 18 अप्रैल 1859 को तात्या टोपे को शिवपुरी में फांसी दे दी गई।
- मालवा एवं निमाड़ा क्षेत्रों की भील जनजाति ने भीमा नायक वा खज्या नायक के माध्यम से अंग्रेजों का विरोध किया।
- लार्ड डलहौजी की हड़प नीति (व्यपंगत नीति) के अंतर्गत रामगढ़ (वर्तमान डिंडोरी जिला) रियासत को भी व्यपगत किया था।
- रामगढ़ की शासिका रानी अवंतिबाई थी। उन्होंने 1857 के विद्रोह में भाग लिया तथा शहीद हुई।
- 1857 के विद्रोह में ग्वालियर के सिंधिया, इंदौर के होल्कर व भोपाल के नवाब ने अंग्रेजो का साथ दिया था।
- 1885 में कांग्रेस की स्थापना के बाद म.प्र. में संगठित राजनीति आंदोलन प्रारम्भ हुए।
- जबलपुर से जबलपुर टाइम्स तथा खण्डवा से सुबोधसिन्धु का प्रकाशन हुआ।
- 1899 ई. में लाहौर अधिवेशन में डॉ. हरिसिंह गौर ने कांग्रेस के न्याय विभाग और प्रशासन को पृथक करने की मांग उठाई।
- जबलपुर में झण्डा सत्याग्रह, सिवनी एवं घोड़ा डोंगरी (बैतुल) में जंगल, सत्याग्रह, इंदौर में सर्राफा सत्याग्रह हुआ।
- छतरपुर रियासत के चरण पादुका घटनाक्रम को मध्यप्रदेश का जलियावाला बाग हत्या काण्ड कहा जाता है।
- भोपाल के मुहम्मद बरकतुल्ला ने विदेश रहकर भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के लिए पेन आर्यन एसोसीएशन की स्थापना की। बाद में उसका नाम बदलकर सोसायटी फार द एडवांस मेट ऑफ इण्डिया रखा गया।
- सविनय अवज्ञा आंदोलन के समय कैप्टन अवधेश प्रताप सिंह व पंडित शंभूनाथ शुक्ल ने रीवा क्षेत्र से आंदोलन में भाग लिया।
- माखन लाल चतुर्वेदी ने अपने पत्र कर्मवीर के माध्यम ये राष्ट्रीय चेतना फैलाई।
- क्रांतिकारी चन्दशेखर आजाद का जन्म मध्यप्रदेश के भाभरा (झाबुआ) अब अलीराजपुर जिले में हुआ था।
- अदालत में आजाद ने पिता का नाम स्वाधीन तथा अपना घर जेलखाना बताया था। 1925-27 तक पं. हरिशंकर ब्रह्मचारी के नाम के नाम से कार्य करते रहे।
- 27 फरवरी 1931 को इलाहबाद के अल्फ्रेड पार्क में स्वयं गोली मारकर शहीद हुए।

## मध्य प्रदेश के अखबार एवं पत्रिका

- म.प्र. का पहला समाचार पत्र ग्वालियर अखबार है। यह उर्दु भाषा में 1840 में प्रकाशित हुआ था।
- म.प्र. का पहला हिन्दी भाषा का अखबार मालवा अखबार है जो इन्दौर से प्रकाशित किया गया है। (1848)
- राज्य का सर्वाधिक प्रसार संख्या वाला अखबार दैनिक भास्कर है।
- म.प्र. की एक मात्र खेल पत्रिका (खेल हलचल) है। इसका प्रकाशन इन्दौर से नई दुनिया समूह द्वारा किया जाता है।
- 1985 में गणित "माध्यम" नामक संस्था द्वारा रोजगार एवं निर्माण समाचार पत्र तथा पंचायिक पत्रिका निकालता है।
- म.प्र. का पहला हिन्दी मासिक पत्र नव जीवन इंदौर से निकलता है।
- भारत भवन भोपाल का प्रकाशन-पूर्वागृह (मासिक), बहुवचन
- जबलपुर से शुभचिंतक (पत्रिका) 1883 में प्रकाशित हुई।
- रीवा से भारतवार्ता (पत्रिका) 1887 में प्रकाशित हुई।
- हिन्दी भाषा में "गजट" प्रकाशित करने वाला पहला राज्य म.प्र. है।
- प्रदेश में पत्रकारिता के लिये नरेन्द्र तिवारी स्मृति पुरस्कार दिया जाता है।

## प्रमुख साहित्य पत्रिकाऐं

| | | |
|---|---|---|
| शिखर वार्ता | - | भोपाल |
| अनन्त, | - | भोपाल |
| पूर्वागृह | - | भोपाल |
| नयापथ | - | भोपाल |
| साक्षात्कार | - | भोपाल (म.प्र. साहित्य परिषद) |
| चौमासा | - | भोपाल, जबलपुर, रीवा |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| नया विकल्प | – | भोपाल, विदिशा, | कंकर | – | रतलाम |
| पंचायिका | – | भोपाल | यात्रा | – | कटनी |
| कलावार्ता | – | भोपाल | प्रसंग | – | ब्यावरा |
| अकंठ | – | पिपरिया | पहल | – | जबलपुर |
| आवेग | – | रतलाम | | | |

# मध्य प्रदेश का भूगोल

☞ भौगोलिक स्थिति 21-6' उत्तरी अक्षांश से 26-30' उत्तरी अक्षांश तक तथा 74'-9' पूर्वी देशान्तर से 81'-48' पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है।

☞ राज्य की पूर्व से पश्चिम लम्बाई 870 किमी और उत्तर से दक्षिण चौड़ाई 605 किमी है। म.प्र. की सीमाएं 5 राज्यों 1. गुजरात, 2. राजस्थान, 3. उत्तर प्रदेश, 4. छत्तीसगढ़ और 5. महाराष्ट्र से जुड़ी हैं। म.प्र. की सीमा सबसे अधिक लम्बाई में उत्तर प्रदेश से जुड़ी है।

☞ राज्य का क्षेत्रफल 3,08,245 वर्ग किमी है।

☞ कर्क रेखा मध्य प्रदेश के मध्य से गुजरती है तथा यह नर्मदा घाटी से लगभग समानान्तर है। यह 11 जिलों से गुजरती है।

### भौतिक दशाएं एवं भू-आकृतिक प्रदेश

☞ मध्य प्रदेश भारत के प्रायद्वीपीय पठार का ही एक भाग है। भौतिक बनावट की दृष्टि से वर्तमान मध्य प्रदेश को निम्नलिखित भौतिक प्रदेशों में विभाजित किया गया है।

(1) मध्य उच्च प्रदेश

(2) सतपुड़ा श्रेणी प्रदेश

(3) पूर्वी पठार

## मध्य उच्च प्रदेश

☞ मध्य उच्च प्रदेश राज्य के दो-तिहाई से भी अधिक श्रेणी पर विस्तृत है। इस प्रदेश को 5 उप विभागों में विभाजित किया है:

(1) मध्य भारत का पठार (2) बुन्देलखण्ड का पठार

(3) विन्ध्य कगार प्रदेश (4) मालवा का पठार

(5) नर्मदा घाटी।

## मध्य भारत का पठार-

☞ इस पठार के दक्षिण में मालवा का पठार, पश्चिम में राजस्थान की उच्च भूमि (बूँदी की पहाड़ियाँ तथा करौली अंग), उत्तर में यमुना के मैदान तथा पूर्व में बुन्देलखण्ड की पठारी भूमि से घिरा हुआ है। इसके अन्तर्गत मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर, श्योरपुर, नीमच, शिवपुरी, मन्दसौर जिले शामिल है।

☞ इस सम्पूर्ण भू-भाग को क्षेत्रफल 32,896 वर्ग किमी. है, जो राज्य के भौगोलिक क्षेत्र का लगभग 10.7% है। जिसकी सामान्य ऊँचाई 300 से 500 मी. तक है।

☞ यह क्षेत्र चम्बल उप-आर्द्र प्रदेश के नाम से भी जाना जाता है, जो 75 सेमी. से भी कम वर्षा के कारण ही उप-आर्द्रा कहा जाता है।

☞ मध्य भारत पठार में कड़प्पा क्रम की चट्टानें 'बिजावर सीरीज' कही जाती हैं।

## बुन्देलखण्ड पठार-

☞ इस भू-भाग के उत्तर-पश्चिम में मध्य भारत का पठार, दक्षिण में मालवा का पठार, दक्षिण-पूर्व में विन्ध्य (रीवा-पन्ना पठार) प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड प्रदेश (झाँसी मण्डल) स्थित है। इसके अन्तर्गत राज्य के टीकमगढ़ छतरपुर व दतिया जिले तथा शिवपुरी जिले की पिछोर व करैरा तहसीलें, ग्वालियर जिले की डबरा तहसील तथा भिण्ड जिले की लहार तहसील सम्मिलित हैं। मध्य प्रदेश के अन्तर्गत आने वाले बुन्देलखण्ड प्रदेश का क्षेत्रफल 23,733 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का 7.70% हैं।

☞ समुद्रतल से इस भू-भाग की ऊँचाई 155 मी. से लेकर दक्षिण में 400 मी. तक है। इस भू-भाग की सबसे ऊँची पहाड़ी सिद्ध बाबा है, जो 1172 मी. ऊँची है।

## विन्ध्य कगार प्रदेश

☞ इस भू-भाग के उत्तर में प्रदेश का बुन्देलखण्ड उच्च प्रदेश और अवध का मैदान, उत्तर-पूर्व में झारखण्ड का मैदान, दक्षिण-



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

पश्चिम व दक्षिण में नर्मदा घाटी, पूर्व में बघेलखण्ड प्रदेश तथा पश्चिम में मालवा का पठार स्थित है। इस भू-भाग का कुल क्षेत्रफल 31954.8 वर्ग किमी. है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 7.2% है। इस भू-भाग का सर्वाधिक ऊँचा पठार रीवा का पठार है जो 780 मी. ऊँचा है।

## मालवा का पठार

☞ इस पठार से कर्क रेखा लगभग इसके मध्य से होकर जाती है। इस भू-भाग के उत्तर में मध्य भारत का पठार, दक्षिण-पूर्व में राजस्थान, दक्षिण में नर्मदा घाटी, पूर्व में उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड तथा पश्चिम में गुजरात राज्य स्थित है। इस पठार से राजय के 15 जिलों का पूर्ण अथवा आंशिक भाग सम्मिलित हैं।

## नर्मदा घाटी

☞ इस भू-भाग के उत्तर में मालवा पठार, दक्षिण में सतपुड़ा प्रदेश, पूर्व में बघेलखण्ड प्रदेश का उत्तर-पूर्व में विन्ध्यन कगार प्रदेश स्थित हैं। इसके अन्तर्गत राज्य के मण्डला, जबलपुर, श्योपुर, होशंगाबाद, रायसेन, पूर्वी निमाड़, धार, देवास, झाबुआ जिले शामिल है।

☞ इस भू-भाग का कुल क्षेत्रफल 86,000 वर्ग किमी. है। इस बेसिन के कुल क्षेत्रफल का 89.8% भू-भाग मध्य प्रदेश में, 8.5% गुजरात में तथा 2.7% भू-भाग महाराष्ट्र में स्थित है।

## सतपुड़ा श्रेणी प्रदेश

☞ मध्य प्रदेश के दक्षिण में पूर्व से पश्चिम तक सतपुड़ा श्रेणी प्रदेश एक त्रिभुजाकार क्षेत्र के रूप में विस्तृत है। इस प्रदेश के उत्तर में नर्मदा घाटी, पूर्व में छत्तीसगढ़ राज्य की छत्तीसगढ़ बेसिन, उत्तर-पूर्व में बघेलखण्ड का पठार और दक्षिण में महाराष्ट्र राज्य स्थित है। सतपुड़ा प्रदेश में नर्मदा, ताप्ती, गोदावरी अपवाह तन्त्र की नदियां प्रवाहित होती हैं।

## पूर्वी पठार-

☞ मध्य प्रदेश के उत्तर-पूर्वी भाग में बघेलखण्ड का पठार (पूर्वी पठार) विस्तृत है। इसके उत्तर-पश्चिम में विन्ध्यन कगार प्रदेश, पूर्वी में छत्तीसगढ़ राज्य का बघेलखण्ड प्रदेश, दक्षिण में सतपुड़ा श्रेणी प्रदेश पश्चिम में नर्मदा घाटी प्रदेश विस्तृत है।

## म.प्र. के महत्वपूर्ण व्यक्तियों के उपनाम

| | |
|---|---|
| अनिल काकोड़कर | विज्ञान पुरुष |
| कवि केराव दास | कठिन काव्य का प्रेत |
| कालिदास | भारतीय शेकपियर |
| पाणिनी | व्याकरणाचार्य |
| पं. कुंजीलाल दुबे | म.प्र. के विधि पुरुष |
| रानी लक्ष्मी बाई | मनु |
| राजेन्द्र जैन | ओशो, रजनीश |
| बाबूलाल गौर | बुलडोजर |
| पं. द्वारिका प्रसाद | आधुनिक चाणक्य |
| विजयाराजे सिंधिया | राजमाता |
| माखनलाल चतुर्वेदी | एक भारतीय आत्मा |
| लता मंगेशकर | स्वर साम्राज्ञी |
| अहिल्या बाई होल्कर | देवी, लोकमाता |

# मध्य प्रदेश की नदियाँ

☞ मध्य प्रदेश की नदियों को दो वर्गों में विभाजित किया जा सकता है, एक वे जो केवल वर्षा ऋतु में जल से भर जाती हैं, दूसरी वे जो वर्षपर्यन्त जल से परिपूरित रहती हैं।

☞ मध्य प्रदेश की प्रमुख नदियों में नर्मदा, चम्बल, ताप्ती, सिन्ध या काली सिन्ध, बेतवा, पार्वती, केन, टोंस, क्षिप्रा एवं तवा आदि हैं।

## नर्मदा नदी

☞ यह अमरकंटक के पुष्पराजगढ़ तहसील जिला अनूपपुर से निकलती है। तथा खम्बात की खाड़ी में जाकर गिरती है। यह एस्चुरी का निर्माण करती है। इसका ढाल पूर्व से पश्चिम है।

☞ नर्मदा नदी प्रायद्वीपीय भारत की एक महत्वपूर्ण नदी है। इसे 'मध्य प्रदेश की जीवन धारा' (Lifeline of Madhya Pradesh) कहते हैं। प्रख्यात भूगोलविद टॉलमी (Ptolemy) ने इसे नामादोस (Namados) कहा है। इसके अन्य प्रमुख नामों में मैकल सुता, सोमी देवी तथा रेवा है।

☞ यह भारत की पांचवी बड़ी नदी है। यह नदी 1,312 किमी लम्बी है और मध्य प्रदेश में 1077 किमी बहती है। इसका अपवाह क्षेत्र 85,859 वर्ग किमी है। जो म.प्र. के 15 जिलों से गुजरती है।

☞ नर्मदा का अपवाह तंत्र से मध्यप्रदेश, गुजरात, राजस्थान, तथा महाराष्ट्र लाभांवित होते हैं।

☞ इस नदी पर राज्य के कुछ महत्वपूर्ण नगर जैसे- जबलपुर, होशंगाबाद, बड़वाह, महेश्वर, ओंकारेश्वर आदि स्थित हैं।

☞ नर्मदा नदी के बाएं तट पर मिलने वाली प्रमुख नदियों में बरनार, बंजर, शेर, शक्कर, दूधी, तवा, गंजाल, छोटी तवा, कुन्दी, देव



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

और गोई हैं। जबकि दाएं तट पर मिलने वाली नदियों में हिरन, तिनदोना, बरना, चन्द्रकेशर, कानर, मान, ऊटी एवं हथनी हैं।

## चम्बल

- यह पश्चिमी मध्य प्रदेश की महत्वपूर्ण नदी है। इसका पौराणिक नाम चर्मावती हैं चम्बल का उदगम मध्य प्रदेश में मऊ के समीप जनावपाव पहाड़ी (854 मीटर ऊंचाई) से हुआ है।
- चम्बल की सहायक नदी क्षिप्रा, कालीसिंध, पार्वती महत्वपूर्ण हैं।
- पूर्वी भाग में बहती हुई इटावा से 38 किमी दूर यमुना में मिल जाती है। यह नदी कोटा मण्डल में भैंसरोडगढ़ के निकट 18 मीटर ऊंचा चूलिया जलप्रतात बनाती है। इस नदी की सम्पूर्ण लम्बई 965 किमी है।
- इस पर अनेक बहुउद्देशीय योजनाएं अवस्थित हैं जिनमें गांधी सागर, राणाप्रताप सागर और कोटा बांध मुख्य हैं। यह नदी मुरैना और भिण्ड जिलों में बड़ी और गहरी खाइयों (बीहड़/ Ravines) का निर्माण करती है।

## ताप्ती नदी

- तापी या ताप्ती नदी का नाम संस्कृत के ताप शब्द से उदधृत हैं यह नदी मध्य प्रदेश के बैतूल जिले में मुल्ताई (मूल-ताप्ती) से निकलती है। यह नदी नर्मदा नदी की भांति पूर्व से पश्चिम की ओर बहती है और अन्त में सूरत के निकट खम्बात की खाड़ी में गिरती है।

## सोन नदी

- सोन नदी को स्वर्ण नदी भी कहते हैं। यह नदी अमरकंटक की पहाड़ियों से नर्मदा के उदगम स्थान के समीप से निकलती है। यह गंगा नदी में दीनापुर से 16 किमी ऊपर की ओर मिलती है। यह नदी 780 किमी लम्बी है।

## बेतवा

- इसे वेत्रावती भी कहते हैं। इस की कुल लम्बाई 480 किमी है।
- यह हमीरपुर के निकट यमुना नदी में मिल जाती है। बेतवा की दो सहायक नदियां बीना और धसान दाहिनी ओर से मिलती है, जबकि एक अन्य सहायक सिन्धु बायी ओर से मिलती है। बीना नदी सागर जिले की पश्चिमी सीमा के पास, राहतगढ़ कस्बे के निकट एक ऊंचा खड़ा जल प्रपात-भालकुण्ड प्रपात (38 मीटर) बनाती है।

## पार्वती

- यह नदी विन्ध्यन कगार के उत्तरी ढाल से (सीहोर जिले में) निकलती है, मध्य भारत पठार पर यह नदी बहती है और अन्त में चम्बल से मिल जाती है।

## कुंवारी

- यह नदी शिवपुरी पठार से निकलती है। भिण्ड जिले की लहार तहसील से सिन्ध में मिल जाती हैं।

## क्षिप्रा

- यह नदी इन्दौर जिले में स्थित काकरी-बरड़ी पहाड़ी से निकलती है। यह देवास उज्जैन जिलों में बहती हुई आगे जाकर चम्बल नदी में मिल जाती है।
- क्षिप्रा नदी के किनारे अनेक तीर्थ स्थल हैं जिनमें उज्जैन का महाकलेश्वर मन्दिर विख्यात है।

## काली सिन्ध

- यह देवास के बागली गांव के समीप विन्ध्याचल से निकलती है। यह शाजापुर और नरसिंहगढ़ जिलों में बहकर राजस्थान से चम्बल नदी में मिल जाती है।

## सिन्ध

- यह नदी सिरोंज के निकट से निकलती है इटावा जिले (उ.प्र.) के पास चम्बल में मिल जाती है।

## केन

- यह नदी भी विन्ध्याचल पर्वत से निकलकर उत्तर की ओर बहती हुई घने जंगलों को पार कर उत्तर प्रदेश में यमुना नदी से मिल जाती है।

## तवा नदी

- पचमढ़ी के महादेव पर्वत से निकलती है।
- नर्मदा में मिलती है।

## वेनगंगा नदी

- सिवनी के परसवाड़ा पहाड़ से निकलती है।
- महाराष्ट्र की वर्धा नदी से मिलती है। वेनगंगा वर्धा का संगम प्राणहिता कहलाता है।

### मध्य प्रदेश में नदियों के किनारे बसे प्रमुख नगर

| नगर | नदी |
|---|---|
| बड़वानी | नर्मदा |
| निमाड़ | नर्मदा |
| महेश्वर | नर्मदा |
| धार | नर्मदा |
| जबलपुर | नर्मदा |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

| | |
|---|---|
| बालाघाट | वेनगंगा |
| दतिया | सिन्ध |
| राजगढ़ | पार्वती |
| बुरहानपुर | ताप्ती |
| ओरछा | बेतवा |
| साँची | बेतवा |
| विदिशा | बेतवा |
| बुन्देलखण्ड | बेतवा |
| श्योपुर | चम्बल |
| पचमढ़ी | तवा |
| मण्डला | नर्मदा |
| शाजापुर | पार्वती |
| होशंगाबाद | नर्मदा |
| झाबुआ | नर्मदा |
| शिवपुरी | सिन्ध |
| उज्जैन | क्षिप्रा |
| ओंकारेश्वर | नर्मदा |
| मुलताई | ताप्ती |
| देवास | काली सिन्ध |
| सोनकच्छ | काली सिन्ध |
| रतलाम | चम्बल |
| महू (मऊ) | चम्बल |
| गुना | बेतवा |

उत्तर की ओर बहने वाली नदियाँ दक्षिण की ओर बहनी वाली नदियाँ पश्चिम की ओर बहने वाली नदियाँ — चम्बल, सोन, बेतवा, केन, काली सिन्ध व पार्वती वेनगंगा नर्मदा व पात्पी

## जल प्रपात

| जल प्रपात | जिला | नदी |
|---|---|---|
| धुआँधार जलप्रताप | जबलपुर | नर्मदा |
| दुग्ध धारा जलप्रपात | अनूपपुर | नर्मदा |
| कपिल धारा जलप्रताप | जबलपुर | नर्मदा |
| सहस्वधारी सहस्त्र धारा | खरगौन | नर्मदा |
| केवटी जलप्रताप | रीवा | बीहड़ |
| चचाई जलप्रपात (सबसे बड़ा 130 मी.) | रीवा | बीहड़ |
| बहुटी जलप्रपात | रीवा | बीहड़ |

## मध्य प्रदेश की जल विद्युत परियोजना

| परियोजना का नाम | स्थान |
|---|---|
| ☞ इन्दिरा सागर विद्युत | पुनासा (खण्डवा) नर्मदा नदी पर ऊँचाई 92 मी. विद्युत क्षमता 1000 मेगावाट |
| ☞ ओकारेश्वर परियोजना | सिधवरकूट (खण्डवा) नर्मदा नदी पर ऊँचाई 75 मी., विद्युत क्षमता 520 मेगावाट |
| ☞ महेश्वर परियोजना | धार जिले में नर्मदा नदी पर 320 मेगा वाट नर्मदा नदी पर है |
| ☞ (राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर, गाँधी सागर यह तीनों म.प्र. राजस्थान की संयुक्त परियोजना है जो चम्बल नदी पर है) | |
| ☞ सरदार सरोवर | भड़ौच (गुजरात) |
| ☞ यहाँ 1450 मेगा वाट की बिजली का उत्पादन होता है। यह परियोजना नर्मदा नदी पर बन है। | |
| ☞ बाण सागर | रीवा/शहडोल, सोन नदी पर है विद्युत क्षमता 450 मेगावाट |
| ☞ रानी लक्ष्मीबाई/राजघाट परियोजना/माता टीला बेतवा नदी पर है। (म.प्र./उ.प्र. की संयुक्त परियोजना है) | |
| ☞ बरगी/अवन्ति बाई | जबलपुर बरगी नदी पर है। |
| ☞ हलाली/अशोक | विदिशा रायसेन हलाली नदी पर है। |
| ☞ संजय सरोवर | बालाघाट/सिवनी वैनगंगा नदी पर |
| ☞ चुटका परमाणु परियोजना मण्डला में है यह भारत का सातवा परमाणु केन्द्र है | |
| ☞ विद्युत मण्डल/बिजली बोर्ड का गठन सर्वप्रथम 1950 में स्थापित किया गया इसका मुख्यालय जबलपुर में है | |
| ☞ मध्य प्रदेश में विद्युत का उत्पादन 1905 से शुरू हुआ। | |
| ☞ विश्व में विद्युत का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र भोपाल में है। | |

# मध्यप्रदेश की जलवायु

- ☞ म.प्र. में वर्षा की औसत 112 सेमी है।
- ☞ म.प्र. में सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र पंचमढ़ी (200 सेमी से अधिक वर्षा) तथा दूसरे स्थान पर अमरकंटक है।
- ☞ म.प्र. में शीत ऋतु को सियाला, ग्रीष्म ऋतु को उनाला, तथा वर्षा ऋतु को चौमासा तथा लौटते हुए मानसून (उत्तर पश्चिमी मानसून) को मावट या मावठा कहते हैं।
- ☞ 22 दिसम्बर को मध्य प्रदेश के अधिकांश भाग पर सूर्य की किरणें तिवची पड़ती है।
- ☞ सर्वाधिक तापमान ग्वालियर में दर्ज किया जाता है लेकिन विगत तीन वर्षों से गंजबासौदा (विदिशा) में राज्य का सर्वाधिक औसत तापमान (47.8) दर्ज किया जा रहा है।
- ☞ सबसे कम वर्षा भिण्ड में होती है। (55 cm)
- ☞ न्यूनतम तापमान शिवपुरी में दर्ज किया जाता है।
- ☞ मध्य प्रदेश की जलवायु मानसूनी है। क्योंकि कर्क रेखा लगभग बीच से गुजरती है। मध्य प्रदेश में अधिकांश वर्षा जून से सितम्बर के बीच होती है। जिसका प्रतिशत कुल वर्षा का 80 से 92 है।
- ☞ मध्य प्रदेश में दक्षिण-पश्चिमी मानसून आता है। जो बंगाल की खाड़ी और अरब सागर की शाखाओं द्वारा वर्षा करता है।

## मध्यप्रदेश में ऋतुऐं

- ☞ मध्यप्रदेश में मुख्य तीन ऋतुऐं हैं। ग्रीष्म ऋतु, वर्षा ऋतु तथा शीत ऋतु
- ☞ **ग्रीष्म ऋतु**—मार्च से जून के मध्य रहती है। इस समय तापमान से 29.4°C से ऊपर रहता है।
- ☞ **वर्षा ऋत**—जून के मध्य से वर्षा प्रारम्भ हो जाती है।
- ☞ मध्य प्रदेश में वर्षा ऋतु के चार माह (जून, जुलाई, अगस्त, सितम्बर) में औसतन 100 सेमी से अधिक वर्षा होती है।
- ☞ **शीत ऋतु**—सितम्बर में सूर्य के दक्षिणायण होने के साथ ही औसत तापमान में गिरावट आने लगती है। अक्टूबर में सम्पूर्ण मध्य प्रदेश का तापमान 20.9°C से 26.6°C के मध्य रहता है।
- ☞ जनवरी में 21.1°C की रेखा मध्यप्रदेश को उत्तरी व दक्षिणी दो भागों में विभक्त कर देती है। रात्रि का तापमान गिरने से ऊँचे पठारी व पहाड़ी भागों में स्थानीय रूप से पाला व कुहरा पड़ता है। दिसम्बर जनवरी में उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश में हल्की वर्षा चक्रवातों में से जाती है। ये चक्रवात अधिक पश्चिम की ओर से आते हैं।
- ☞ मध्यप्रदेश की जलवायु को मानसूनी जलवायु तथा क्षेत्र ऊष्ण कटिबंधीय क्षेत्र कहते हैं।
- ☞ ऋतु सम्बंधी आंकड़ों को एकत्र करने वाली वेधशाला इन्दौर में है।

# मध्य प्रदेश की मिट्टियाँ

- ☞ मृदा अपरदन को रेंगती हुई मृत्यु कहते हैं।
- ☞ काली मिट्टी का रंग टिटेनी फेरस मेगनेसाइड के कारण काला होता है।
- ☞ काली मिट्टी का निर्माण दक्कन ट्रेप बेसाल्ट चट्टान से होता है।
- ☞ मध्य प्रदेश अत्याधिक प्राचीन भूखण्ड गोण्डवाना लैण्ड का भाग है इसलिए नदियों के कछारों के अतिरिक्त लगभग सम्पूर्ण में प्रौढ़ मिट्टी पाई जाती है। तथा जैव पदार्थ बहुतयात में मिलते हैं।
- ☞ विशेष अध्ययन की दृष्टि से मध्य प्रदेश की मिट्टी को निम्नलिखित 5 भागों में विभाजित किया है :

1. **काली मिट्टी**—मध्यप्रदेश में काली मिट्टी का कुल योगदान 47% है। जो सर्वाधिक है।

- ☞ काली मिट्टी गहरे रंग की दोमट मिट्टी है जिसके दो प्रधान अवयव हैं- चीका एवं बालू। जिसमें चूना, मैग्नीशियम एवं कार्बोनेट्स का बहुत अंश होता है। इस मिट्टी में लोहे, चूने एवं एल्युमिना की प्रधानता होती है और फॉस्फेट, नाइट्रोजन एवं जैव पदार्थ की कमी होती है। इस मिट्टी के रासायनिक संगठन में अन्य रसायनों के अतिरिक्त लोहे और चूने की मात्रा अधिक होती है। इसी कारण इसका रंग काला हो जाता है। यह मिट्टी पानी पड़ने पर चिपकती है। सूखने पर इसमें बड़ी संख्या में दरारें पड़ जाती हैं। मध्य प्रदेश में काली मिट्टी प्रमुखत: सतपुड़ा के कुछ भाग, नर्मदा घाटी एवं मालवा के पठार में मिलती है।

2. **लाल और पीली मिट्टी**—मध्यप्रदेश की कुल मिट्टी में 37% का योगदान है।

- ☞ बघेलखण्ड प्रदेश मैं लाल व पीली मिट्टी पाई जाती है। यह मिट्टी सीधी, कटनी, उमिरया और शहडोल जिलों में पाई जाती



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

है। इसमें चूने की मात्रा अपेक्षाकृत कम होती है। इसमें नाइट्रोजन एवं ह्यूमस भी कम होता है। इस मिट्टी में धान की फसल अधिक बोई जाती है।

3. **जलोढ़ मिट्टी**—मध्य प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भागों मुख्यत: श्योपुर, मुरैना, भिण्ड, ग्वालियर तथा शिवपुरी जिलों में जलोढ़ मिट्टी पाई जाती है। बुन्देलखण्ड नीस तथा चम्बल द्वारा निक्षेपित पदार्थों से निर्मित है। इस मिट्टी में नाइट्रोजन जैव तत्व एवं फॉस्फोरस की कमी होने के कारण वनस्पति भी कम पाई जाती है। इस मिट्टी की सतह बलुई दोमट व चिकनी दोमट तथा निचली तहों में अपेक्षाकृत महीन कणों का पदार्थ पाया जाता है। बालू की अधिकता के कारण इसमें अपरदन अपेक्षाकृत कम होता है।

4. **कछारी मिट्टी**—बाढ़ के दौरान नदियों द्वारा अपने अपवाह क्षेत्र में बिछाई गई मिट्टी कछारी मिट्टी कहलाती है। भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर में चम्बल एवं उसकी सहायक नदियों द्वारा यह मिट्टी लाई जाती है।

5. **मिश्रित मिट्टी**—मध्य प्रदेश के अनेक जिलों में लाल, पीली एवं काली मिट्टी मिश्रित रूप में पाई जाती है। इस मिट्टी में फॉस्फेट, नाइट्रोजन एवं कार्बनिक पदार्थों की कमी रहती है। जिसके फलस्वरूप वह कम उपजाऊ होती है।

☞ जिन भागों में सिंचाई की सुविधा है, वहां विभिन्न प्रकार की फसलें होती हैं। जिससे स्पष्ट है कि मिट्टी की उर्वरा शक्ति कम नहीं है अधिक सिंचाई से लवणों के संचय की समस्या अवश्य खड़ी हो जाती है।

| मृदा के प्रकार | जिले |
|---|---|
| काली और पीली मृदा | बालाघाट |
| गहरी काली मृदा | होशंगाबाद |
| मध्यम काली मृदा | झाबुआ, मन्दसौर, रतलाम, उज्जैन, खरगौन, खण्डवा, इन्दौर, देवास, सीहोर, शाजापुर, राजगढ़, गुना, भोपाल, विदिशा, सागर, रायसेन, दमोह, जबलपुर, शहडोल, दतिया और शिवपुरी के कुछ हिस्से। |
| हल्की काली मृदा | बैतूल, छिन्दवाड़ा, सिवनी तथा नरसिंहपुर |
| कंकरीली मृदा | मण्डला |
| कछारी मृदा | भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर |
| मिश्रित मृदा | सीधी और शिवपुरी के कुछ हिस्से। |

## मध्य प्रदेश में कृषि

☞ मध्य प्रदेश की 73.5 प्रतिशत जनसंख्या कृषि पर निर्भर है।
☞ मध्य प्रदेश में 49 प्रतिशत भू-भाग पर खेती होती है।
☞ मध्य प्रदेश की सर्वाधिक सिंचित फसल गेहूँ है।
☞ मध्य प्रदेश की खाद्यान्न फसल गेहूँ है तथा भारत की खाद्यान्न फसल चावल/धान है।
☞ मध्य प्रदेश का सैलरिच जैविक खाद संयंत्र भोपाल में है।
☞ मध्य प्रदेश में मछली पालन की कृषि का दर्जा 1997 में दिया गया है।
☞ भारत का 82% सोयाबीन मध्य प्रदेश में पैदा होता है। इस कारण मध्यप्रदेश को सोया प्रदेश कहते हैं। म.प्र. सोयाबीन की फसल में पूरे भारत में पहले स्थान पर है।
☞ सोयाबीन का सबसे ज्यादा उत्पादक क्षेत्र मालवा तथा जिला उज्जैन है।
☞ सोयाबीन अनुसंधान संस्थान इंदौर में है।
☞ एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन संयन्त्र उज्जैन में है।
☞ धान उत्पादन क्षेत्र बघेलखण्ड (रीवा, पन्ना का पठान) है जिले (छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट)
☞ मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी कृषि जोत का जिला हरदा है। तथा सबसे छोटी कृषि जोत का जिला कटनी/नीमच है (1.5 हैक्टयर)
☞ मुंगफली मंदसौर/नीमच/धार जिले में अधिक होती है।
☞ ज्वार/मक्का पश्चिमी मध्य प्रदेश में अधिक पैदावार होती है।
☞ चने की पैदावार में होशंगाबाद/नरसिंहपुर आगे है।
☞ सोयाबीन में उज्जैन/इंदौर आगे है।
☞ चावल अनुसंधान संस्थान बड़वानी में है।
☞ गेहूँ का सबसे बड़ा उत्पादक क्षेत्र मालवा है। (होशंगाबाद, नरसिंहपुर, विदिशा, सीहोर, रायसेन)
☞ मध्य प्रदेश का एक मात्र उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में है।
☞ मध्य प्रदेश में अंगूर का अनुसंधान केन्द्र रतलाम में है। अंगूर उत्पादन में रतलाम मध्यप्रदेश में अग्रणी है
☞ संतरा सर्वाधिक क्रमश: महाराष्ट्र मध्यप्रदेश, असम (ब्राजील, यू.एस.ए. भारत) में होता है।
☞ नागपुरी संतरे 60 प्रतिशत मध्यप्रदेश में उगाए जाते हैं।
☞ मध्यप्रदेश में सबसे बड़ी कृषि जोत का जिला हरदा है। तथा सबसे छोटी कृषि जोत का जिला कटनी/नीमच है (1.5 हैक्टयर)
☞ मुंगफली मंदसौर/नीमच/धार जिले में अधिक होती है।
☞ ज्वार/मक्का पश्चिमी मध्य प्रदेश में अधिक पैदावार होती है।
☞ चने की पैदावार में होशंगाबाद/नरसिंहपुर आगे है।
☞ सोयाबीन में उज्जैन/इंदौर आगे हैं।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- सोयाबीन में 40–42 प्रतिशत प्रोटीन होता है।
- भारत में जैविक खेती सर्वप्रथम इंदौर मध्यप्रदेश में की गई थी।
- मध्यप्रदेश में खरीफ की फसलों का उत्पादन 62 प्रतिशत तथा रबी की फसल 38 प्रतिशत है।
- **खरीफ की फसलें निम्न हैं**—(जून-सितम्बर) चावल, गन्ना, मूँगफली, मक्का, ज्वार कपास, अरहर।
- **रबी की फसलें निम्न हैं**—(अक्टूबर-अप्रैल) गेहूँ, चना, जौं, मटर, सरसों, अलसी।
- मध्यप्रदेश की कृषि विकास दर 10.6 प्रतिशत है। तथा किसानों को दिया जाने वाला कृषि ऋण 1 प्रतिशत बाज की दर पर दिया जाता है। जिसे 0% कर दिया गया है।
- मध्य प्रदेश तिलहनों, दलहनों, सोयाबीन, चना और अलसी का प्रमुख उत्पादक है। गेहूं, चावल, ज्वार, गन्ना, कपास, अरहर (तुअर) और सरसों राज्य में उगाई जाने वाली प्रमुख फसलें हैं।

**फसलों के आधार पर मध्य प्रदेश को सात प्रमुख कृषि क्षेत्रों में बांटा गया है :**

1. **ज्वार का क्षेत्र**—गुना, शिवपुरी, श्योपुर व पश्चिमी मुरैना।
2. **गेहूँ व ज्वार का क्षेत्र**—इसका विस्तार लगभग सम्पूर्ण बुन्देलखण्ड के पठार तथा मालवा के मध्य भाग पर है।
3. **गेहूँ क्षेत्र**—उज्जैन, मंदसौर, शाजापुर, राजगढ़, देवास और सीहोर।
4. **कपास का क्षेत्र**—खरगौन, रतलाम, बड़वानी, धार व झाबुआ।
5. **चावल व कपास का क्षेत्र**—खण्डवा व बुरहानपुर।
6. **चावल, कपास व ज्वार का क्षेत्र**—बैतूल, छिंदवाड़ा और सिवनी।
7. **चावल का क्षेत्र**—सम्पूर्ण पूर्वी मध्य प्रदेश।

| फसल | क्षेत्र |
|---|---|
| मध्य प्रदेश में आँवला | पन्ना में |
| मध्य प्रदेश में आम | जबलपुर |
| मध्य प्रदेश में सरसों | भिंड/मुरैना |
| मध्य प्रदेश में अलसी | बालाघाट/रीवा |
| मध्य प्रदेश में अफीम (हरासोना) | मंदसौर/नीमच |
| मध्य प्रदेश में आलू | इंदौर |
| मध्य प्रदेश में प्याज | छिंदवाड़ा |
| मध्य प्रदेश में लहसुन | रतलाम |

## कृषि क्रांति

| क्रांति का नाम | किससे सम्बन्धित हैं- |
|---|---|
| पीली क्रांति | तिलहन उत्पादन/सरसों |
| भूरी क्रांति | उर्वरक से |
| लाल क्रांति | मांस/टमाटर |
| गुलाबी क्रांति | झींगा उत्पादन से |
| सुनहरी (गोल्डन) क्रांति | बागवानी |
| रजत क्रांति | अण्डा/मुर्गी उत्पादन से |
| नीली क्रांति | मत्स्य/मेछली पालन से |
| गोल क्रांति | आलू |
| श्वेत क्रांति | दुग्ध उत्पादन से |
| हरित क्रांति | गेहूँ/धान |
| इन्द्रधनुषी क्रांति | सभी क्षेत्रों के विकास के लिए |

# मध्य प्रदेश में सिंचाई

- राज्य में 10 प्रमुख नदियाँ हैं जिनमें नर्मदा, चम्बल, कालीसिन्ध, बेतवा, सोन, वेनगंगा, माही, ताप्ती, केन और पेंच है।
- मध्य प्रदेश में समस्त स्त्रोतों में कुओं (नलकूप सहित) द्वारा ही सबसे अधिक सिंचाई में द्वितीय स्थान नहरों का आता है।
- शुद्ध सिंचित क्षेत्र 66.3 प्रतिशत कुओं एवं नलकूप से 16.8 प्रतिशत शासकीय नहरें एवं 2.3 प्रतिशत तालाबों से सिंचित किया गया। शेष 14.6 प्रतिशत क्षेत्र अन्य स्त्रोतों से सिंचित किया गया।
- कुओं से सर्वाधिक सिंचाई पश्चिमी मध्य प्रदेश में की जाती है। मध्य प्रदेश के कई जिलों में नलकूप खोदकर कम खर्च से अधिक क्षेत्र में सिंचाई की जाती है। मुरैना, भिण्ड, दतिया, छतरपुर, टीकमगढ़ जिलों में इस प्रकार की सिंचाई की जाती है।
- **नहरों द्वारा मुख्यत**—चम्बल घाटी क्षेत्र में सिंचाई की जाती है। ग्वालियर, मुरैना आदि जिलों में नहरें सिंचाई का प्रमुख साधन है। प्रदेश के बालाघाट, सिवनी आदि जिलों में तालाबों द्वारा सिंचाई होती है।

### मध्य प्रदेश की प्रमुख नहरें-

1. चम्बल नहर 2. बारना नहर 3. बेनगंगा नहर
4. तवा नहर 5. हलाली नहर

## मध्य प्रदेश की बहुउद्देशीय योजनाएं

### चम्बल घाटी परियोजना-

- चम्बल घाटी परियोजना मध्य प्रदेश और राजस्थान की एक

सम्मिलित बहुउद्देशीय परियोजना है। यह परियोजना चम्बल नदी पर है।

☞ मध्यप्रदेश व राजस्थान की इस बहुउद्देशीय योजना का आरम्भ 1953-54 में किया गया, इस योजना के तीन चरण हैं-
(1) गांधी सागर योजना (मन्दसौर)
(2) राणा प्रताप सागर योजना (चित्तोड़) एवं जवाहर सागर योजना (कोटा)
(3) कोटा बांध योजना (कोटा)

## नर्मदा घाटी परियोजना

☞ नर्मदा एक अन्तर्राज्यीय नदी है। जिसके प्रवाहमार्ग में मध्य प्रदेश के अतिरिक्त गुजरात व महाराष्ट्र व राजस्थान का क्रमश: 18,25 मिलियन एकड़ फुट, 9 मिलियन एकड़ फुट 0.05 मिलियन एकड़ फुट तथा 0.25 मिलियन एकड़ फुट पानी का आवंटन किया था।

☞ नर्मदा नदी की 41 मुख्य सहायक नदियों के जल के विद्रोहन एवं उपयोग के लिए पूरे बेसिन की एक वृहत् योजना बनाई गई हैं। जिसमें मध्य प्रदेश की 29 वृहत् 135 मध्यम तथा 3 हजार लघु योजनाएं सम्मिलित हैं।

☞ नर्मदा घाटी परियोजना एक बहुउद्देशीय परियोजना है जिससे 27.55 लाख हेक्टेअर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा तथा 2600 मेगावाट विद्युत का उत्पादन हो सकेगा।

## इन्दिरा सागर परियोजना

☞ 23 अक्टूबर, 1984 को इन्दिरा सागर परियोजना का शिलान्यास तत्कालीन प्रधानमन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी द्वारा किया गया थ। खण्डवा जिले में निर्माणाधीन इस परियोजना के माध्यम से ही ओंकारेश्वर, महेश्वर और सरदार सरोवर को पानी की पूर्ति की जाएगी।

## तवा परियोजना

☞ तवा नदी नर्मदा की एक सहायक नदी है जो महादेव पहाड़ियों का जल निकास करती है। इस परियोजना के अन्तर्गत होशंगाबाद जिले में इटारसी तहसील में ग्राम रानीपुर के पास तवा नदी 1,448.7 फीट लम्बा और 58 मीटर ऊंचा बांध बनाया गया है।

## बरगी रानी अवन्तिबाई सागर परियोजना

☞ जबलपुर जिले से 43.2 किमी दूरी पर बिजोरा के निकट बरगी नदी पर इस परियोजना को 1971 में प्रारम्भ किया गया था। इस पर मिट्टी का बांध बनाया गया है।

## राजघाट परियोजना-

☞ राजघाट परियोजना मध्य प्रदेश व उत्तर प्रदेश की संयुक्त परियोजना है। उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले में एक बांध बनाया गया है, जिसमें 45 मेगावाट विद्युत उत्पादन क्षमता का एक जल विद्युत केन्द्र भी प्रस्तावित है। इस बांध पर बने जलाशय का नाम 'रानी लक्ष्मीबाई सागर' रखा गया है।

## भाण्डेर परियोजना

☞ इस परियोजना को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा 19153 ई. के अनुबन्ध के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के क्षेत्र में माताटीला बांध के पानी से सिंचाई करने के लिए एक नहर का निर्माण किया गया था।

## उर्मिल परियोजना

☞ उर्मिल परियोजना मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की संयुक्त परियोजना है। इस परियोजना के अन्तर्गत मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में मिट्टी का बांध बनाया गया है।

## बरियारपुर नहर परियोजना

☞ 1906 ई. में केन नदी पर वर्तमान मध्य प्रदेश के छतरपुर-पन्ना जिलों की सीमा पर उत्तर प्रदेश शासन ने बरियारपुर पिकअप जलाशय बनाया था।

## माही परियोजना

☞ माही नदी का उदगम धार जिले में होता है। धार एवं झाबुआ जिले की सीमा पर बहती हुई यह रतलाम जिले से होकर राजस्थान में प्रवेश करती है। यह मध्य प्रदेश व राजस्थान की संयुक्त परियोजना है।

## पेंच परियोजना

☞ पेंच परियोजना मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है। यह छिन्दवाड़ा जिले के ग्राम मंचगोरा के निकट पेंच नदी पर स्थित है।

## बावनथड़ी परियोजना

☞ यह परियोजना मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है।

## थावर परियोजना

☞ 1977 ई. में शुरू की गई थावर परियोजना मण्डला जिले के झुलपुर ग्राम के समीप थावर नदी पर स्थित है।

## अपर बेनगंगा परियोजना/संजय सरोवर व परियोजना

☞ यह परियोजना मध्य प्रदेश के गोदावरी कछार में बेनगंगा नदी पर स्थित है। इसे 'संजय सरोवर परियोजना' भी कहते हैं।

## हलाली परियोजना/सम्राट अशोक परियोजना

- यह परियोजना बेतवा की सहायक हलाली नदी पर स्थित है। इस परियोजना से विदिशा और रायसेन जिलों के 136 ग्रामों को सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जा सकेगी। इस परियोजना का नाम अब सम्राट अशोक परियोजना रख दिया गया है।

## ओंकारेश्वर परियोजना

- यह बहुउद्देशीय परियोजना मध्य प्रदेश के खण्डवा जिले में मान्धाता के निकट नर्मदा परियोजना के अन्तर्गत प्रस्तावित परियोजनाओं में से एक है।

## कोलार परियोजना

- 1979 ई. में आरम्भ की गई यह परियोजना सीहोर जिले में नर्मदा की सहायक कोलार नदी पर ग्राम लावाखेड़ी में स्थित है।

## बारना परियोजना

- बारना नदी नर्मदा की उत्तरी सहायक नदी है जो विन्ध्य पहाड़ियों का जल लाती है।

## चोरल नदी सिंचाई परियोजना-

- इन्दौर जिले की महू तहसील में चोरल नदी परियोजना स्थापित की गई है, जो जिले की पहली मध्यम सिंचाई परियोजना तथा मध्य प्रदेश की पहली अन्तरघाटी परियोजना है।

## देजला देवला परियोजना-

- यह परियोजना खरगौन जिले में स्थित है। इस परियोजना से खरगौन जिले के निमाड़ क्षेत्र के 41 ग्राम लाभान्वित होंगे और 9 हजार हेक्टेअर क्षेत्र सिंचित क्षेत्र के अन्तर्गत आ जाएगा।

## पशुपालन एवं कुक्कुट पालन

- वर्ष 2007 की पशुगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में 4.07 करोड़ पशुधन, 73.84 लाख कुक्कुट तथा बतख पक्षी हैं। 8 पशु प्रजनन क्षेत्र हैं
- राज्य में पशु धनत्व 110 पशु प्रति वर्ग कि.मी. है। सर्वाधिक पशु धनत्व टीकमगढ़ एवं रीवा तथा न्यूनतम राजगढ़ तथा सतना में हैं, जबकि सर्वाधिक पशु सीधी जिले में एवं न्यूनतम पशु बुरहानपुर जिले में हैं।
- देश में दुग्ध उत्पादन में म.प्र. का सातवाँ स्थान है। प्रदेश में सर्वाधिक दुग्ध उत्पादन मुरैना-श्योपुर जिलों में होता है।
- मध्यप्रदेश में दूध वाली गाय की अनेक नसलें हैं, लेकिन यहां की निमाड़ी गाय विशेष उल्लेखनीय है। इससे प्रति दुग्धकाल में 600 से 900 लीटर दूध मिलता है।
- मध्य प्रदेश में आठ पशु प्रजनन प्रक्षेत्र हैं। इन प्रक्षेत्रों में साहीवाल, हरियाणवी, मालवी, निमाड़ी, जर्सी, संकर जर्सी, मुर्रा आदि उन्नत नस्ल के सांड रखे जाते हैं।
- प्रदेश में देशी पक्षियों की अण्डा उत्पादन क्षमता में सुधार हेतु 10 कुक्कुट पालन प्रक्षेत्र कार्यरत हैं जिन पर उन्नत नसल के 'व्हाइट लेग हार्न' तथा झाबुआ प्रक्षेत्र कडकनाथ नस्ल के मुर्गे रखे गए हैं।

# मध्य प्रदेश के वन

- राज्य का भौगोलिक क्षेत्रफल 308.2 हजार वर्ग किमी है। जिसमें लगभग 95.2 हजार वर्ग किलोमीटर क्षेत्र वनों से आच्छादित है, जो राज्य के कुल क्षेत्रफल का लगभग 30.9 प्रतिशत है।
- राज्य के कुल वनक्षेत्र में से 58.7 हजार वर्ग किमी क्षेत्र आरक्षित वन, 35.6 हजार वर्ग किमी क्षेत्र संरक्षित वन तथा 0.9 हजार वर्ग किमी क्षेत्र अवर्गीकृत वनों के अंतर्गत आता है। देश के अन्य राज्यों की तुलना में मध्य प्रदेश में अधिक वन क्षेत्र हैं।
- 1970 में वनों का राष्ट्रीयकरण करने वाला मध्यप्रदेश भारत का पहला राज्य है।
- देश के कुल वन क्षेत्र में मध्यप्रदेश का 12.4 प्रतिशत है।

## वन का विभाजन

- मध्य प्रदेश सामान्यतया वन उष्णकटिबन्धीय हैं। इन वनों को भौगोलिक दृष्टि से तीन उपविभागों में विभाजित किया जा सकता है।

1. **उष्ण कटिबन्धीय पर्णपाती वन प्रदेश**—ये वन 50 से 100 सेमी वर्षा के क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इन वनों में उत्तम इमारती लकड़ी पाई जाती है। इस वन प्रदेश में सागौन, शीशम, नीम, पीपल, महुआ आदि के वृक्ष पाए जाते हैं।

2. **उष्ण कटिबन्धीय अर्द्ध पर्णपाती वन प्रदेश**—100 से 150 सेमी वर्षा के क्षेत्रों में पाए जाते हैं। इन वनों में साल, महुआ, सागौन, हर्रा, बीजा, धौरा, जामुन, सेजा, तिन्सा, कंसाई, बांस आदि के वृक्ष उगते हैं।

3. **उष्ण किटबन्धीय शुष्क पर्णपाती वन प्रदेश**—ये वन 25 सेमी से 75 सेमी वर्षा के क्षेत्रों में मिलते हैं। इन वनों में हर्रा, कीकर, बबूल, पलाश, तेन्दू, धौरा, हल्दू, शीशम, सागौन, सिरिस



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

आदि के वृक्ष उगते हैं।

## वृक्षों की प्रजाति के आधार पर वनों का विभाजन

1. **सागौन वन क्षेत्र**—मध्य प्रदेश में 1.22 लाख हेक्टेअर में सागौन के वृक्षों का क्षेत्र है जो राज्य के कुल वन क्षेत्र का 11.8 प्रतिशत है।

2. **साल वन क्षेत्र**—राज्य के 6.54 प्रतिशत भाग में साल वन क्षेत्र का विस्तार है।

3. **मिश्रित वन क्षेत्र**—मध्य प्रदेश के लगभग 81 प्रतिशत से भी अधिक में मिश्रित वन क्षेत्र का विस्तार है।

(i) **आरक्षित वन**—इन वनों से लकड़ी काटना और पशुचारण निषिद्ध एवं दण्डनीय अपराध घोषित किया गया है। राज्य में सबसे अधिक आरक्षित वन खण्डवा वनवृत्त में तथा सबसे कम उज्जैन वनवृत्त में है।

(ii) **संरक्षित वन**—ये वन मुख्यरूप से जनता की आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु होते हैं। इन क्षेत्रों में केवल इतना नियंत्रण रखा गया है। जिससे इन वनों को कोई नष्ट न करे। मध्य प्रदेश के खण्डवा वनवृत में सबसे कम संरक्षित वन है।

(iii) **अवर्गीकृत वन**—प्रशासन का ध्यान ऐसे वनों की ओर कम है। इन वनों से इच्छानुसार वृक्ष भी काटे जा सकते हैं और पशुओं को चराने की भी स्वतंत्रता है।

उष्ण किटबन्धीय वन संस्थान जबलपुर में है।

निम्न क्षेत्रों में वनों का प्रतिशत होना चाहिए

(1) मैदानी क्षेत्र - 33.33 प्रतिशत

(2) पहाड़ी क्षेत्र - 66.67 प्रतिशत

- प्रशासनिक प्रबंधन की दृष्टि से वन क्षेत्र निम्न हैं।
  (1) आरक्षित - 65 प्रतिशत (राष्ट्रीय उद्यान बनाते हैं)
  (2) संरक्षित - 33 प्रतिशत (अभ्यारण बनाते हैं)
  (3) अवर्गीकृत - 2 प्रतिशत
- सामाजिक वानिकीय योजना 1976 में बनी।
- पंच वन योजना 1976 में बनी।
- मध्यप्रदेश की नई (दूसरी) वन नीति 2005 में बनी है।
- मध्यप्रदेश का वन संरक्षण अधिनियम 1974 में बना।
- मध्यप्रदेश में वन महाविद्यालय निम्न जगह है।
  (1) बालाघाट - 1979
  (2) बैतुल - 1980
- वन प्राणी संरक्षण हेतु प्रशिक्षण केन्द्र कान्हा किसली में है।
- सर्वाधिक आरक्षित वन क्षेत्र खण्डवा वृत है।
- सर्वाधिक संरक्षित वन क्षेत्र इंदौर वृत है।
- कत्था बनाने का कारखाना शिवपुरी, बानमोर (मुरैना) में है।
- छिन्दवाड़ा में भिलावा में स्याही बनाने का कारखाना है।
- लकड़ी चिराई उद्योग का प्रमुख केन्द्र जबलपुर में है।
- प्रदेश में वनोपजों के व्यापार का राष्ट्रीयकरण किया गया है, इसके अन्तर्गत गोंद, तेन्दू पत्ता, टिम्बर, हर्रा, खैर, सालबीज व वनोपजें सम्मिलित हैं।
- वन अनुसंधान संस्थान और प्रशिक्षण महाविद्यालय जो कि देहरादून में स्थित है, का क्षेत्रीय कार्यालय मध्य प्रदेश के जबलपुर में है। इसका प्रशासनिक संचालन केन्द्रीय कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय द्वारा किया जाता है।
- राज्य में उद्यानिकी महाविद्यालय मन्दसौर में है।
- वन प्रबन्धन केन्द्र बालाघाट में है।

## मध्य प्रदेश की नई 'वन-नीति-2005'

- मध्य प्रदेश की नई वन नीति को राज्य मंत्रिमण्डल ने 4 अप्रैल 2005 को अनुमति प्रदान कर दी है तथा इसे लागू करने के लिए वन विभाग को अधिकृत किया है।
- वन नीति में यह प्रावधान है कि पर्यावरणीय स्थिरता और परिस्थितिकीय सन्तुलन के लिए वनक्षेत्रों का विस्तार तथा विकास किया जायेगा।
- वन नीति के अनुसार वन भूमि पर गैर वानिकी कार्यों की अनुमति नहीं होगी और वनों में अवैध उत्खनन करने वालों के साथ ही इसके लिए प्रेरित करने वालों के विरुद्ध भी कड़ी कार्यवाही की व्यवस्था की जाएगी।
- नई वन नीति का उद्देश्य यह है कि प्रदेश के पारिस्थितिकीय, आर्थिक, सामाजिक और तकनीकी संसाधनों का उपयोग करते हुए वनों के संरक्षण, संवर्द्धन और संवहनीय उपयोग के लिए युक्तियुक्त वैधानिक और संस्थागत ढ़ाँचे से वनों का प्रबन्धन इस प्रकार किया जाए कि पर्यावरणीय सुरक्षा, पारिस्थितिकीय सन्तुलन और भू-जल संरक्षण के साथ-साथ वनाश्रित समुदायों की आवश्यकताओं की पूर्ति हो सके और वनों की उत्पादकता में वृद्धि की जा सके।

## प्रधान वनोपज

- मध्य प्रदेश राज्य की मुख्य वनोपज के अन्तर्गत सागौन, साल, बांस, तेन्दूपत्ता आदि प्रमुख हैं। इनमें इमारती लकड़ी के रूप में साल व सागौन के वृक्ष हैं। इन वृक्षों से राज्य को सागौन और साल की लकड़ी बहुतायत से प्राप्त होती है।

## सागौन (Tectonagrandle)

- मध्य प्रदेश में सागौन के वृक्ष 75 से 125 सेमी वर्षा वाले और काली मिट्टी के भागों में अधिक उगते हैं।
- मध्यप्रदेश के घने वन होशंगाबाद, छिंदवाड़ा और मण्डला जिलों में पाये जाते हैं।
- मध्यप्रदेश में सर्वाधिक पाया जाता है जो कि 17.8 प्रतिशत है।

## साल (Shorea Robusts)

- साल की लकड़ी से रेल कोच के स्लीपर बनाये जाते है।
- मध्य प्रदेश में साले के वृक्ष उन जिलों में अधिक उगते हैं जहां वर्ष का वार्षिक औसत 125 सेमी से अधिक होता है और मिट्‌टी लाल व पीली पाई जाती है।
- मध्य प्रदेश में साल के घने वन मण्डला, बालाघाट, सीधी एवं शहडोल जिलों में अधिक पाए जाते हैं।
- धूप एक मूल्यवान सुगन्ध है। जो साल वृक्ष से निकाली जाती है।
- मध्यप्रदेश में 16.54% साल वृक्ष पाये जाते हैं।

## बांस (Dendrocalamum Strictus)

- मध्य प्रदेश में बांस साधारणत: 'डण्ड्रोकैलमस स्ट्रिक्टस' प्रकार का बांस उगता है। यह बालाघाट, बैतूल, जबलपुर, सिवनी, मण्डला, सागर, भोपाल आदि में बहुतायत से उगता है।
- राज्य में लगभग 50 लाख नेशनल टन (नोशनल टन का तात्पर्य है 2400 मीटर बांस की लम्बाई) बांस का भंडार है। राज्य में बांस का उपयोग अमलाई व नेपानगर के कागज के कारखानों में बड़े पैमाने पर होता है।

## खैर :

- वृक्ष का उपयोग कत्था उद्योग में मुख्य रूप से किया जाता है। चर्मशोधक कार्य के लिए उपयोगी खैर वृक्ष का उपयोग पेट की पाचन तन्त्र की गड़बड़ियों को ठीक करने में भी होता है।
- मध्यप्रदेश में खैर का वृक्ष जबलपुर, सागर, दमोह, उमरिया और होशंगाबाद जिलों के वनों में प्राप्त होता है।

## तेन्दू

- तेन्दू वृक्ष के पत्तों का प्रयोग बीड़ी बनाने में होता है। मध्यप्रदेश में सागर, टीकमगढ़, छतरपुर, भोपाल, जबलपुर, शहडोल, और रीवा जिलों में प्राप्त होता है। अधिकांश तेन्दू पत्ता के क्षेत्र अब छत्तीसगढ़ राज्य में चले गए हैं, लेकिन बीड़ी उत्पादन केन्द्र मध्य प्रदेश में है।
- महत्वपूर्ण गोंड वनोपज हैं। भारत का 60 प्रतिशत म.प्र. में पाया जाता है।
- वनो के राष्ट्रीयकरण में सबसे पहले तेन्दू पत्ते का राष्ट्रीयकरण किया गया था।

## भिलावा

- भिलावा पेंट व स्याही बनाने के उपयोग में आता है।
- छिंदवाड़ा में इसका एक स्याही बनाने का कारखाना है।

## हर्रा

- हरा वृक्ष के फल में 35 से 40 प्रतिशत टैनिंग पाया जाता है। मध्यप्रदेश में हर्रा के वृक्ष छिंदवाड़ा जबलपुर, श्योपुर, सतना, बालाघाट, मण्डला, सिवनी, बैतूल, पन्ना और शहडोल जिलो में उगता है।

## लाख

**लाख मुख्यत**—पलाश, घोंट कुसुम, बैर व अरहर के वृक्षों से प्राप्त होता है। मध्य प्रदेश के मण्डला, जबलपुर, सिवनी, होशंगाबाद और शहडोल जिलों के इन वृक्षों से लाख का संग्रहण होता है। लाख बनाने का शासकीय कारखाना उमरिया में केन्द्रित है।

## गोंद

मध्य प्रदेश में गोंद तीन प्रकार का प्राप्त होता है।

(1) अरेबिक (बबूल) का गोंद-यह पेड़ सम्पूर्ण मध्य प्रदेश के वनों में पाया जाता है। यह गोंद खाने योग्य है।

(2) **सलाई गोंद**—यह गोंद सलाई वृक्षों से संगृहित किया जाता है। नियमित छिद्रण द्वारा गोंद निकालने का कार्य ग्वालियर, मुरैना तथा शिवपुरी में परम्परागत रूप से किया जाता है। इस गोंद को अधिकांशत: सुगन्ध, पेन्ट तथा वार्निशों आदि में उपयोग किया जाता है।

(3) **कुल्लू गोंद**—कॉफी एवं पेस्टी बनाने में प्रयोग होता है। इसी लिये इसे ज्यादातर विदेशों में भेजा जाता है।

### मध्यप्रदेश में निजी क्षेत्र के प्रमुख उद्योग

| उद्योग | क्षेत्र |
|---|---|
| आर्ट सिल्क फैब्रिक्स | इन्दौर |
| शोडी यार्न | देवास |
| फायरब्रिक | जबलपुर, कटनी |
| गन गैरेज फैक्ट्री | जबलपुर |
| शासकीय डाक एवं तार वर्कशाप | जबलपुर |
| मिडगेट इलेक्ट्रोड | मण्डीदीप, भोपाल |
| एल्कलॉयड फैक्ट्री | नीमच |
| मैदा मिलें | इन्दौर, भोपाल |
| ऐल्कोहॉल | रतलाम |
| कास्टिक सोडा | अमलाई, नागदा |
| बिस्ट फैक्ट्री | ग्वालियर |
| प्लेट राउण्ड | इन्दौर |
| मोपेड इकाई | ग्वालियर |
| ड्रग और फार्मास्युटिकल | रतलाम |
| कैम्पडेयार्न | देवास |

| | | | |
|---|---|---|---|
| सिन्थेटिक फैक्ट्री | उज्जैन | वेकर | इन्दौर |
| आर्डीनेन्स फैक्ट्री | जबलपुर | जी.आई.वायर | रतलाम |
| करेन्सी प्रिन्टिंग प्रेस | देवास | स्टील फीजिंग | भोपाल |
| भारी विद्युत उपकरण | भोपाल | नेपानगर | बुरहानपुर |
| सल्फ्यूरिक सोडा | नागदा, कुम्कारी | इंजन वाल्व | भोपाल |
| रेलवे स्लीपर | बुधनी | प्लास्टिक | इन्दौर |
| पी.वी.सी. केबिल्स | सतना | ट्रांसमिशन वॉवर्स | जबलपुर |

# मध्यप्रदेश के उद्योग एवं व्यापार

- राज्य में द्वितीय पंचवर्षीय योजना (1956-61) में उद्योगों में प्राथमिकता दी। इस दौरान मध्य प्रदेश में भिलाई-लोहा इस्पात कारखाना (अब छत्तीसगढ़ में), भोपाल हैवी इलेक्ट्रिकल्स, भोपाल पॉवर ऐल्कोहल प्लाण्ट, रतलाम कॉटन सीड तथा सालवेन्ट एक्सेट्रेक्ट प्लाण्ट, उज्जैन तथा कॉटन स्पिनिंग मिल, सनावद और इन्दौर, ग्वालियर में इण्डस्ट्रियल एस्टेट्स स्थापित की गई।
- **जिलों का औद्योगिक वर्गीकरण**—राज्य को विकसित तथा पिछड़े जिलों में विभाजित किया गया है। इनमें 5 विकसित जिले हैं जबकि शेष पिछड़े जिले है।
- **विकसित जिले**—(1) भोपाल, (2) ग्वालियर, (3) इन्दौर, (4) जबलपुर, (5) कटनी।

## मध्यप्रदेश के प्रमुख उद्योग धन्धे

### कृषि पर आधारित उद्योग

### 1. चीनी उद्योग

- राज्य के मुरैना, शिवपुरी, शाजापुर, उज्जैन, देवास, सीहोर आदि, जिलों में गन्ना उत्पादित किया जाता है।
- यहां कई चीनी (शक्कर) कारखाने है। इसमें प्रमुख हैं- भोपाल शुगर मिल्स लि. सिहोर, डबरा शुगर मिल्स लिमिटेड, डबरा (ग्वालियर), जीवाजीराव शुगर कम्पनी लिमिटेड, दालौदा (जिला मन्दसौर), सेठ गोविन्दराम शुगर मिल, महिदपुर रोड, (जिला उज्जैन), जावरा शुगर मिल्स लिमिटेड, जावरा (जिला रतलाम)।

### 2. सूती कपड़ा उद्योग

- सूती कपड़ा उत्पादन की दृष्टि से प्रदेश का स्थान महाराष्ट्र व गुजरात के बाद तीसरा है।
- इन्दौर राज्य का सबसे बड़ा कपड़ा उत्पादक केन्द्र है। मध्यप्रदेश की वर्धा व पूर्णा नदी की घाटियों में कपास की खेती की जाती है।

### 3. वनस्पति घी:

- वनस्पति घी बनाने में मुख्यत: मूंगफली, बिनोला, सोयाबीन, तिल, सूरजमुखी व चावल (ब्रास) के तेल की आवश्यकता होती है।
- प्रदेश में वनस्पति घी के कारखाने प्रमुख रूप से जबलपुर, सतना, खण्डवा, ग्वालियर, गंजबासौदा (जिला विदिशा) आदि में स्थित हैं।

### 4. सोयाबीन तेल उद्योग

- प्रदेश सोयाबीन के उत्पादन की दृष्टि से देश में अग्रणी राज्य है। इसलिये मध्यप्रदेश को 'सोया राज्य' भी कहा जाता है। यहां देश के कुल उत्पादन का 82 प्रतिशत से अधिक सोयाबीन उत्पादित होता है।
- राज्य में सोयाबीन छिंदवाड़ा सिवनी, नरसिंहपुर, इन्दौर, धार, उज्जैन, रतलाम, शाजापुर, गुना, भोपाल होशंगाबाद तथा सीहोर में उत्पादित होता है। राज्य में सोयाबीन से तेल निकालने के लिए सालवेन्ट एक्सट्रेक्ट प्लांट लगाए गए हैं।

### 5. कृत्रिम रेशे के कपड़े का उद्योग

- कृत्रिम रेशा अर्थात् रेयन लुग्दी कास्टिक सोडा और गन्धक से तैयार होता है। मध्य प्रदेश में नागदा में एक कृत्रिम रेशे का कारखाना है। साथ की कृत्रिम रेशे से कपड़ा बनाने के कारखाने, इन्दौर, ग्वालियर, नागदा, उज्जैन व देवास में भी हैं।

### 6. रेशम उद्योग

- प्राकृतिक रेशम के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए, 1984 में रेशम संचालनालय की स्थापना की गई है। वर्तमान में मध्य प्रदेश के लगभग 24 जिलों में रेशम उद्योग की गतिविधियाँ क्रियान्वित हैं।

### कृषि उद्योग विकास निगम द्वारा संचालित कृषि आधारित उद्योग



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

जीवाणु खाद संयन्त्र, भोपाल
दानेदार मिश्रित खाद संयन्त्र, होशंगाबाद
कीटनाशक संयन्त्र, बीना
आयल मिल, मुरैना
फल एवं सब्जी संरक्षण ओर प्रक्रिया इकाई, भोपाल

## खनिज सम्पदा पर आधारित उद्योग

### 1. सीमेन्ट उद्योग-

☞ मध्य प्रदेश में चूना पत्थर प्रचुर मात्रा में पाया जाता है, जिससे सीमेन्ट उद्योग के लिए यह राज्य अनुकूल दशाएं रखता है।

☞ राज्य के ग्वालियर, मुरैना, नरसिंहपुर, सागर, सतना, जबलपुर, कटनी, रीवा आदि अनेक जिलों में चूना पत्थर मिलता है। यहां सीमेन्ट के कई कारखाने हैं, जो निम्न प्रकार हैं-

बानमौर फैक्ट्री — कैमोर फैक्ट्री — नीमच फैक्ट्री
सतना सीमेन्ट वर्क्स — मैहर फैक्ट्री

### 2. भारत हैवी इलेक्ट्रीकल्स लिमिटेड भोपाल

☞ इस कारखाने को भोपाल में सन् 1961 में ब्रिटेन के एक कारखाने की मदद से सार्वजनिक क्षेत्र में बिजली का भारी सामान बनाने के लिए स्थापित के लिए स्थापित किया गया था।

### 3. चीनी मिट्टी उद्योग

☞ मध्य प्रदेश के ग्वालियर, जबलपुर, रीवा छिंदवाड़ा में चीनी मिट्टी तथा जबलपुर, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और पन्ना में फायर क्ले के अपार भण्डार हैं।

☞ चीनी मिट्टी एवं फायरक्ले की उपलब्धता के आधार पर मध्यप्रदेश में यह उद्योग स्थापित हुआ। ग्वालियर, जबलपुर तथा रतलाम में चीनी मिट्टी के बर्तन बनाए जाते हैं।

वनों पर आधारित उद्योग

### 1. कागज उद्योग-

☞ 1948-49 में नेशनल न्यून प्रिंट एण्ड पेपर मिल, नेपानगर (बुरहानपुर) तथा ओरियन्ट पेपर मिल अमलाई (शहडोल) की स्थापना के बाद प्रदेश के कागज उद्योग को एक नई दिशा मिली है।

☞ इन्दौर में महीन कागज तथा होशंगाबाद में नोट बनाने का कागज बनाया जाता है।

### 2. बीड़ी उद्योग

☞ मध्यप्रदेश में तेंदूपत्ता प्रचूर मात्रा में पाया जाता है। तेंदूपत्ता सागर, टीकमगढ़, भोपाल छतरपुर, जबलपुर, कटनी, सतना, शहडोल व रीवा से प्राप्त होता है।

☞ मध्य प्रदेश में बीड़ी बनाने का उद्योग सागर, जबलपुर, देवास, सतना व कटनी में केन्द्रित है। इस उद्योग का महत्वपूर्ण केन्द्र जबलपुर है।

### 3. लकड़ी चीरने का उद्योग

☞ मध्यप्रदेश सागौन व साल की बहुमूल्य लकड़ी का क्षेत्र है। राज्य में लकड़ी चीरने का व्यवसाय भी काफी प्रचलित है।

संयुक्त क्षेत्र के प्रमुख उद्योग

1. मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिकल्स लि. भोपाल
2. मध्यप्रदेश विद्युत यन्त्र लि. गोसलपुर, जिला जबलपुर
3. मध्य प्रदेश लैम्स लि. विदिशा
4. मध्यप्रदेश ग्लायकेम इण्डस्ट्री लि. मण्डला

### मध्य प्रदेश में उद्योग विशेष

☞ मृगनैनी, म.प्र. उद्योग निगम द्वारा संचालित एम्पोरियत है जिसकी संख्या 8 है।

☞ म.प्र. वित्तय निगम पीथमपुर (धार जिले) मं है इसे म.प्र. का डेट्राइट कहते हैं।

☞ म.प्र. की प्रथम सीमेंट फैक्टरी बानमौर (मुरैना जिले) में है।

☞ भारी विद्युत उपकरण निर्माण हेतु फैक्टरी (ब्रिटेन के सहयोग से) 1960 में भोपाल में (BHEL) स्थापित की गई।

☞ देश का पहला रत्न परिष्करण केन्द्र जबलपुर में है।

☞ इलेक्ट्रानिक कॉम्प्लेक्स, इंदौर में है।

☞ चमड़ा कॉम्प्लेक्स, देवास में है।

☞ स्टील कॉम्पेल्कस, सागर में है।

☞ एग्रो कॉम्प्लेक्स, छिंदवाड़ा में है।

☞ आप्टीकल फायवर कारखाना मण्डीदीप (भोपाल) में है (जापान के सहयोग से)

☞ गन गैरेज फैक्टरी, व्हीकल फैक्टरी, ओडिनेश, फैक्टरी, जबलपुर में है।

☞ सिक्योरिटी पेपर मिल, सिक्योरिटी प्रिन्टिंग प्रेस होशंगाबाद में है।

☞ न्यूज प्रिन्ट मिल नेपानगर (बुरहानपुर) में है।

☞ ओरियंट पेपर मिल अमलाई (शहडोल) में है।

☞ हिन्दुस्तान कोपर प्रोजेक्ट (बालाघाट) मलाजखण्ड में है।

☞ म.प्र. लेम्पस लिमिटेड विदिशा में है,

☞ केबल उद्योग सतना जिले में है।

☞ शासकीय डाक तार वर्कशाप जबलपुर में है।

☞ ग्रेफाइट इलेक्ट्रोड उद्योग मण्डीदीप में है।

☞ साइकिल उद्योग गुना में है।

☞ छाता उद्योग महु (इंदौर) में है।

☞ घड़ी उद्योग बेतूल में है।

☞ बीड़ी उद्योग जबलपुर में है।

- लाख उद्योग उमरिया में है।
- जूट मिल राजगढ़ जिले में है।
- चिप बोर्ड और पार्टिकल बोर्ड इटारसी में है।
- कृतिम रेशा उद्योग नागदा में है।
- टंगस्टन एवं फिलमेंट उद्योग इटारसी में है।
- सूती कपड़ा की सर्वाधिक मीले इंदौर में है।
- शक्कर मील डबरा (ग्वालियर) में है।
- कैलारस शक्कर मील मुरैना में है।
- जीवाजी राम शक्कर मील दालौदा (मंदसौर) में है।

## बीना रिफायनरी (सागर जिला)

- **उत्पादन शुरू**–जनवरी 2011
- **उदघाटन**–मई 2011
- **रिफायनरी लागत**–11397 करोड़
- **निर्माणक कम्पनी**–ओमान आयल कम्पनी व भारत पेट्रोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड
- **सालाना उत्पादन क्षमता**–60 लाख टन

# मध्य प्रदेश के राष्ट्रीय उद्यान

| क्र. | नाम | जिला |
|---|---|---|
| 1. | कान्हा | मण्डला |
| 2. | बांधवगढ़ | शहडोल/उमरिया |
| 3. | माधव | शिवपुरी |
| 4. | पन्ना | पन्ना/छतरपुर |
| 5. | संजय | सीधी |
| 6. | पेंच | सिवनी-छिन्दवाड़ा |
| 7. | सतपुड़ा | होशंगाबाद |
| 8. | वन विहार | भोपाल |
| 9. | जीवाश्म (फॉसिल) | मण्डला |
| 10. | ओंकारेश्वर | खण्डवा |

- पश्चिम बंगाल के बाद सर्वाधिक शेर मध्य प्रदेश में ही पाये जाते हैं।
- सफेद शेर पाये जाने वाला राज्य का एकमात्र जिला रीवा है।
- 'इण्डियन इन्स्ट्रीट्यूट ऑफ फॉरेस्ट मैनेजमेन्ट' भोपाल में स्थित है।
- प्रादेशिक वन स्कूल शिवपुरी में तथा वन पहरेदारों के ट्रेनिंग इन्स्टीट्यूट स्कूल बैतूल व रीवा में हैं।
- राज्य का सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान है, जो मण्डला जिले में 1933 में स्थापित हुआ तथा 1955 में राष्ट्रीयकरण किया गया। यहाँ बाघ, चीतल, तेन्दुआ, सांभर आदि वन्य जीव पाये जाते हैं।
- सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान में कृष्ण मृगों की संख्या अत्यधिक है।
- राज्य के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी के समीप तितलियों की घाटी पानार पानी क्षेत्र में जड़ी-बूटियों का एक बैंक स्थापित किया जा रहा है।
- मण्डला के फॉसिल (जीवाश्म) राष्ट्रीय उद्यान में भूतल जीवाश्मों के भण्डार हैं।
- राज्य के राष्ट्रीय व बड़े राष्ट्रीय उद्यान में पार्क इण्टरप्रिवेन्शन योजना लागू है।
- माधव राष्ट्रीय उद्यान में पहाड़ी की चोटी पर जॉर्ज केसल नामक एक भव्य भवन है।
- पन्ना राष्ट्रीय उद्यान में रेप्टाईल पार्क है। जहा रेंगने वाले जन्तु हैं।
- 11वां राष्ट्रीय उद्यान डायनासौर राष्ट्रीय उद्यान धार जिले में प्रस्तावित है।
- घरेलू बागवानी को बढ़ावा देने के लिए राज्य की राजधानी भोपाल में 'हरित वाहन आपके द्वार' योजना मध्यप्रदेश वन विकास निगम द्वारा जुलाई, 2001 से प्रारम्भ की गयी है।
- राज्य में सामाजिक वानिकी योजना जून, 1976 ई. में प्रारम्भ की गयी।
- माधव राष्ट्रीय उद्यान में पहाड़ी की चोटी पर जोर्ज कैसल नामक एक भव्य भवन है।
- कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान में पार्क इण्टरप्रिवेन्शन योजना लागू है।
- केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मन्त्रालय द्वारा पचमढ़ी को राज्य का पहला व देश का 10वाँ बायोस्फीयर रिजर्व क्षेत्र घोषित किया गया है। इसका क्षेत्र 4926 वर्ग कि.मी. है, जिसमें सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान, पचमढ़ी अभयारण्य व उसके आस-पास के क्षेत्रों को शामिल किया गया है।
- राज्य में वन्य जीवन संरक्षण अधिनियम वर्ष 1974 से लागू है।
- राज्य में 'ब्रेडरी जाति का बारहसिंगा' केवल कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान में ही पाया जाता है।
- 1 नवम्बर, 1981 को राज्य की 25वीं वर्षगाँठ पर राज्य सरकार द्वारा हिरण जाति के बारहसिंगी को राजकीय पशु व दूधराज (पैराडाइज फ्लाईकेचन) को राजकीय पक्षी के रूप में नामित किया गया।
- 24 अक्टूबर, 1989 को राज्य सरकार द्वारा पारित अधिसूचना के अनुसार राज्य में पूरे वर्ष सभी प्रकार के वन्य प्राणियों एवं

पक्षियों का शिकार पूर्णत: वर्जित कर दिया गया है।

- राजकीय पक्षी दूधराज के संरक्षण के लिए सरदारपुर अभयारण्य है।
- पंचवन योजना राज्य के उन 25 जिलों में वर्ष 1976 से प्रारम्भ की गयी, जहाँ वन क्षेत्र राष्ट्रीय वन नीति के निर्धारित मापदण्ड 33 प्रतिशत से कम है।
- माधव को राष्ट्रीय उद्यान के रूप में मान्यता वन एवं पर्यावरण मन्त्रालय द्वारा वर्ष 1958 ई. में दी गयी।
- 32 पहाड़ियों में घिरे बान्धवगढ़ को वर्ष 1968 ई. राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया।
- कान्हा किसली को 1933 ई. में वन्य जीव अभयारण्य बनाया गया था तथा फिर इसे 1955 ई. में राष्ट्रीय उद्यान बनाया गया।
- राज्य में पक्षियों को तीन वर्गों में विभाजित किया गया है, जो वृक्षीय, थलीय व जलीय वर्ग के अन्तर्गत आते हैं। भारत का सबसे छोटा पक्षी फुलचुकी व सबसे ऊँचा सारस, दोनों को मध्य प्रदेश राज्य में पाया जाना एक संयोग है।
- कान्हा, बान्धवगढ़, पन्ना, पेंज, सतपुड़ा, संजय, राष्ट्रीय उद्यान टाईगर रिजर्व हैं।

## मध्यप्रदेश के अभ्यारण्य

- राज्य का सबसे बड़ा अभ्यारण्य राष्ट्रीय चम्बल है जो मुरैना जिले में है तथा वहाँ घड़ियाल अत्यधिक संख्या में पाये जाते हैं।
- राज्य का सबसे छोटा अभ्यारण्य सैलाना है जो रतलाम जिले में है और खरमौर पक्षी अत्याधिक संख्या में मिलते हैं।
- 28, 29 और 30वाँ अभ्यारण्य क्रमश: कालीभीत, सुरमैनिया, मान्धाता जो कि क्रमश: बैतूल, खण्डवा, और खण्डवा जिले में प्रस्तावित हैं।
- करेरा एवं घाटीगांव अभ्यारण्य दुर्लभ पक्षी सोन चिड़िया के लिये संरक्षित हैं।
- सैलाना, सरदारपुर अभ्यारण्य विलुप्त दुर्लभ पक्षी खारमौर के लिये संरक्षित है।
- चम्बल, केन और सोन अभ्यारण्य घड़ियाल के लिये संरक्षित हैं।

### मध्य प्रदेश के अभ्यारण

| अभ्यारण का नाम | जिला |
|---|---|
| खिवनी | देवास |
| नरसिंहगढ़ | राजगढ़ |
| गाँधीसागर | मन्दसौर/नीमच |
| बोरी | होशंगाबाद |
| पचमढ़ी | होशंगाबाद |
| डुबरी (संजय) | सीधी |
| बगदरा | सीधी |
| रातापानी | रायसेन/सीहोर |
| सिंघोरी | रायसेन |
| नौरादेही | सागर/दमोह/नरसिंहपुर |
| पेंच | सिवनी |
| चम्बल(सबसे बड़ा) | मुरैना |
| केन | छतरपुर/पन्ना |
| मयूर | झाबुआ |
| सोन | सीधी/शहडोल/सतना/सिंगरोली |
| कूनो-पालपुर | श्योपुर |
| करैरा | शिवपुरी |
| घाटीगांव | ग्वालियर |
| गंगऊ | ग्वालियर |
| फेन मिनी को | मण्डला |
| सरदारपुर | धार |
| सैलाना (सबसे छोटा) | रतलाम |
| रालामण्डल | इन्दौर |
| वीरांगना दुर्गावती | दमोह |
| कट्ठी बाड़ा | अलीराजपुर |
| ओरछा | टीकमगढ़ |
| पनपथा | शहडोल/उमरिया |

# मध्य प्रदेश के प्रमुख खनिज

## हीरा (Diamond)

- हीरा उत्पादन में मध्यप्रदेश का भारत में प्रथम स्थान है। हीरा अधात्विक खनिज है। इस क्षेत्र की मझगवां की खाना विशेष उल्लेखनीय है।
- हीरे के प्रमुख उत्पादन क्षेत्रों में
  (1) सतना जिले में मझगवां
  (2) पन्ना जिलें में पन्ना और हीनोता
  (3) छतरपुर जिले में अंगौर।

## मैगनीज अयस्क

- मध्य प्रदेश को मैंगनीज उत्पादन में देश में तीसरा स्थान प्राप्त हैं। इसकी मुख्य अयस्क साइलोमैलीन और ब्रोनाइट हैं। जिनमें धातु का अंश क्रमश: 40 से 60 प्रतिशत और 62 प्रतिशत तक



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

पाया जाता है।

- मध्य प्रदेश में देश के कुल भण्डारों का 50 प्रतिशत मैंगनीज पाया जाता है। इसके प्रमुख उत्पादक जिलों में बालाघाट और छिन्दवाड़ा है। इन जिलों के अतिरिक्त मण्डला, जबलपुर धार, खरगौनस झाबुआ और इन्दौर में भी मैंगनीज के निक्षेप मिले हैं।

## तांबा

- तांबा अयस्क आग्नेय और कायान्तरित शैलों से प्राप्त होता है। मध्य प्रदेश में तांबा जबलपुर, (सलीमाबाद क्षेत्र), बालाघाट, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, सागर, छतरपुर, देवास, ग्वालियर, राजगढ़, शहडोल, शिवपुरी तथा सीधी जिलों में पाया जाता है।
- बालाघाट जिले में बैहर तहसील में मलाजखण्ड क्षेत्र में 170 मीटर लम्बी 20 मीटर चौड़ी पेटी में 193 मीटरी टन तांबा के सुरक्षित भण्डारों का पता चला हैं।

## बाक्साइट (Bauxite)

- बाक्साइट ऐलूमिनियम का खनिज अयस्क है। इसका रंग मिट्टी सा होता है। लोहे का अंश कम होने पर ही बॉक्साइट ऐलूमिनियम निकालने के लिए उपयुक्त होता है। बॉक्साइट में धातु का अंश 50 से 65 प्रतिशत तक होता है। मध्य प्रदेश में बॉक्साइट के सबसे अधिक निक्षेप हैं। इसमें अनुमानित भण्डार 20-30 करोड़ टन के माने गए हैं।
- मध्य प्रदेश के पश्चिमी तथा दक्षिणी जिलों में प्रचुर मात्रा में बॉक्साइट के भण्डार मिले हैं, बालाघाट में अनेक स्थानों पर बॉक्साइट के विशाल भण्डार है।
- शहडोल जिले में उत्खनित बॉक्साइट अयस्क उत्तर प्रदेश के रेंनुकूट ऐलूमिनियम, मिर्जापुर के कारखानों को ऐलुमिनियम बनाने को भेजा जाता है।

## लौह अयस्क (Iron ore)

- लौह अयस्क ठोस, काले या गेरू रंग का पत्थर हेमेटाइट या मेग्नेटाइट हाइड्रोक्साइड (लिमोनाइट) कार्बोनेट (सिडैराइट) के रूप में होता है। वर्तमान मध्य प्रदेश लौह अयस्क की दृष्टि से निर्धन राज्य है क्योंकि छत्तीसगढ़ राज्य के पृथक हो जाने से लौह अयस्क के लगभग 80 प्रतिशत भण्डार छत्तीसगढ़ राज्य में चले गए।
- जबलपुर में जलज चट्टानों में लौह अयस्क मिलता है। जबलपुर में पाए जाने वाले लौह भण्डारों में 45.60 प्रतिशत तक शुद्ध लोहा प्राप्त होता है। झाबुआ में विन्ध्यन काल के लौह निक्षेप क्वार्टजाइट और शैल के साथ मिलते हैं। लौह निक्षेप धार तथा खरगौन में भी मिले है।

## अभ्रक (Mica)

- अभ्रक परतदार, हल्का, चमकीला खनिज है। यह पुरानी आग्रेय व कायन्तरित शैलों में मिलता है। यह विद्युत का कुचालक है, अत: इसका प्रयोग विद्युत उद्योग में बहुत होता है। यह ऊंचे ताप पर गलता है।

## टंगस्टन (Tungusten)

- टंगस्टन की मुख्य खनिज बूलफ्रास (Woolfram) है जो टंगस्टन और मैंगनीज की भस्मों का रासायनिक सम्मिश्रण है। इसका उपयोग मुख्यत: विद्युत बल्बों में फिलामेंट बनाने में किया जाता है। कुल उत्पादन लगभग 75 प्रतिशत केवल लौह धातु (Ferro tungsten) के बनाने में प्रयुक्त होता है।
- मध्यप्रदेश में टंगस्टन केवल होशंगाबाद जिले के 'अगर गांव' स्थान में मिलता है।

## सीसा अयस्क (Lead Ore)

- सीमा प्राय: चांदी और जस्ते के साथ मिला हुआ पाया जाता है। मुख्य खनिज गैलेना है। मध्यप्रदेश में सीसा अयस्क जबलपुर, होशंगाबाद, दतिया, शिवपुरी व झाबुआ जिलों में मिलता है।

## बैराइटिस (Barytes)

- यह खनिज बैरियम सल्फेट (Barium Sulphate) का मिश्रण है जिसमें लगभग 66 प्रतिशत बैरियम ऑक्साइड होता है। मध्य प्रदेश में बैराइट का उत्खनन टीकमगढ़ जिले में सूरजपुर एवं मैदानों में तथा रीवा एवं पीपलकोट में होता है।

## एस्बेस्टस (Asberstors)

- यह रेशेदार (Fibrous) खनिज है जिसकी अनेक किस्में होती है। ऐस्बेस्टस के कपड़े आग नहीं पकड़ अत: प्राय: तेल या भक से जल उठने वाले अन्य पदार्थों के बक्सों में लगाने अथवा तख्ते बनाकर रेल डिब्बों और जहाजों में लगाने में काम आते हैं।

## ग्रेफाइट (Graphite)

- रासायनिक बनावट में यह कार्बन होता है। मध्य प्रदेश ग्रेफाइट बैतूल जिले में पाया जाता है।

## चीनी मिट्टी (China Clay)

- चीनी मिट्टी प्राय: ग्रेनाइट से फेल्सपार (Feslpar) नामक खनिज के क्षय के उत्पन्न होती है। इस मिट्टी का मूल नाम केओलिन (Kaolin) है। इस मिट्टी में पोटाश और सोडा न होने से यह अग्नि-प्रतिरोधक होता है और जलाने पर सिकुड़ती नहीं है।
- ग्वालियर में बालकिबारी तथा नवगांव से ग्वालियर पॉटरीज के लिए चीनी मिट्टी आती है। रीवा ओरियण्टल पॉटरीज के लिए

कटौली से चीनी मिट्टी आती है। छिन्दवाडा तथा जबलपुर में गोंडवाना युग की चट्टानों से उत्तम प्रकार की मिट्टी मिलती है। ग्वालियर जिले में चीनी मिट्टी (केओलिन) नामक पहाड़ी तथा आंतरी के उत्तर मेंदो छोटी पहाड़ियों पर मिलती है।

## अग्निरोधी मिट्टी (Fire Clay)

- अग्निरोधी मिट्टी के उत्पादन में मध्य प्रदेश का भारत में तीसरा स्थान है। इस मिट्टी की उत्पत्ति अवसार शैलों से हुई है। यह कोयलें की पर्तों में मिलती है। इसमें पोटाश और सोडा अंश कम होता है।
- यह मिट्टी 871 सेण्टीग्रेड तापमान तक नहीं जलती। मध्य प्रदेश में गोंडवाना युग की चट्टानों में इस निक्षेपण मिलते है। बरौदी में मिट्टी की तह की मोटाई 12 मीटर तक है। यहां की मिट्टी जबलपुर के समान है।

## चुना पत्थर (Lime Stone)

- चूना पत्थर के उत्पादन में मध्य प्रदेश का भारत में दूसरा स्थान है। चूना भारी एवं सस्ता खनिज है।
- मध्यप्रदेश में चूने के पत्थर के विशाल संचित भण्डार ग्वालियर, मुरैना, सागर, नरसिंहपुर, सतना, रीवा जबलपुर, कटनी, बालाघाट, सीधी, रायसेन, राजगढ़, कटनी, बालाघाट, सीधी, रायसेन, राजगढ़, छतरपुर, छिन्दवाड़ा, मन्दसौर, धार, मण्डला, दमोह, देवास, जबलपुर, आदि जिलों में है। सतना सीमेण्ट उद्योग विकास में इस क्षेत्र का चूना पत्थर विशेष भूमिका निभाती है।

## सेलखड़ी (Soapstone)

- यह टॉल्क (Talc) या 'स्टीएटाइट' (Steatite) नामक, खनिज की एक किस्म है। टॉल्क सबसे मुलायम व चिकना खनिज होती है। मध्य प्रदेश में यह जबलपुर जिले में भेड़ाघाट, कापोंड, गोवारी, धरावाड़ा और लालपुर में तथा झाबुआ जिले में मिलता है।

## डोलोमाइट (Dolomite)

- चूना पत्थर में 45 प्रतिशत से अधिक मैग्रेशियम होता है। तो उसे डोलोमाइट कहते हैं। इसका प्रयोग ढलाई एवं सीमेण्ट के कारखानों में होता है।
- मध्य प्रदेश में डोलोमाइट की खानें- झाबुआ, जबलपुर, सतना, सीधी इन्दौर, रीवा और ग्वालियर जिलों में पाई जाती है।

## संगमरगर (Marble)

- मध्य प्रदेश के जबलपुर का श्वेत, बैतुल, सिवनी, नरसिंहपुर, छिन्दवाड़ा का रंगीन तथा ग्वालियर के बाघ नामक स्थान के चुने के लाल-पीला, छींटादार हरा संगमरमर पत्थर प्रसिद्ध है।

## गेरू

- यह लौह अयस्क का पीला एवं लाल ऑक्साइड है। मध्य प्रदेश गेरू उत्पादन में भारत में प्रथम स्थान पर है। यहां गेरू के प्रमुख उत्पादक क्षेत्र सतना, रीवा और जबलपुर जिले हैं।

## सिलीमैनाइट (Slimanite)

- सिलीमैनाइट ऐलुमिनि सिलीकेट है। इसमें ऐलूमिना की मात्रा लगभग 63 प्रतिशत पायी जाती है। इसका उपयोग तापरोधी ईटों को बनाने में किया जाता है। मध्य प्रदेश के विध्यन प्रदेश में सिलीमैनाइट सीधी जिले में पीपरा के निकट पाया जाता हैं। रीवा की पहाडी में सासरट्टी के पूर्व में आगेर गुटवा की पहाड़ी में तथा चिन्तामुप्पा के उत्तर में भी इसके भण्डारों का पता चला है।

## रॉक-फॉस्पफेट (Rock Phosphate)

- झाबुआ जिले में रॉक फॉस्टफेट के भण्डार मिले हैं। सागर और छतरपुर जिलों में भी इसके भण्डारों का पता चला है।

## कोयला (Coal)

- कोयल उद्योग की जननी (Mother of industries) एवं शक्ति की प्रतीक (Symbol of Power) माना जाता है। राज्य के कोयला क्षेत्र पूर्वी (सी... व शहडोल) एवं दक्षिण मध्य प्रदेश (होशंगाबाद, बैतूल, नरसिंहपुर तथा छिन्दवाड़ा) जिलों में बिखरे हैं। कोयला क्षेत्रों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है :

(1) मध्य भारत कोयला क्षेत्र
(2) सतपुड़ा कोयला क्षेत्र

## मध्य प्रदेश में खनिज निर्यात

- लौह अयस्क का बड़ा भाग जापान व जर्मनी को निर्यात होता है। मैंगनीज अयस्क संयुक्त राज्य अमेरिका, ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी और रूस को निर्यात किया जाता है।
- राज्यों को निर्यात किए जाने वाले अयस्कों में तांबा राजस्थान को, सिंगरौली का कोयला उत्तर प्रदेश के ताप विद्युतगृहों को एवं चूना पत्थर से तैयार क्लिकर भटिण्डा (पंजाब) व दिल्ली को भेजा जाता है।
- राज्य खनिज विकास निगम की स्थापना 19 जनवरी, 1962 को की गई थी। इसकस मुख्यालय भोपाल में है। राज्य शासन के एजेण्ट के रूप में निगम, मेघनगर (झाबुआ) तथा हीरापुर (सागर व छतरपुर) क्षेत्रों में रॉक फॉस्फेट दोहन का कार्य भी कर रहा है।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

## खनिज विशेष

- म.प्र. के पीथमपुर में SEZ देश का सबसे पहले प्रारम्भ होने वाला SEZ है।
- म.प्र. में खनिज नीति 1995 में घोषित की गई।
- पीथमपुर, मण्डीदीप, मालनपुर, मनेरी, देवास, आदि म.प्र. के प्रमुख औद्योगिक केन्द्र हैं।
- भोपाल के गोविन्दपुरा तथा इंदौर के सांवेर रोड औद्योगिक नगर के रूप में गठित किये जायेगे।
- खनिज उत्पादन के क्षेत्र में अब म.प्र. का देश में चतुर्थ स्थान है। वर्तमान में, मध्य प्रदेश में 20 प्रकार के मुख्य खनिजों का उत्पादन हो रहा है।
- मध्यप्रदेश हीरा उत्पादन में देश का एकमात्र राज्य है, जिसमें उसे एकाधिकार प्राप्त है।
- मध्यप्रदेश डायस्पोर पायरोफिलाइट, ताम्र अयस्क तथा स्लेट उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। राज्य को चूना पत्थर, केलासाइट, लैटेराइट तथा रॉक फॉस्फेट के उत्पादन में देश में द्वितीय स्थान प्राप्त है। मैंगनीज और गेरू के उत्पादन में राज्य को देश में तृतीय स्थान प्राप्त हैं।
- मध्यप्रदेश खनिज क्षेत्र की दृष्टि से भारत का 3 स्थान पर है।
- पहले स्थान पर झारखण्ड तथा दूसरे स्थान पर छत्तीसगढ़ है।
- कोल बैड, मीथेन, शहडोल जिले में रिलायन्स कम्पनी द्वारा खोजी गई है।
- मध्यप्रदेश में चाँदी नहीं मिलती है। चाँदी में प्रथम स्थान राजस्थान का है।
- हीरा पार्क पन्ना जिले में है।
- बायोडीजल के लिये बड़े पैमाने पर रतनजोत (जेट्रोफा) की खेती म.प्र. के इंदौर जिले में शुरू की गई है।
- सिंगरौली जिले के पिपरा से कोरण्डम प्राप्त होता है।
- सलीमनाबाद मार्बल हब (कटनी) में स्टोन पार्क प्रस्तावित है।

| खनिज | प्रमुख उत्पादक जिले |
|---|---|
| लोहा | जबलपुर, झाबुआ, धार, खरगौन |
| कोयला | शहडोल, छिंदवाड़ा, सिंगरोली, |
| ताँबा | मलाजखण्ड (बालाघाट), अगरगाँव (होशंगाबाद) |
| जिप्सम (हरसौठ) | शहडोल, सागर, मुरैना, सतना |
| सोना | बालाघाट |
| निकेल | सीधी |
| यूरेनियम | शहडोल |
| बाक्साइट | मण्डला |
| ग्रेफाइट | बैतुल |
| अभ्रक | बालाघाट/छिंदवाड़ा |
| हीरा | पन्ना (हीनोता)/सतना (मझगवाँ) |
| मैंगनीज | बालाघाट/छिंदवाड़ा |
| रॉक फास्फेट (एस्बोस्टस) | झाबुआ |
| बेराइट | टीकमगढ़ |
| सुरमा (एण्टीमनी) | जबलपुर |
| संगमरमर (सफेद) | जबलपुर (बेडाघाट) बैतुल |
| संगमरमर (रंगीन) | ग्वालियर |
| डोलोमाइट (देश का 25%) | बालाघाट, नरसिंहपुर, सिवनी, छिंदवाड़ा, जबलपुर, |
| टंगस्टन | आगरगांव (होशंगाबाद) |
| टिन | गोविन्दपुर, चुखाड़ा, बैतूल |
| चूना पत्थर | जबलपुर, झाबुआ, धार, सतना |

# मध्यप्रदेश के ऊर्जा संसाधन

- मध्यप्रदेश में विद्युत एवं गैर–परम्परागत ऊर्जा संसाधनों का विवरण इस प्रकार है–
- **विद्युत ऊर्जा**–विद्युत उत्पादन के तरीकों के आधार पर ये तीन प्रकार की होती हैं–
  (1) जल विद्युत् (Hydro Electricity)
  (2) तापीय विद्युत् (Thermal Electricity)
  (3) परमाणु विद्युत् (Atomic Electricity)

## जल विद्युत्

- मध्यप्रदेश ने अपने पड़ोसी राज्यों राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात के सहयोग से जल विद्युत् केन्द्र स्थापित किए हैं। मध्यप्रदेश की प्रमुख जल विद्युत् परियोजनाएं निम्नलिखित हैं :

1. **गांधी सागर जल विद्युत् केन्द्र**–इस केन्द्र की क्षमता 115 मेगावाट है। मध्य प्रदेश व राजस्थान दोनों इस केन्द्र से 50-50 के अनुपात में विद्युत् प्राप्त करते हैं।

2. **राणा प्रताप सागर जल विद्युत् केन्द्र**–यह केन्द्र गांधी सागर बांध से 48 किमी दूर राजस्थान में धूलिया जल प्रपात के पास रावत भाटा (चित्तौड़गढ़) में बनाया गया है। इसकी उत्पादन क्षमता 172 मेगावाट है।

3. **जवाहर सागर जल विद्युत् केन्द्र ( कोटा )**–यह केन्द्र राणा प्रताप सागर बांध से 23 किमी आगे है। इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 99 मेगावाट है।

4. **बरगी परियोजना**—जबलपुर जिले में बिजौरा गांव के पास बारगी रानी अवन्तिाबाई सागर (बरगी) परियोजना पर कार्य चल रहा है। नर्मदा नदी पर स्थित इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 90 मेगावाट है।

5. **टोंस जल विद्युत् केन्द्र**—रीवा में स्थित इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 315 मेगावाट है।

6. **महेश्वर जल विद्युत् केन्द्र**—इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 350 मेगावाट है।

7. **ओंकारेश्वर जल विद्युत् केन्द्र**—खण्डवा जिले के ओंकारेश्वर नामक स्थान पर स्थित इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 250 मेगावाट है।

8. **पुनासा जल विद्युत् केन्द्र**—खण्डवा जिले के पुनासा नामक स्थान पर स्थित इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 250 मेगावाट है।

9. **बाणसागर जल विद्युत् केन्द्र**—यह मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश व बिहार राज्यों के सहयोग से निर्मित बागसागर परियोजना का अंग है। वर्तमान में इस केन्द्र की उत्पादन क्षमता 110 मेगावाट है।

10. **रिहन्द परियोजना**—उत्तर प्रदेश एव मध्य प्रदेश की यह संयुक्त विद्युत् परियोजना है।

11. **पेयजल विद्युत् केन्द्र**—सीधी व छिन्दवाड़ा जिलों में चल रहा यह केन्द्र मध्य प्रदेश व महाराष्ट्र की संयुक्त परियोजना है। इसकी उत्पादन क्षमता 600 मेगावाट है।

## तापीय विद्युत्

### मध्यप्रदेश के प्रमुख विद्युत् केन्द्र निम्नलिखित हैं

1. **अमरकंटक ताप विद्युत् ग्रह**—यह शहडोल जिले के सोहागपुर कोयला क्षेत्र में स्थित है। इस केन्द्र की कुल चार इकाइयाँ हैं जिनकी उत्पादन क्षमता 300 मेगावाट है।

2. **सतपुड़ा ताप विद्युत् गृह**—यह बैतूल जिले के पाथरखेड़ा कोयला क्षेत्र में स्थित है। यह मध्य प्रदेश और राजस्थान की सम्मिलित योजना है जिसमें नियोजन तथा लाभ में दोनों राज्य 3 : 2 अनुपात के सहभागी हैं।

3. **विन्ध्याचल वृहत् ताप विद्युत् गृह**—यह सीधी जिले में बेढन नामक स्थान पर दो चरणों में पूर्ण की गई। इस परियोजना की कुल उत्पादन क्षमता 2,260 मेगावाट है।

4. **चांदनी ताप विद्युत् गृह**—नेपानगर के कागज कारखाने को विद्युत आपूर्ति हेतु 1953 में इसकी स्थापना की गई है।

5. **जबलपुर ताप विद्युत् केन्द्र**—यहां 44 मेगावाट के तीन, 2 मेगावाट के चार तथा 1 मेगावाट की एक इकाई कार्यरत है। इसकी उत्पादन क्षमता 15 मेगावाट है।

6. **संजय गांधी ताप विद्युत् केन्द्र**—यह विद्युत केन्द्र शहडोल जिले के बीरसिंहपुर में है।

7. **पेंच ताप विद्युत् केन्द्र**—छिन्दवाड़ा जिले में पेंच ताप विद्युत् केन्द्र स्थापित किया गया है।

8. **बाध व माण्डू ताप विद्युत् गृह**—इस पर निर्माण कार्य जारी है।

### परमाणु विद्युत्

☞ मध्यप्रदेश राज्य में अभी तक कोई परमाणु ऊर्जा केन्द्र स्थापित नहीं हुआ है।

### ऊर्जा के गैर-पारम्परिक स्त्रोत

1. **पवन ऊर्जा**—पवन ऊर्जा से विद्युत् उत्पादन के बढ़ावा देने के उद्देश्य से 15 मेगावाट क्षमता की देश की प्रथम संयुक्त क्षेत्र की कम्पनी मध्य प्रदेश विण्ड फार्म्स लिमिटेड प्रदेश में गठित की गई है। राज्य में कुल 21.69 मेगावाट क्षमता की विद्युत् परियोजनाओं की स्थापना की जा चुकी है।

2. **बायोमास**—मध्य प्रदेश बायोमास से विद्युत् उत्पादन की अब तक 13.50 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं स्थापित की गई है। राज्य की प्रथम, अविशिष्टों को जलाकर विद्युत् उत्पादन की को-जेनरेशन परियोजना खरगौन जिले के गांव कटवा में नर्मदा शुगर इण्टस्ट्रीज द्वारा स्थापित की गई है।

3. **सोलर फोटोवेल्टिक प्लान्ट**—ऐसे गांव जहां विद्युत् प्रदाय लगभग असम्भव हो जाता है, ऐसे स्थानों पर सोलर फोटो वोल्टिक प्लान्ट के द्वारा विद्युत् आपूर्ति की जाती है। झाबुआ, बैतूल तथा होशंगाबाद के कुछ गांवों में यह प्रयोग किया जा रहा है।

4. **बायो गैस संयन्त्र**—भोपाल के 'भदभदा पशुपालन विभाग' के 1984 में 85 घनमीटर का संयंत्र स्थापित किया गया जिसके द्वारा 46 परिवारों के भोजन की व्यवस्था की जाती है।

## मध्य प्रदेश ऊर्जा

| ताप विद्युत परियोजना का नाम | स्थान |
|---|---|
| चाँदनी ताप परियोजना | नेपानगर (बुरहानपुर) |
| सिगाजी ताप परियोतजना | मूंदी (खण्डवा) |
| अमरकंटक ताप परियोजना | सुहागपुर (शहडोल) |
| सतपुड़ा ताप परियोजना | सारणी (बैतुल) |
| विन्धयाचल ताप परियोजना | बैढ़न (सिंगौरी) यह म.प्र. का सबसे बड़ा ताप विद्युत ग्रह है। |
| संजयगाँधी ताप परियोजना | बिरसिंहपुर (उमरिया) |
| पेंच ताप परियोतना | छिंदवाड़ा |
| मालवा | खण्डवा |
| यू.एम.पी.पी. | सासन/सीधी/सिंगरौली |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

# मध्य प्रदेश में शिक्षा

- विश्व के किसी भी एक नगर में सर्वाधिक विश्वविद्यालयों की संख्या भोपाल में हैं।
- राज्य में दन्त चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1961 में इन्दौर में की गयी।
- राज्य में नर्सिंग महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 1961 में इन्दौर में की गयी।
- मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रन्थ अकादमी के माध्यम से प्रकाशन कार्य वर्ष 1969 से हो रहा है। इसके अध्यक्ष राज्य के शिक्षा मन्त्री होते हैं।
- मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग का गठन 27 जुलाई, 1973 ई. की मध्य प्रदेश अधिनियम, क्रमांक 21, 1973 के अन्तर्गत किया गया था।
- भोपाल इन्दिरा राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम केन्द्र है, जिसकी स्थापना 5 दिसम्बर, 1987 को की गयी।
- राज्य में राजीव गाँधी मुक्त विश्वविद्यालय देश का प्रथम केन्द्र है, जिसकी स्थापना 5 सितम्बर, 1987 को की गयी।
- राज्य में शिक्षा गारन्टी योजना की शुरूआत 1 जनवरी, 1997 को की गयी।
- राज्य में पशु चिकित्सा महाविद्यालयों की स्थापना जबलपुर व मऊ में की गयी है।
- मध्य प्रदेश शासन द्वारा डॉ. अम्बेडकर राष्ट्रीय सामाजिक विज्ञान संस्थान महू में स्थापित किया गया।
- राज्य के 7 शासकीय आयुर्वेदिक महाविद्यालय निम्न जिलों में स्थित हैं- इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर, उज्जैन व बुरहानपुर।
- यह राज्य देश का प्रथम राज्य है जिसके देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर ने ईस्टर्न मिशीगन विश्वविद्यालय अमेरिका (अर्थात् किसी विदेशी विश्वविद्यालय के साथ) के साथ अध्ययन/अध्यापन व अनुसन्धान सम्बन्धी परस्पर सहमति पर हस्ताक्षर कर कीर्तिमान स्थापित किया।
- राज्य में माध्यमिक शिक्षा मण्डल भोपाल में स्थित है।
- प्राशनिक अकादमी भोपाल में हैं।
- एशिया का प्रथम फिजिकल कालेज लक्ष्मी बाई फिजिकल काजेल ग्वालियर में स्थापित है।
- फॉरेन्सिक पुलिस महाविद्यालय सागर में स्थापित किया गया है।
- सागर विश्वविद्यालय के अन्तर्गत सर्वाधिक महाविद्यालय आते हैं।
- म.प्र. पाठ्य पुस्तक निगम की स्थापना सन् 1968 में हुई।
- माध्यमिक शिक्षा मंडल का कार्यालय भोपाल है तथा सम्भागीय कार्यालय इंदौर में है।
- म.प्र. का पहला खेल विद्यालय सीहोर में है।
- वर्तमान में प्रदेश में 6 मेडीकल कालेज हैं।
- सबसे नवीनतम मेडीकल कालेज सागर में है तथा सबसे पुराना मेडीकल कालेज गजराराजे चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर (1946) में हैं।
- प्रदेश में कृषि महाविद्यालय की संख्या 8 है।
- प्रदेश में दो केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर, (2008 में मान्यता) तथा अमरकंटक (अनूपपुर) में इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय आदिवासी वि.वि.
- म.प्र. के जबलपुर, महु एवं रीवा में पशु चिकित्सा महाविद्यालय हैं।
- राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय भोपाल में स्थित हैं।
- सबसे पुराना इन्जीनियरिंग कॉलेज वर्ष 1947 में जबलपुर में स्थापित शासकीय इन्जीनियरिंग कॉलेज है। मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा अनुदान आयोग कॉलेज का गठन 27 जुलाई 1973 को किया गया, जिसका मुख्यालय भोपाल में है।
- मध्य प्रदेश में इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों की संख्या 9 है- भोपाल, बैतूल, ग्वालियर, इन्दौर, जबलपुर, सागर, रीवा, उज्जैन और छिन्दवाड़ा।
- राजीव गांधी शिक्षा मिशन के अन्तर्गत राज्य के प्रत्येक वर्ष 1 लाख शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाता है।
- मध्य प्रदेश में पढ़ो-कमाओं योजना 2 अक्टूबर, 1978 को लागू की गई, जिसमें बालक-बालिकाओं को हस्त कौशल सिखाकर अध्ययन के साथ स्वावलम्बी बनाया जाता है।
- मध्य प्रदेश में सम्पूर्ण साक्षरता कार्यक्रम 8 सितम्बर, 2003 से प्रारम्भ।
- मध्य प्रदेश में राज्य शिक्षा सलाहकार बोर्ड (SABE) की स्थापना की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य-सभी स्तरों व सभी विषयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने तथा इसे सभी नागरिकों के लिए सुलभ बनाने के तरीके के बारे में बोर्ड राज्य सरकार को परामर्श देगा।
- जनरल इन्फार्मेशन एक्सप्रेस नेटवर्क शिक्षा परियोजना लागू की गई है, जिसका मुख्य उद्देश्य मध्य प्रदेश शासन के सार्वजनिक पुस्तकालयों के आधुनिकीकरण के लिए प्रयास करना।
- पढ़ना-बढ़ाना आन्दोलन मध्य प्रदेश के नरसिंहपुर जिले में प्रशासन द्वारा चलाया जा रहा है, जिससे महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन आया है।
- **हैड स्टार्ट कार्यक्रम**—मध्यप्रदेश के ग्रामीण स्कूलों के कम्प्यूटर के द्वारा शिक्षा देने का कार्यक्रम है।

- **आई.टी.सर्विसेज**–शिक्षित बेरोजगारी को सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में आई.टी. अनेबल्ड सर्विसेज में प्रशिक्षण देने की योजना जनवरी, 2002 से प्रारम्भ की गई। इस योजना के अन्तर्गत सेन्टर फॉर रिसर्च एण्ड स्टाफ परफॉर्मेंस (CRRISP) भोपाल में एक प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना की गई है।
- वर्तमान (2012) में मध्यप्रदेश में 16 विश्व विद्यालय है।
- पहला युनानी चिकित्सा महाविद्यालय बुरहानपुर
- राष्ट्रीय साक्षारता मिशन 1986 में।
- शिक्षा गारंटी योजना 1997 में।
- शंखनाथ योजना आदिवासियों में शिक्षा प्रसार करके उन्हें विकास में भागीदार बनाने के लिए।
- मध्य प्रदेश का एक मात्र दन्त चिकित्सालय महाविद्यालय इंदौर में है।
- मध्यप्रदेश का एक मात्र सामाजिक विज्ञान संस्थान माहू (इंदौर) में है। इसका वर्तमान (2012) नाम डॉ. अम्बेडकर सामाजिक विज्ञान संस्थान है।
- लक्ष्मी बाई राष्ट्रीय शारीरिकी शिक्षा संस्थान ग्वालियर में है। यह एशिया का प्रथम शारीरिक महाविद्यालय है।
- मेजर ध्यानचंद शारीरिक शिक्षा संस्थान भोपाल में है।
- मध्य प्रदेश का एक मात्र सैनिक स्कूल रीवा जिले में है।
- महर्षि वैदिक विश्व विद्यालय कटनी में है।
- पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन में है।
- मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय ग्वालियर में है।
- मध्य प्रदेश का सबसे पुराना इंजिनियरिंग कालेज जबलपुर में है।
- मध्य प्रदेश का राजमाता विजयाराजे सिन्धिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर (2008) में है।
- मध्य प्रदेश का अखिल आयुर्विज्ञान संस्थान (AIMS दिल्ली) भोपाल में स्थापित है।
- मध्य प्रदेश का पहला विश्वविद्यालय डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय है तो सागर में है। इसकी स्थापना 1946 में हुई।
- BHEL (भोपाल) द्वारा संचालित जवाहर लाल नेहरू स्कूल (भोपाल) को देश में पहली बार ISO, 9001, 14001 का प्रमाण पत्र मिला है।

## म.प्र. की प्रमुख शिक्षा योजनाऐं

### बुक बैंक योजना

- प्रदेश के सभी हाई स्कूल एवं उच्चतर माध्यमिक शालाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं को शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुक बैंक योजना के अन्तर्गत नि:शुल्क पाठ्य पुस्तकें उपलब्ध करायी जाती है।
- वर्ष 2003-04 में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा सभी जिला मुख्यालय स्तर पर एक उत्कृष्ट विद्यालय की स्थापना की गई।

### मध्यान्ह भोजन योजना

- मध्यान्ह भोजन योजना 1995 से कार्यरत है
- राज्य में केन्द्रीय योजना के अन्तर्गत मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम प्रदेश की समस्त शासकीय अनुदान प्राप्त प्राथमिक शालाओं, ई.जी.एस.केन्द्रों तथा अनुदान प्राप्त मदरसों में संचालित है।

### शिक्षा गारण्टी योजना

- राज्य में यह शिक्षा योजना 1 जनवरी, 1997 से लागू की गई।
- इस योजना के अन्तर्गत ऐसे क्षेत्र जहां आस-पास एक किलोमीटर तक प्राथमिक शिक्षा की सुविधा नहीं है, जहां 25 बच्चे (अनुसूचित जनजाति बाहूल्य क्षेत्र में) तथा सामान्य में 40 बच्चे पढ़ना चाहते हों, वह समुदाय की मांग पर 90 दिनों के अन्दर एक स्कूल आरम्भ करने की सरकार गारण्टी लेती है।
- सात महाविद्यालय तथा शासकीय एवं अनुदान प्राप्त एवं अप्राप्त अशासकीय महाविद्यालयों को मिलाकर कुल 758 महाविद्यालय संचालित हैं जिनमें 311 शासकीय महाविद्यालय, 2 विश्वविद्यालय द्वारा संचालित महाविद्यालय तथा 371 अनुदान प्राप्त महाविद्यालय सम्मिलित है।
- शासकीय महाविद्यालय में कम्प्यूटर की योजना संचालित है, जिसके अन्तर्गत आई.ई.सी. साफ्टवेयर कम्पनी, दिल्ली द्वारा छात्रों को 84 रूपए प्रतिमाह शुल्क पर कम्प्यूटर शिक्षा दी जा रही है।
- 225 महाविद्यालय ने ई-मेल एकाउन्ट प्रारम्भ कर लिए हैं। दूरस्थ शिक्षा पद्धति के माध्यम से उच्च शिक्षा के विस्तार, स्तरीय निकाय एवं संवर्द्धन के लिए मध्य प्रदेश भोजमुक्त विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है।
- भोजमुक्त विश्वविद्यालय अपने 9 क्षेत्रीय अध्ययन केन्द्रों तथा 1.07 हजार सहायक केन्द्रों के माध्यम से प्रदेश के बाहर दूरस्थ ग्रामीण अंचलों में उच्च शिक्षा प्रदान कर रहा है।
- प्रदेश में ज्ञानवाणी, एफ.एम. रेडियो चैनल तथा ज्ञान दर्शन चैनलों की स्थापना की महात्वाकांक्षी योजना हाथ में ली है।

### मध्य प्रदेश की प्रमुख अकादमी

(1) भारत भवन – भोपाल में 1982 में नींव रखी गई तथा 1984 में कार्य प्रारम्भ हुआ। जिसके वास्तुविद चार्ल्स कुरिया इसके थे।

भारत भवन के प्रमुख भाग निम्न हैं।

(1) रूपंकर – ललित कला

(2) वागार्थ – साहित्य



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

(3) अनहद – संगीत

(4) रंगमण्डल – थियेटर (रंगमंच)

(5) आकार – चित्रकला/मूर्तिकला

(2) रविन्द भवन – नाट्य से सम्बन्धित है। भोपाल में है।

(3) कालिदास अकादमी – उज्जैन में है। 1977 में स्थापना हुई।

(4) म.प्र. तुलसी अकादमी – भोपाल में है। 1987 में स्थापना हुई। – इस अकादमी का शोध संस्थान चित्रकूट में है।

(5) म.प्र. हिन्दी ग्रन्थ – भोपाल में है। 1969 में स्थापना हुई।

(6) म.प्र. कला परिषद् – भोपाल में है। 1952 में स्थापना हुई।

(7) म.प्र. साहित्य परिषद् – भोपाल में है। 1954 में स्थापना हुई।

(8) म.प्र. आदिवासी लोक कला परिषद – भोपाल में है। 1980 में स्थापना हुई।

## म.प्र. के विश्वविद्यालय

| क्र. | नाम | स्थान | स्थापना वर्ष |
|---|---|---|---|
| 1. | डॉ. हरिसिंह गौड़ विश्वविद्यालय | सागर | 1946 |
| 2. | रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय | जबलपुर | 1957 |
| 3. | विक्रम विश्वविद्यालय | उज्जैन | 1957 |
| 4. | जीवाजी विश्वविद्यालय | ग्वालियर | 1964 |
| 5. | देवी अहिल्या विश्वविद्यालय | इंदौर | 1964 |
| 6. | जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय | जबलपुर | 1964 |
| 7. | अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय | रीवा | 1968 |
| 8. | बरकतुल्ला, विश्वविद्यालय | भोपाल | 1970 |
| 9. | इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय | खैरागढ़ | 1976 |
| 10. | मा.ल.च. राष्ट्रीय प. विश्वविद्यालय | भोपालब | 1991 |
| 11. | महात्मा गाँधी चित्रकूट ग्रामोदय विश्वविद्यालय | चित्रकूट | 1991 |
| 12. | राजा भोज मुक्त विश्वविद्यालय | भोपाल | 1991 |
| 13. | महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय | जबलपुर | 1995 |
| 14. | राष्ट्रीय विधि संस्थान वि.वि. | भोपाल | 1997 |
| 15. | राजीव गाँधी प्रौद्योगिकी संस्थान | भोपाल | 2000 |
| 16. | इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय आदिवासी वि.वि. | अमरकंटक | 2008 |
| 17. | संगीत विश्वविद्यालय | ग्वालियर | 2008 |
| 18. | महर्षि पाणिनी संस्कृत वि.वि. | उज्जैन | 2008 |
| 19. | महर्षि महेश योगी वेदिक विं.वि. | कटनी | 2009 |
| 20. | राजमाता विलवाराजे सिन्धिया कृषि विश्वविद्यालय | ग्वालियर | 2008 |
| 21. | हिन्दी वि.वि. | भोपाल | 2011 |
| 22. | बौद्ध वि.वि. | सांची | 2012 |

## मध्य प्रदेश के सृजनपीठ

1. निराला सदन पीठ – भोपाल में हैं।
2. प्रेमचन्द सदन पीठ – उज्जैन में हैं।
3. सुभद्र कुमारी चौहान सदन पीठ – जबलपुर में हैं।
4. मुक्तिबोद (गजानंद माधव) सदन पीठ – सागर में हैं।

# मध्यप्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी

☞ धार जिले में ग्रामीण इंटरनेट का एक सफल प्रयोग किया गया, जिसे लोक सेवा के क्षेत्र में स्टॉक होम चैलेन्ज अवॉर्ड के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति मिली है। इस 'ज्ञानदूत' परियोजना को धार जिले में जिला पंचायत ने लागू किया है।

## सूचना प्रौद्योगिक नीति

☞ सरकार सभी नागरिकों की क्षमता को ध्यान में रखकर सूचनाओं तक उनकी पहुंच बढ़ाएगी।

☞ इन्दौर, ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल को सूचना प्रौद्योगिकी शहरों के रूप में विकसित करना।

☞ सरकारी कर्मचारियों को कम्प्यूटर साक्षर बनाकर उन्हें जनता के हित में ई-मेल द्वारा पत्र व्यवहार करने की सुविधा भी दी जाएगी।

☞ प्रत्येक सूचना गुमटी 15 ग्राम पंचायतों के करीब 25 गावों की अपनी सेवाएं देती है। कई महत्वपूर्ण सूचनाएं www.gyandoot.net पर सम्पर्क कर प्राप्त की जा सकती हैं। सूचना गुमटियां उन स्थानों पर स्थापित हैं जहां आमतौर पर लोगों की आवाजाही बनी रहती है।

## संचार एवं संचार माध्यम

☞ 1 अप्रैल 1962 को डॉक तार परिमण्डल का गठन नागपुर में हुआ जिसे 1965 में भोपाल स्थानांतरित किया गया।

☞ राज्य में आकाशवाणी केन्द्र पहला 1955 में इन्दौर, दूसरा 1956 में भोपाल तथा तीसरा 1964 में ग्वालियर में स्थापित किया गया।

☞ वर्तमान में राज्य में कुल 20 आकाशवाणी केन्द्र हैं- इन्दौर, भोपाल, छतरपुर, ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, शिवपुरी, बैतुल, खण्डवा, शहडोल, बालाघाट, छिन्दवाड़ा एवं गुना आदि।

☞ राज्य में दूरसंचार सेवा का आरंभ 1 सितम्बर, 1974 में हुआ।

☞ वर्तमान में राज्य में कुल 78 दूरदर्शन रिले केन्द्र कार्यरत हैं, जिनमें 6 उच्च शक्ति वाले ट्रांसमीटर हैं एवं 3 दूरदर्शन केन्द्र (स्टूडियो) भी हैं।

☞ 1982 में अल्प शक्ति ट्रांसमीटर केन्द्र भोपाल में तथा 1984 में इन्दौर में दूरदर्शन केन्द्र स्थापित किया गया।

### देश एवं प्रदेश के संचार माध्यमों का तुलनात्मक अध्ययन

| क्र. | | भारत में | मध्य प्रदेश में |
|---|---|---|---|
| 1. | देश में डाक सेवा का आरम्भ | 1837 (स्वतन्त्रता पूर्व) | 1962 (1 अप्रैल) |
| 2. | प्रथम आकाशवाणी केन्द्र | 1927 (कलकत्ता) | 1955 29 मई (इंदौर) |
| 3. | विज्ञापन प्रसारण सेवा का आरम्भ | 1936 | 1975 |
| 4. | प्रथम दूरदर्शन केन्द्र | 1959 (दिल्ली) | 1972 (रायपुर) |

# मध्यप्रदेश में पुलिस प्रशासन

☞ 1956 में म.प्र. में पांच पुलिस रेंज- ग्वालियर, इंदौर, रीवा, जबलपुर और रायपुर में थे वर्तमान में म.प्र. में 11 पुलिस रेंज हैं।

| पुलिस रेंज | जिले |
|---|---|
| इंदौर रेंज (8) | इंदौर, खण्डवा, खरगौन, बड़वानी, धार, झाबुआ, बुरहानपुर, अलीराजपुर |
| उज्जैन रेंज (6) | उज्जैल, देवास, शाजापुर, नीमच, मंदसौर, रतलाम |
| जबलपुर रेंज (5) | जबलपुर, छिंदवाड़ा, सिवनी, नरसिंहपुर, कटनी |
| सागर रेंज (5) | सागर, टीकमगढ़, दमोह, छतरपुर, पन्ना, |
| होशंगाबाद रेंज (4) | होशंगाबाद, हरदा, रायसेन, बैतूल |
| भोपाल रेंज (4) | भोपाल, सीहोर, राजगढ़, विदिशा |
| ग्वालियर रेंज (4) | ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोक नगर |
| रीवा रेंज (4) | रीवा, सीधी, सिंगरोली, सतना |
| चंबल रेंज (4) | मुरैना, भिण्ड, श्योपुर, दतिया |
| शहडोल रेंज (3) | शहडोल, उमरिया, अनुपपुर |
| बालाघाट (3) | बालाघाट, मंडला, डिंडोरी |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- डी.आई.जी. रेन्ज 15 हैं। कन्ट्रोल रूम 15 हैं तथा पुलिस थानों की संख्या 996 है।
- म.प्र. का इंदौर डी.आई.जी. ऑफिस देश का पहला I.S.O. 9001-2000 प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाला डी.आई.जी. ऑफिस है।
- प्रदेश के भोपाल, जबलपुर, उज्जैन, दतिया, पन्ना व मुरैना में हरिजन पुलिस कल्याण थानों की स्थापना की गई है।
- मध्यप्रदेश का पुलिस संगठन नए रूप में किया गया है। सारे प्रांतों को रेंजों में बाँटा गया है। प्रत्येक रेंज में एक उप महानिरीक्षक होता है। एक रेंज में कुछ जिले शामिल होते हैं। जिले का एक उच्च अधिकारी पुलिस अधीक्षक कहलाता है।
- इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर में पुलिस महानिरीक्षक के पद श्रृजित किए गए हैं।
- मध्यप्रदेश पुलिस का सर्वोच्च अधिकारी पुलिस महानिदेशक (DIG) होता है। वर्तमान में इस पद पर श्री नन्दन दुबे (1 मार्च 2012 से) कार्यरत् हैं।
- पुलिस महानिदेशक गृह सचिव के अधीन कार्य करता है।
- 1956 में प्रथम हानिरीक्षक श्री बी.जी. घाटे थे पुलिस महानिरीक्षक के स्थान पर 1982 में पुलिस महानिदेशक का पद श्रृणित किया गया।
- अंतिम महानिरीक्षक वा प्रथम महानिदेशक श्री बी.पी. दुबे थे।
- प्रत्येक पुलिस रेंज के लिए एक उप महानिरीक्षक (DIG) होता है।
- सभी राजस्व जिलों में पुलिस अधीक्षक (SP) होता है। जिला सर्किल में बटा होता है। जहां प्रत्येक सर्किल की जिम्मेदारी (SDOP) की होती है। जबकि थाने की जिम्मेदारी थानेदार सम्भालता है।

**शासकीय रेलवे पुलिस**—राज्य में रेलवे को तीन सेक्शन- भोपाल सेक्शन, इंदौर सेक्शन, जबलपुर सेक्शन में विभक्त किया गया है। तथा इनके लिये रेलवे पुलिस का सबसे बड़ा अधिकारी रेलवे पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है। मध्यप्रदेश रेल्वे पुलिस मध्य रेलवे दक्षिण रेलवे और उत्तर रेलवे की प्रतिदिन चलने वाली गाड़ियों की सुरक्षा व्यवस्था करती है। रेल्वे पुलिस थानों की संख्या 21 है। जिसमें 8 भोपाल सेक्शन में, 7 इंदौर सेक्शन में तथा 6 जबलपुर सेक्शन में हैं।

- सागर पुलिस ट्रेनिंग स्कूल 1906 में खुला जिसे 1936 में कालेज में तब्दील किया गया।
- इसे अकादमी का दर्जा देकर इसका नाम जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी किया गया है।
- 1956 में मध्यप्रदेश राज्य पुनर्गठन हुआ व पुलिस मुख्यालय भोपाल बना।
- S.S.P. जिले इंदौर, भोपाल
- हबीबगंज (भोपाल) पहला पुलिस मेट्रो थाना बना।
- पहला पुलिस महिला थाना-भोपाल
- पहला ISO प्रमाणन प्राप्त थाना देवास

**विशेष सशस्त्र बल**—राज्य के उत्तरी तथा पूर्वी क्षेत्रों में डाकू समस्या के मद्देनजर 1968 में मध्य प्रदेश विशेष सशस्त्र बल एक्ट लागू किया गया इसके तहत् जिला पुलिस बल की मदद हेतु वर्तमान में 26 विशेष सशस्त्र बल की बटालियन कार्यरत् है, जिनमें से दो बटालियन असम तथा केम्प क्लारी में कार्यरत है।

- विशेष सशस्त्र बल के लिए भी एक पृथक महानिरीक्षक की नियुक्ति की गई है।
- सशस्त्र पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर व फारेन्सिक साइंस लैबारेटरी सागर में स्थित है।
- हरिजन एवं आदिवासी प्रकोष्ठ की स्थापना पुलिस मुख्यालय भोपाल में की गई है।
- मध्यप्रदेश सेवा संवर्ग की प्रथम महिला आईपीएस अधिकारी आशा गोपालन है।
- महिलाओं पर होने वाले अत्याचार को रोकने हेतु मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा हेल्प लाईन सेवा प्रारंभ की है।

## होमगार्ड

- राज्य में होमगार्ड पैरा पुलिस फोर्स के रूप में कार्यरत है और इसका मुख्यालय जबलपुर में है। इसका प्रमुख अधिकारी महानिदेशक होता है। इसके आरक्षक को नगर सैनिक के नाम से जाना जाता है जिनकी सेवाऐं ट्राफिक, संपत्तियों की रक्षा व विशेष अवसरों के समय ली जाती है।

## जेल

- म.प्र. में 1995 से कारागार में बंदियों के लिये योग शिक्षा अनिवार्य कर दी गई है।
- प्रदेश में नरसिंहपुर व जबलपुर में किशोर बंदीगृह स्थापित किये गये हैं।
- म.प्र. में कुल 122 जेले हैं, जिसमें 8 केन्द्रीय जेल, 22 जिला जेल तथा 92 उप जेल हैं

## मध्यप्रदेश पुलिस के प्रशिक्षण संस्थान

- नव आरक्षक/प्लाटून कमाण्डर- छटवी वाहनी, जबलपुर
- जिला बल के नव आरक्षक- तिगरा (ग्वालियर) उमरिया, इंदौर, रीवा, पंचमढ़ी
- वायरलेस प्रशिक्षण- इंदौर वाहन कर्मचारी प्रशिक्षण रीवा
- यातायात प्रशिक्षण- भोपाल
- अपराध अनुसंधान प्रशिक्षण-सागर

- फोरेंसिक साइंस लैबोरैट्री- सागर
- आर्म्स एण्ड प्रैक्टिस सेंटर- इंदौर
- जवाहरलाल नेहरू पुलिस अकादमी - सागर
- स्वान प्रशिक्षण केन्द्र - भदभदा (भोपाल)

# मध्य प्रदेश में परिवहन

(1) सड़क परिवहन, (2) रेल परिवहन, (3) वायु परिवहन

## (1) सड़क परिवहन

- म.प्र. में 17NH (राष्ट्रीय राजमार्ग) गुजरते है।
- म.प्र. में सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग NH-3 (आगरा-मुम्बई) (712 कि.मी.) है
- म.प्र. का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग NH-76 (पिण्डवाड़ा से इलाहबाद) (43 किमी) है
- म.प्र. का पहला एक्सप्रेस हाइवे मार्ग भोपाल- इंदौर है।
- म.प्र. में सड़कों की कुल लम्बाई 86,000 किमी है।
- म.प्र. में NH की कुल लम्बाई 4,709 किमी. है।
- म.प्र. में SH की कुल लम्बाई 10,249 है।
- म.प्र. सड़क परिवहन निगम 1962 में स्थापति हुआ था। जिसे बन्द कर दिया गया है।
- भारत का सबसे लम्बा हाइवे (NH 7) है। यह बनारस से कन्याकुमारी तक (2,369 किमी) है। NH 7 म.प्र. में दूसरा सर्वाधिक लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग है।
- सड़कों की दृष्टि से म.प्र. का देश में 15वां स्थान है।
- मध्य प्रदेश में कच्ची व पक्की दो प्रकार की सड़कें पाई जाती है। जो देश में 15 वें स्थान पर है। लोक निर्माण विभाग द्वारा निर्मित कुल सड़कों की लम्बाई प्रति 100 वर्ग किमी क्षेत्रफल पर 24 किमी रही। जबकि भारत में 81 कि.मी. है।
- राज्य के 17 राष्ट्रीय राजमार्ग 621 किलोमीटर (उत्तर-दक्षिण एवं पूर्व) - पश्चिमी कोरीडोर का भाग है) चार लेन बनने हेतु राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण, नई दिल्ली को हस्तान्तरित किए गए हैं।

## (2) रेल परिवहन

- म.प्र. में रेल मार्ग की लम्बाई 4,903 किमी है।
- म.प्र. का सबसे बड़ा रेल्वे जंक्शन इटारसी है।
- म.प्र. में रेल्वे स्लीपर (साल) बनाने का कारखान वनखेड़ी, बुधनी में है।
- म.प्र. रेल सेवा आयोग और रेल्वे भती बोर्ड भोपाल में है।
- देश की पहली ISO 9001 प्रमाणित रेल भोपाल एक्सप्रेस है। तथा देश का पहला ISO 9001 प्रमाणित रेल्वे स्टेशन हबीब गंज रेल्वे स्टेशन भोपाल में हैं।
- रेल्वे कोच रिपेयर फैक्ट्री- निशातपुर, भोपाल में है।
- रेल्वे इंजन का निर्माण- भोपाल बी.एच.ई.एल. में होता है।
- रीवांचल एक्सप्रेस को ISO 14001 प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है।
- भारत के 16 रेलवे जोन में से म.प्र. में एकमात्र पश्चिम मध्य रेल्वे जोन जबलपुर में है।
- मुम्बई-दिल्ली रेलमार्ग का निर्माण 1865-78 के मध्य हुआ यह राज्य का पहला रेलमार्ग था। इलाहाबाद-जबलपुर रेलमार्ग 1867 में परिवहन हेतु खोल दिया गया था। 1895 में भोपाल उज्जैन और बीना-कोटा रेलमार्ग 1899 में बन गए थे।
- उत्तर भारत को दक्षिण भारत में जोड़ने वाला रेलमार्ग मध्यप्रदेश से होकर गुजरता है। राज्य में भोपाल, बीना, ग्वालियर, इन्दौर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, रतलाम और उज्जैन प्रमुख रेलवे जंक्शन हैं। राज्य में भोपाल और उज्जैन क्षेत्रीय रेलवे मुख्यालय है।
- मध्य प्रदेश में वर्तमान में 3 रेलवे क्षेत्र हैं।

### मध्य रेलवे

- इसके अन्तर्गत मुम्बई-दिल्ली, मुम्बई-इलाहबाद, बीना-कटनी, मानिकपुर-झांसी, खण्डवा-हिंगाली रेल लाइने हैं। (ग्वालियर, जबलपुर, रीवा, भोपाल)

### पश्चिम रेलवे-

- इस क्षेत्र के अन्तर्गत दिल्ली-मुम्बई, अजमेर-खण्डवा, गुना-मक्सी रेल लाइने हैं। (इंदौर, देवास, रतलाम, सीहोर)

### दक्षिण-पूर्वी रेलवे

- कोलकाता-मुम्बई व जबलपुर-गोंदिया (अब छत्तीसगढ़ में छोटी लाइन) इस क्षेत्र में है। (शहडोल, छिंदवाड़ा, बालाघाट)

## (3) वायु परिवहन

- म.प्र. में कुल 5 हवाई अड्डे हैं।
- खजुराहो, जबलपुर, ग्वालियर, भोपाल, इंदौर है
- राजा भज हवाई अड्डा- भोपाल में है।
- अहिल्या बाई हवाई अड्डा इंदौर में है।
- मध्य प्रदेश में कुल 26 हवाई पट्टियां है। जिनमें से 7 राष्ट्रीय विभाग पत्तन के (इन्दौर, खण्डवा, ग्वालियर, भोपाल, खजुराहो, जबलपुर एवं सतना) 8 लोक निर्माण विभाग के, 2
- विद्युत मण्डल के तथा अन्य 8 पट्टियां विभिन्न संस्थाओं के आधिपत्य में हैं।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- राज्य का एक मात्र उद्यान कान्हा किसली है जहाँ पर हवाई पट्टी है।
- म.प्र. का अंतरर्राष्ट्रीय स्तर का हवाई अड्डा भोपाल में है।

## उच्च न्यायालय

मध्यप्रदेश के उच्च न्यायालय की स्थापना 1956 जबलपुर में की गई है। इसकी खण्डपीड शाखाएं इंदौर एवं ग्वालियर में 1969 में स्थापित की गई हैं। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के प्रथम मुख्य न्यायाधीश पद पर न्यायमूर्ति एम.हिदायतुल्ला को 1 नवंबर 1956 को नियुक्त किया गया। उन्होंने 12 दिसम्बर 1958 तक इस पद पर कार्य किया। वर्तमान समय में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री अजय एम खानविलकर है। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित 18 अन्य न्यायाधीश कार्य कर रहे हैं।

## फॉस्ट ट्रेक कोर्ट

लंबित पड़े मामलों के शीघ्र निपटारे के लिए फॉस्ट ट्रेक कोर्ट की अवधारणा अपनाई गई है। उसकी शुरूआत 1 अप्रैल 2001 से की गई सबसे पहले 2 वर्ष से अधिक लंबित पड़े प्रकरणें को तथा विचाराधी केदियों के मामले निपटाए जाएंगे। इसकी अनुशंसा 11 वें वित्त आयोग ने की थी। राज्य में 85 फास्ट ट्रेक कोर्ट है।

## मध्यप्रदेश द्वारा दी जाने वाली फेलोशिप

| | | |
|---|---|---|
| मुक्तिबोध | – | साहित्य |
| चक्रधर | – | लोक कला |
| अमृता शेरगिल | – | रूपंकर कला |
| अलाउद्दीन खाँ | – | संगीत |
| श्रीकांत वर्मा | – | कविता |
| राजेन्द्र प्रसाद माथुर | – | पत्रकारिता |

म.प्र. में 6 क्षेत्रों में 1000 रु. मासिक फेलोशिप प्रदान करता है।

# मध्यप्रदेश में अनुसूचित जातियां, जनजातियों एवं पिछड़ा वर्ग विशेष

- अनुच्छेद 342 (1) के तहत राष्ट्रपति किसी जाति को अनुसूचित जनजाति होने को अधिसूचित करता है।
- मध्य प्रदेश में निम्न प्रमुख जनजातियां पाई जाती है
  1. गोंडा, 2. भील, 3. बैगा, 4. सहरिया, 5. कोल, 6. पारधी, 7. पनिका, 8. कोरकू, 9. बंजारा, 10. भारिया
- मध्यप्रदेश का सबसे बड़ा जन जाति समूह भील (37.7%) है। तथा गोंड दूसरी (35%) है तथा तीसरे स्थान पर बैगा है।
- भारत का सबसे बड़ा जनजाति समूह गोंड तथा दूसरे स्थान पर भील है।
- आदिवासी शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग ठक्करबापा ने किया था। इन्हें आदिवासियों का गांधी जी कहते हैं।
- गोंड शब्द की उत्पत्ति तेलगु शब्द के कोण से हुई है जिसका अर्थ पहाड़ी पर रहने वाले लोगों से है।

### (1) गोंड

- यह नर्मदा के दोनों ओर (सतपुड़ा, विन्धालय) पर रहते हैं। इनका संस्कृति केन्द्र/युवा ग्रह घोटुल कहलाता हैं।
- मण्डला की मड़ाई इनका प्रमुख मेला है।
- दुध लौटवा विवाह गोंड में प्रचलित है।

### (2) भील

- धार, झाबुआ, पश्चिमी निमाड़, खरगौन, अलीराजपुर में मुख्यत: निवास करते हैं
- भगौरिया हाट (होली के त्यौहार पर) भीलों का प्रेम पर्व है। यह कट्ठी वाड़ा के भावरा (झाबुआ) में प्रसिद्ध है।
- भीलों में गोलगधेडों नृत्य होता है।
- वे भील जिन्होंने इस्लाम धर्म अपनाया है उन्हें तड़वी भील भी कहते हैं।
- भील गुदना/गुदवाने के शौकीन होते हैं।

### (3) बैगा

- मण्डला, शहडोल, बालाघाट इत्यादि इनके निवास स्थान हैं।
- यह धरती को माँ मानते हैं इसलिये कृषि में हल का उपयोग नहीं करते हैं। ये बेबार नामक झूम कृषि करते हैं।

### (4) कोल

- रीवा, सतना, सीधी

### (5) सहरिया

- शिवपुरी, गुना, ग्वालियर
- शराब, तम्बाकू के कारण दुर्लभ होते हैं।

### (6) भारिया

- जबलपुर, छिन्दवाड़ा तथा पाताल कोट में भी पाये जाते हैं।

### (7) कोरकू

- पूर्वी निमाड़, बैतूल, होशंगाबाद
- यह मेघनाथ का पर्व मानते हैं।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- सर्वाधिक जनजाति वाला जिला झाबुआ है।
- सबसे कम जनजाति वाला जिला भिण्ड है।
- मध्यप्रदेश की तीन विशेष पिछड़ी जनजाति निम्न हैं–
(1) बैगा, (2) भारिया, (3) सहरिया
- देश का पहला आदिवासी संचार केन्द्र झाबुआ में है।
- इंदिरा गाँधी जनजाति विश्व विद्यालय अमरकंटक (अनूपपुर) में है।
- मध्य भारत में सभी आदिवासी समूहों का पर्याप्त प्रतिनिधित्व है।

## अनुसूचित जनजातियों के पर्व

- गोंड सात पर्व–त्यौहार आदि परम्परा के अनुसार मनाते चले आ रहे हैं। 1. बिदरी, 2. बकपंथी, 3. हर जिली, 4. नवाखानी, 5. जवारा, 6. मडई, 7. छेरता
- भीलों के पारम्परिक पर्व गल, भगोरिया नबई, चलावती, चातरा आदि है। भीलों का भगोरिया पर्व सारे विश्व में प्रसिद्ध है। होली के पहले आठ दिनों में लगने वाले हाट भगोरिया हाट और पर्व के होते हैं, जिनमें भील युवक गुलाल लगाते हैं और विवाह बंधन में बँधने के लिए जंगल में भाग जाते हैं। इसलिए उसे भगोरिया पर्व कहा जाता है।
- पर्व–त्यौहारों में कोरकू मुख्यत: चैत्र वैशाख में गुड़ी वैशाख में गुड़ी पड़वा, आखा तीज और देव दशहरा, ज्येष्ठ में डोडबली, श्रावण में जिरोती, भादो में पाला कुंवार में देव–दशहरा, कार्तिक में दीवाली, माघ दशहरा और फाल्गुन में होली मनाते हैं।
- बिदरी पूजा, नवाखानी, जवारा, दीवाली, होली, भारियाओं के प्रिय त्यौहार हैं।
- कोल जनजाति के होली, नवदुर्गा, रामनवमी, तीज और दशहरा प्रिय त्यौहार हैं। जन्म, विवाह संस्कार हिन्दू रीति–रिवाजों की तरह संपन्न होते हैं।
- भारत वर्ष की कुल 425 अनुसूचित जन जातियाँ हैं। मध्य प्रदेश में अनुसूचित जन जातियों की संख्या 46 हैं तथा 5 विशेष प्रकार को पिछड़ी जनजातियाँ (बैगा, अबूझमाड़िया, सहारिया, कमार, बिरझौर) के सर्वांगीण विकास के लिए जिला स्तर पर 14 अभिकरणों का गठन किया गया है।

## मध्यप्रदेश की जनजाति : उत्पत्ति संबंधी मान्यताएँ

**तड़वी भील**–औरंगजेब के समय इस्लाम धर्म अपनाने वाले भील

**हो, कोल व मुण्डा**–कोल समूह की जनजाति है।

**हो**–सिंगबोगा

**उराँव**–धर्मेश (सूर्य) देवता, महादेव पूज्य

**विष्णु भगत उराँव**–कृष्ण पूज्यनीय है

**पनिका**–कबीरपंथी हैं।

**सहरिया**–शबरी (रामायणकालीन) विश्वामित्र, के वंशज भी वाल्मीकि पितृ पुरुष

**कोल**–पृथ्वी पुत्र राजा वेन से, शबरी से उत्पत्ति, गांधार पुत्र से भी उत्पत्ति संबंधि मान्यता है।

**गोंड**–लिंग (बड़ा देव) से उत्पत्ति, महादेव पार्वती पूज्य है, रावणवंशी गोंड।

**कोरकू**–रावण एवं कुत्ता पूज्य है, सावलीगढ़ से उत्पत्ति, मूला व मूलाई पूर्वज है।

**भिम्मा ( मंडला )**–भीम से उत्पत्ति

**बैगा**–नागा बैगा, बैगिन आदि पुरुष है।

भारिया (छिंदवाड़ा) अर्जुन में भर्र घास से उत्पन्न किया (मूल स्थान बाँधवगढ़)

**भील**–महादेव के वंशज वाल्मिकी व एकलव्य के वंशज

**अगरिया**–पितृदेव लोहासुर है।

## मध्यप्रदेश की आदिवासी जनजातियाँ

| जनजाति | उप-जनजाति | निवास स्थल |
|---|---|---|
| 1. गोंड | परधान, अगरिया, ओझा, नगारची, सोलहास | प्रदेश के सभी जिलों में मुख्यत: नर्मदा के दोनों किनारों पर विन्ध्य और सतपुड़ा अंचल में |
| 2. भील | बेरला, भिलाला, पटलिया | धार, झाबुआ, पूर्व निमाड़ |
| 3. बैगा | बिंझवार, नरोतिया, भरोतिया नाहर, रै भैना, काढ़ भैना | मण्डला, बालाघाट |
| 4. केरकू | मोवासीरुमा, नहाला, बवारी, बोडोया | पूर्वी निमाड़, होशंगाबाद, बैतूल, छिंदवाड़ा |
| 5. भारिया | भूमिया, भूईहार, पंडो | छिंदवाड़ा, जबलपुर |
| 6. हल्वा | हल्बी, बस्तारिया | बालाघाट |
| 7. कोल | रोहिया, रौठेस | रीवा, सतना, शहडोल, सीधी |
| 8. माड़िया | अबूझमाड़िया, दण्डामी माड़िया मेटाकोईतूर | छिंदवाड़ा |

## अनुसूचि जाति

- ☞ संविधान के अनुच्छेद 341 में सूचीबद्ध जातियाँ अनुसूचित जातियाँ कहलाती हैं। मध्य प्रदेश में 40 से अधिक जातियाँ हैं जिनमें से कुछ की एक या अधिक उपजातियाँ भी हैं। चमार जाति राज्य की सबसे बड़ी अनुसूचित जाति है, जो वस्तुत: सबसे बड़ा जाति समूह है।
- ☞ सर्वाधिक अनुसूचित जाति उज्जैन जिले में है
- ☞ जनसंख्या में प्रतिशत के हिसाब से अनुसूचित जाति का सर्वाधिक प्रतिशत दतिया में तथा न्यूनतम जनसंख्या प्रतिशत झाबुआ में है।
- ☞ सर्वाधिक अनुसूचित जाति जनसंख्या वाले 5 जिले- उज्जैन, सागर, इन्दौर, छतरपुर मुरैना।
- ☞ सर्वाधिक अनुसूचित जाति के प्रतिशत वाले 5 जिले- दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, शाहपुर।
- ☞ न्यूनतम अनुसूचित जाति के जनसंख्या वाले 5 जिले-उमरिया, झाबुआ, मण्डला, बड़वानी, हरदा।
- ☞ न्यूनतम अनुसूचित, जाति के प्रतिशत वाले 5 जिले-झाबुआ, मण्डला, डिण्डोरी, बड़वानी, धार।

**मध्यप्रदेश संस्कृति**

## मध्यप्रदेश के प्रमुख जनजातीय लोक नृत्य

| नृत्य कला | आदिवासी | विशेषता |
|---|---|---|
| बिलमा बैंगा | | एक ग्राम की लड़कियों तथा दूसरे ग्राम के लड़कों द्वारा घुल-मिलकर किया जाने वाला नृत्य मुड़ियाछेतरा त्यौहारों के समय युवक और युवतियों का नृत्य |
| गवर | सींग माड़िया | आदिम प्रभाव और बनैले जीवन के आखेट दृश्य को प्रतीत करने वाला नृत्य सामान्यत: दो दलों में बाँटकर लड़कियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य निमाड़ के बंजारेदशहरा के अवसर पर होने वाला नृत्य |
| गरबा | | निमाजा के बंजारेदशहरा के अवसर पर होने वाला नृत्य |
| डाण्डिया बिनकी | भोपाल के कृषक | बंजारों के डाण्डिया नृत्य के समान |
| दादर | बुन्देलखण्ड | उत्सव सम्बन्धी नृत्य |
| गोंचों | गोंड | वर्षा हेतु आनुष्ठानिक नृत्य |
| मटकी | मालवा | सिर पर मटकी रखकर स्त्री द्वारा किया जाने वाला नृत्य |
| सुआ | मैकाल श्रेणी | लालित्य एवं लावण्य के लिए प्रसिद्ध समूह में स्त्रियों द्वारा किया जाने वाला नृत्य है। |
| करमा | मण्डला | वर्षा ऋतु के प्रारम्भ तथा समाप्ति पर किया जाने वाला नृत्य |
| भड़म नृत्य | भारिया | विवाह के अवसर पर और सैतम नृत्य |
| गोंडी | गोंड | फसल/बीज बोते समय सामूहिक नृत्य किया जाता है। |
| गोंचों | गोंड | दीपावली के तुरन्त बाद होने वाला स्त्री नृत्य |
| गेंडी | गोंड | पाँवों में धोड़िया फंसाकर किया जाने वाला नृत्य ग्वालियरदीपावली के पश्चात् प्रति रात्रि मेघनाद स्तम्भ के पास इसी की स्मृति में |
| दुल-दुल | सहारिया | ग्वालियर, गुना, शिवपुरी, पर्व |
| घोड़ी | जनजाति | त्यौहार, विवाह |
| लहँगी | सहारिया | रक्षाबन्धन के दूसरे दिन भुजारियों का त्यौहार मनाया जाता है |
| कोल-दहरा नृत्य | कोल | बघेलखण्ड में कोल स्त्री-पुरुष द्वारा किया जाने वाला नृत्य |
| थापटी नृत्य | कारकू जनजाति | स्त्री-पुरुषों द्वारा वैशाख महीने में पर्व त्यौहारों पर |
| भगोरिया | भील | होली के आठ दिन पूर्व पड़ने वाले हाट-बाजारों में इकट्ठे होकर नृत्य करते हैं। |
| परधोनी | नृत्य बैगा | बारात की अगवानी के समय खटिया, सूप, कम्बल से हाथी बनाकर नचाया जाता है। |
| सैल नृत्य | गोंड, बैगा, परधान | यह शरद् पूर्णिमा से शुरू होता है। स्त्री-पुरुष दोनों नृत्य करते |

# मध्य प्रदेश की कला एवं संस्कृति

## लोक गीत

- **पण्डवानी**—इससे महाभारत की कथा को लोकगायन के द्वारा ढाला गया है। मुख्यत: यह पाण्डवों की कथा हैं।
- **बांस गीत**—इसमें लोकगाथा बांस को बजाकर गाई जाती है। इसमें गायक रागी और वादक प्रमुख होते हैं। रागी हुकांरी भरता हैं और वादक बांस बजाता है।
- **ढोला मारू-ढोला मारू मुख्यत**—राजस्थान की लोकगाथा है, जो ब्रज, मालवा, निमाड़, आदि क्षेत्रों में अनेक शैलियों में गाई जाती हैं। यह एक प्रेम गाथा है।
- **गोटुल बाटा**—गोटुब बाटा मृत्यु के अवसर पर गाये जाने वाला मृत्यु गीत है।
- **निमाड़ी लोकगीत**—निमाड़ में अनेक तरह के लोकगीत गाए जाते हैं।
- **कलगी-तुर्रा**—यह एक प्राचीन लोकगायिका है। कलगी-तुर्रा एक गायन प्रतियोगिता है।
- **सन्त सिंगाजी भजन**—सन्त सिंगाजी निर्गुणी सन्त-कवियों से सबसे अग्रणी हैं। सम्पूर्ण निमाड़ क्षेत्र में उनके पद गायन की एक अलग शैली है।
- **भरथरी**—भरथरी एक लोकगाथा है, जिसे मध्य प्रदेश में योगियों के द्वारा सारंगी या एक तारा पर गाते हुए अक्सर देखा जा सकता हैं सूरज बाई खाण्डे भरथरी की एक शीर्ष गायिका हैं।
- **मालवी लोकगीत**—मालवा में पुंसवन, जन्म, मुंडन, जनेऊ, सगाई-विवाह के अवसर पर पारम्परिक लोकगीत गलाने की प्रथा है। मालवा में नाथ सम्प्रदाय में लोग चिकारा पर भाथरी में कथा गायन करते हैं।
- **बघेली लोकगीत**—बघेलखण्ड में भी कई प्रकार के लोकगीतों का प्रचलन है। चूँकि बघेली बोली अवधीन से प्रभावित है, इसलिए, इनमें मूल स्वर तीव्र होता है। बसदेवा बघेलखण्ड की एक पारम्परिक गायक जाति है जिन्हें 'जिन्हें हरबोले' कहा जाता है।
- **बुन्देली लोकगीत**—शौर्य एवं शृंगार की धरती बुन्देलखण्ड क्षेत्र में गाया जाने वाला गीत है। यह लोक कवि जगनिक के द्वारा लिखा वीर रस काव्य है।

## लोकनृत्य

- **राई ( बुन्देलखण्डी )**—राई में आवेग, जीवन्तता, तीव्र गति और लोक संगीत का अदभुत मेल है। राई के विराम में स्वांग का आयोजन होता है।
- **राई नृत्य ( बघेलखण्डी )**—बघेलखण्ड में भी राई नृत्य का प्रचलन है। दोनों की राई में बेहद अन्तर है बुन्देलखण्ड में जहां बेढ़नी और मृदंग पर यह नृत्य किया जाता है, वहीं बघेलखण्ड में यह ढोलक और नगड़िया पर गाई-बजाई जाती है। इसमें पुरुष धोती, बाना, साफा धारण कर नाचते हैं। राई नृत्य शृंगार पूरक होते हैं।
- **मटकी नृत्य**—विभिन्न अवसरों पर मालवा के गावों में स्त्रियों द्वारा मटकी नाच का आयोजन होता है।
- **सौला नृत्य**—आदि देव को प्रसन्न करने के लिए हाथ में सवा हाथ का डण्डा लिए यह नृत्य किया जाता है। यह करमा, सौला, गोंड जनजाति का लोकप्रिय नृत्य है।
- **घसिया नृत्य**—घासी जनजाति द्वारा किए जाने वाला यह नृत्य अत्यन्त प्रसिद्ध है। नृत्य के साथ नृत्य के समय दो वादक या वादकों का दल अपने नृत्य कौशल के साथ नृत्य प्रतिस्पर्धा में विपक्षी के वाद्य को फोड़ने की कोशिश करता है।
- **करमा नृत्य**—यह नृत्य मुख्यत: कर्म का प्रतीक है, जो विजयदशमी से लेकर लगातार वर्ष के प्रारम्भ होने तक चलता है।
- **गणगौर**—गणगौर निमाड़ी जन-जीवन का नीति काव्य है।
- **सैरा नृत्य**—बुन्देलखण्ड के ग्रामवासी श्रावण माह में मेघों के आने पर अपनी हरी-भरी जमीनों को देखकर सैरा नृत्य करते हैं।
- **बायर नृत्य**—बायर नृत्य कंवर और गोंड जनजाति के अलावा रजवार और अन्य जातियों द्वारा भी किया जाता है। मूलत: यह आदिवासी नृत्य है।
- **भड़म नृत्य**—विवाह के अवसर पर किया जाने वाली यह नृत्य भरियाओं का सर्वाधिक लोकप्रिय नृत्य है। यह एक समूह नृत्य है।
- **कानड़ा नृत्य**—बुन्देलखण्ड में यह पारम्परिक नृत्य धोबी समाज के लोग करते हैं।
- **दादर नृत्य**—दादर नृत्य बघेलखण्ड की प्रसिद्ध नृत्य है। दावर गीत अधिकांशत पुरुषों द्वारा खुशी के अवसर पर गाये जाते हैं।
- **कलसा नृत्य**—अहीरों, गुड़ता, गडरियों में बारात की अगवानी में सिर पर कलश रखकर नाचने की परम्परा समान रूप से प्रचलित हैं।
- **ढिमरयाई नृत्य**—ढिमरयाई लोकनृत्य बुन्देलखण्ड के ग्रामीण अंचल में अधिक प्रचलित है। ढीमर जाति लोग यह नृत्य करते हैं।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

## लोक नाट्य

- **माच**–भारत की लोकधर्मी नाट्य परम्परा में 'माच' एक महत्वपूर्ण रंगरूप है। मालवा का यह मुक्ताकाशी लोकमंच लगभग दो सौ वर्षों से लोकानुरंजन का सशक्त माध्यम रहा है।
- **अखाड़ा**–बुन्देलखण्ड में व्यायाम, शारीरिक करतब और देहशक्ति मूलक कार्य व्यायाम अखाड़ों से सम्बद्ध हैं। बाद में इसमें शस्त्र कौशल की परम्परा भी जुड़ गई है। विजयदशमी पर शस्त्र पूजा एक स्वीकृत परम्परा है।
- **निमाड़ी गम्मत**–गम्मत लोक नाट्य का पर्यायवाची शब्द है। निमाड़न में यह अत्यधिक प्रसिद्ध है।
- **बुन्देली लोक नाट्य-स्वांग**–लोक नाट्यों में स्वांग सर्वाधिक प्रचलित एवं जनप्रिय रूप है, जो प्राय: अंचल के हर गांव-कस्बे में समूह नृत्य के रूप में फसल काटने के समय अथवा शादी-ब्याह और जन्मात्सवों पर प्रदर्शित होता है- स्वांग मुख्यत: हास्य नाटक है। जिसमें सामाजिक बुराईयों पर चोट की जाती है।
- **रास**–राधा-कृष्ण और गोपियों के नाना प्रसंगों को लेकर कृष्ण लीला बघेलखण्ड के गावों में की जाती है।
- **छाहुर**–दीपावली से गोप अष्टमी तक अहीर, तेली, कुम्हार जाति के लोग छाहुर को आयोजन करते है। चार-छ: लोग मिलकर नाट्य करते हैं।
- **नौटंकी**–नौटंकी के कथानकों पर विचार किया जाए, तो यह स्पष्ट होता है कि इसका क्षेत्र धार्मिक, पैराणिक एवं प्रेमलीला पूर्ण आख्यानों तक ही सीमित रहा। नौटंकी प्राचीन लोकनाट्य शैली है। शैली के लिए ध्रुव मोरध्वज, गोपीचन्द्र, पूरनभक्त आदि नाटकीय चरित्रों की रचना हुई।
- **हिंगोला**–हिंगोला एक मंच रहित सीधा और सरल नाट्य रूप है। दो दलों में गीतों की झार 'नोकझोंक' मचती है।
- **भवाई**–भवाई साधारण स्तर का लोकनाट्य हैं। मध्य प्रदेश झाबुआ के आस-पास के क्षेत्र में लोक नाट्य का एक रूप, जो मुख्यत: गुजरात में प्रचलित है।
- **रामलीला**–यह रामकाव्य पर आधारित लोक नाट्य का प्रचलित रूप है। मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में रामलीला विशेषत: सितम्बर-अक्टूबर में सम्पूर्ण रामचरित मानस के पाठों के आधार पर रामजन्म से लेकर रावण पराजय तथा राम के राज्याभिषेक तक नाटकीय रूप से रंगमंच पर मंचित की जाती है।
- **खम्भ स्वांग**–खम्भ स्वांग से तात्पर्य है। खम्भे के आस-पास किया जाने वाला नाटक। यह नाटक कोरकू जनजातियों द्वारा किया जाता है। प्रत्येक कोरकू गांव के मध्य एक खम्भा होता है। जिसे मेघनाद खम्भ कहा जाता है।

## लोक चित्रकला

- **रंगोली**–विभिन्न प्रदेशों में विभिन्न नामों से पहचानी जाने वाली रंगोली हिन्दू मानस के त्यौहारों को एक विशिष्टता प्रदान करती है।
- **लीला-गुदवाने**–शरीर पर देवी-देवता, कोई नाम या आकृति गुदवाने की कला भी मध्य प्रदेश में प्रचलित है।
- **सांझी**–अविवाहित कन्या द्वारा गोबर से अनेक आकृतियां बनाई जाती है। जिन्हें बाद में दीवार पर सजाया जाता है।
- **मण्डाना**–मण्डाना मूलत: राजस्थान की शैली है, परन्तु मध्य प्रदेश की खड़िया तथा लाल भूरे और हरे रंग से चित्रित किया जाता है।
- **निमाड़ी**–निमाड़ में लोक चित्रों की लम्बी परम्परा है। निमाड़ी लोक चित्रों की रंग रेखाएं और आकृतियों उस काल में गृहा चित्रों से बहुत कुछ मिलती है।
- **मालवी**–मालवा में दो तरह की लोक चित्र परम्परा है। एक पर्व-त्यौहारों विशेष पर बनाई जाने वाली तथा दूसरी, व्यापारिक रूप से तैयार की जाने वाली विकसित लोक चित्रकला।
- **बुन्देली**–इस क्षेत्र में मुख्यत: सौन्दर्य व शुद्ध को चित्रकला के माध्यम से उकेरा गया है। यहां पर चौक पूरने का रिवाज प्रत्येक शुभ अवसर पर होता है।
- **बघेली**–बघेलखण्ड में कोल, बैगा, गोंड जनजातियों की बहुलता लोक समुदायों का आत्मीय तादात्मय है। विभिन्न जातियों और जनजातियों के भिन्न-भिन्न संस्कारों, रीति-रिवाज और परम्पराओं से बघेलखण्ड की संस्कृति विविधवर्णी हो गई है।

## शिल्प कला

- **बैतूल-मण्डला**–बैतूल कोरकू, गोंड प्रधान क्षेत्र है। मण्डला में गोंड और बैगा जनजाति के लोग निवास करते हैं बैतूल के कुम्हार पर्व-त्यौहारों पर विभिन्न प्रकार के ठोस और पोले मृणशिल्प बनाते हैं। बैतूल-मण्डला अंचल में खपरेल, मूर्तियां और विभिन्न प्रकार के मिट्टी के मुखैटों की प्रथा है।
- **रीवा शहडोल**–पर्व-त्यौहारों पर मिट्टी से विभिन्न खिलौनों का निर्माण रीवा और शहडोल में किया जाता है।
- **धार-झाबुआ: धार**–झाबुआ में विभिन्न त्यौहारों पर मिट्टी के छोटे-छोटे खिलौने, दीपलक्ष्मी, गवलन आदि बनाए जाते हैं। झाबुआ-आलीराजपुर में मिट्टी शिल्पकला बहुत पुरानी परम्परा है।

# मध्य प्रदेश के पर्व और उत्सव

- **रसनवा**—यह पूर्व मण्डला जिले के बैगाओं द्वारा आदि पुरुष 'नंगा बैगा' की स्मृति में मनाया जाता है। इस पर्व में बैगा लोग नवें दिन मधुमक्खियों की पूजा करते हैं।
- **भैय्या दूज**—यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है। एक बार होली के बाद तथा दूसरी बार दीपावली के बाद।
- **घड़ल्ला**—'घड़ल्ला' नौरता के साथ-साथ ही मनाया जाता है। इस अवसर पर लड़कियां सामूहिक रूप से एकत्रित होती हैं।
- इसी तरह का एक पर्व अविवाहित युवकों द्वारा भी मनाया जाता है, जिसे 'छला' कहते है।
- **सुआटा**—बुन्देलखण्ड का 'सुआटा' पर्व मालवा के घड़ल्ला की तरह ही है। सुआटा त्यौहार पर दीवार में लगे एक चबूतरे पर राक्षस की प्रतिमा बैठाई जाती है। राक्षस के सिर पर शिव-पार्वती की प्रतिमाएं रखी जाती हैं। दीवार पर सूर्य और चन्द्र बनाए जाते हैं। इसके पश्चात् लड़कियां पूजा करती और गीत गाती है।
- **संजा व मामूलिया**—यह पर्व अविवाहित युवतियों द्वारा मनाया जाता है, जो अश्विन माह में 16 दिन तक चलता है। इसके अन्तर्गत नवयुवतियां अपने घरों की दीवारों पर गोबर की विभिन्न आकृति बनाती है।
- **मेघनाद**—मेघनाद गोंडों का प्रमुख त्यौहार है। यह पर्व फाल्गुन के पहले पक्ष में मनाया जाता है।
- **लारुकाज**—मेघनाद गोंडों का प्रमुख त्यौहार है। यह पर्व फाल्गुन के पहले पक्ष में मनाया जाता है।
- **लारुकाज**—यह भी गोंडों का प्रमुख पर्व है। यह पर्व सुअर के विवाह का प्रतीक है।
- **भगोदिया**—यह पर्व झाबुआ जिले में मनाया जाता है। होली के अवसर पर किसी निश्चित दिन साप्ताहिक हाट को एकत्रित होकर मेला लगाना तय करते है। जिसे भागोरिया दिवस कहा जाता है।
- इस अवसर पर भील युवक अपनी मनचाही नवयुवती के माथे पर गुलाल लगाकर स्पष्ट कर देता है। कि वह विवाह हेतु तैयार है।

## मुख्य उत्सव/महोत्सव एवं समारोह

| मुख्य उत्सव | स्थान | मुख्य उत्सव | स्थान |
|---|---|---|---|
| नृत्य उत्सव | खजुराहो | पं. बालकृष्ण शर्मा "नवीन" समारोह | भोपाल |
| अखिल भारतीय | उज्जैन | राजशेखर समारोह | भोपाल |
| कालीदास समारोह तानसेन संगीत समारोह | ग्वालियर | लोकरंग समारोह | भोपाल |
| ध्रुपद संगीत समारोह | भोपाल | पं. कुमार गंधर्व समारोह | देवास |
| उल्लाउद्दीन खां संगीत समारोह | मैहर, सतना | पदमाकार समारोह | देवास |
| अमीर खां उत्सव | इन्दौर | भोज समारोह | धार |
| राष्ट्रीय हिन्दी नाट्य समारोह | भोपाल | शंकर समारोह कबीर समारोह | कई स्थानों पर |
| पचमढ़ी उत्सव | पचमढ़ी | | |
| माण्डू उत्सव | माण्डू | राष्ट्रीय अलंकरण समारोह | भोपाल |
| ओरछा उत्सव | ओरछा | मध्य प्रदेश संगीत समारोह | |
| केशव जयन्ती समारोह | ओरछा | निमाड़ उत्सव | माहेश्वर |
| अलाउद्दीन खां व्याख्यान मेला | भोपाल | सुभद्रा कुमारी चौहान समारोह | भोपाल |
| मुक्ति बोध समारोह | भिण्ड | फिल्म फैक्ट्रीवल | भोपाल |
| भवभूति समारोह | ग्वालियर | मुंगलाचरण समारोह | भोपाल |
| माखनलाल चतुर्वेदी समारोह | जबलपुर | पुस्तक मेले | विभिन्न शहरों में |
| मालवा उत्सव | उज्जैन | रामलीला उत्सव | सम्पूर्ण म. प्रदेश |
| लता मंगेशकर समारोह | इन्दौर | | |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

# प्राचीन गुफाएं

## उदयगिरि की गुफाएं

☞ मध्य प्रदेश की विदिशा जिले में भेलसा के निकट उदयगिरि की बीस गुफाएं हैं। अराल में पत्थरों को खोदकर इन गुफाओं का निर्माण किया गया है।

☞ इन गुफाओं में गुफा नं. 1 व 20 जैन धर्म से सम्बद्ध की कहानी पर आधारित है। उदयगिरि की गुफाएं ईसा के बाद चौथी और पांचवी शताब्दी की है।

## भर्तृहरिगुफाएं

☞ उज्जैन से 12 किलोमीटर कालियादह महल की और भर्तृहरि गुफाएं है। इन गुफाओं की कुल संख्या 9 है जिनमें से 4 खण्डित हो चुकी हैं। अब पांच गुफाएं शेष हैं।

## बाघ की गुफाएं

☞ माण्डू से 125 किमी और धार से 97 और इन्दौर से 154 किमी दूर स्थित बाघ की गुफाएं विन्ध्याचल की पहाड़ियों में स्थित हैं।

☞ बाघ की गुफाएं अजन्ता की गुफाओं के समान कलापूर्ण भित्ति-चित्रों से युक्त हैं। इन्हें बौद्ध चित्रण के प्राण कहा जाता है।

## भीमबेटका की गुफाएं

☞ भोपाल से 46 किलोमीटर दूर भीमबेटका लगभग 500 प्रागैतिहासिक गुफाओं को 'युनेस्को' ने विश्व धरोहर की सूची में शामिल किया है।

# मध्य प्रदेश के प्रमुख मेले

| मेले का नाम | आयोजन स्थल |
|---|---|
| कालका मन्दिर मेला | धार |
| पीरबुधान का मेला | सांबरा (शिवपुरी) |
| चामुण्डा माता मेला | देवास |
| धामोनी उर्स | धमोनी (सागर) |
| नवग्रह मेला | खरगौन |
| चांदी देवी का मेला | भोघरा (सीधी) |
| सनकुआ मेला | दतिया सेवढ़ा |
| शिवरात्रि मेला | पचमढ़ी |
| तेजाजी का मेला | सानावद गांव (गुना) |
| कार्तिक का मेला | उज्जैन |
| सिंगाजी का मेला | पिपल्या खरगौन |
| बलदाकजी का मेला | पन्ना |
| कुम्भ मेला (सिंहस्थ) | उज्जैन |
| रामलीला | भाण्डेर (दतिया) |
| महामृत्युंजय का मेला | रीवा |
| रामजी बाबा का मेला | गाडरवारा (नरसिंहपुर) |
| बाबा शहाबुद्दीन औलिया का उर्स | नीमच |
| जल बिहारी का मेला | छतरपुर |
| अमरकण्टक का शिव रात्रि मेला | अमरकष्टक (शहडोल) |
| नागाजी का मेला | फोरसा गांव (मुरैना) |
| माघ घोघरा का मेला | भौराघान (सिवनी) |
| मान्धाता का मेला | मान्धाता (ओंकारेश्वर) |
| जोंगेश्वसवरी देवी का मेला | चांदेरी (गुना) |
| गरीबनाथ बाबा का मेला | अवन्तीपुर बड़ोदिया (शाजापुर) |

| | |
|---|---|
| त्रिवेणी मेला | रतलाम |
| हीरा भूमिया का मेला | ग्वालियर गुना |
| शहीद मेला | सनावद |
| कालूजी महाराज का मेला | पिप्लयाखुर्द खरगौन |
| धर्म राजेश्वर मेला | मन्दसौर |
| काना बाबा का मेला | सौदालपुर |

## मध्य प्रदेश के प्रमुख स्थल

**खजुराहो** – छतरपुर जिले में है। मंदिरों के निर्माण की अवधि 950 ई. से 1050 ई.
– चन्देल शासकों ने बनवाया। यहाँ के मुख्य मंदिर निम्न हैं।
– कन्दारिया महादेव, 64 योगनी, चतुर्भुज मंदिर, चित्रगुप्त सर्वाधिक कला कन्दारिया महादेव मंदिर मे है।

**पचमढ़ी** – होशंगाबाद जिले में है। मध्य प्रदेश का एक मात्र हिल स्टेशन है।
– पंचमढ़ी की सबसे ऊंची चोटी 1350 मी. धूपगढ़ है।
– अप्सरा, बिहार, जटा शंकर, पांडव गुफा, इत्यादि प्रसिद्ध हैं।

**पशुपतिनाथ** – मंदसौर जिले में है। यह मंदिर काठमाण्डूशैली से बना हुआ है।

**पिताम्बर पीठ** – दतिया जिले में है। यह एक शक्ति पीठ है।

**माण्डु** – यह धार जिले में है। जो अनेक हिंदू एवं मुस्लिम शासकों की कर्मस्थली रहा है।
– इसे सिटी ऑफ ज्वाय कहते हैं। यहाँ पर नीलकण्ठ मंदिर है।
– यहाँ पर जहाज महल, हिंडोला महल, असरफी महल प्रसिद्ध हैं।
– हुशंगशाह का मकबरा भी यहीं पर है बाज बहादुर, रानी रूपमती के लिये प्रसिद्ध है।

**भेड़ाघाट** – जबलपुर जिले में हैं। यहाँ संगमरमर पत्थर के लिये प्रसिद्ध है।
– भ्रंग ऋषि की तपस्या की स्थली है। बंदर कुदनी और 64 योगनी मंदिर है।

**चित्रकूट** – सतना जिले में है। दण्ड कारण्ड क्षेत्र में है।
– यहां ब्रह्मा, विष्णु, महेश ने बाल अवतार लिया था।
– तुलसीदास, अब्दुल रहीम खान खाना के लिये भी प्रसिद्ध है।
– यह स्थल उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित है और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थल है। गधों का मेला लगता है।

**मैहर** – सतना जिले में है।
– उस्ताद अलाउद्दीन खाँ (संगीतज्ञ) और माता शारदा मंदिर के लिये प्रसिद्ध है।

**अमरकंटक** – मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले की पुष्प राजगढ़ तहसील के दक्षिणी-पूर्वी भाग में मैकाल की पहाड़ियों में स्थित अमरकंटक भारत में पवित्र तीर्थ स्थलों में से एक है। यहीं से पवित्र नर्मदा एवं सोन नदी का उदगम होता है।

**सांची:** – भोपाल से सड़क द्वारा मात्र 46 किमी दूर है। यह विश्वविख्यात बौद्ध तीर्थ स्थल के रूप में जाना जाता है। सांची में तीन स्तूप है। जो अत्यन्त सुन्दर एवं प्राचीन है।
– इन स्तूपों का निर्माण सम्राट अशोक ने बौद्ध धर्म की दीक्षा लेने के पश्चात् ईसा से तीन शताब्दी पूर्व कराया था। यहां बौद्ध विश्व विद्यालय का शिलान्यास किया जा चुका है।

**मुक्तागिरि** – बैतूल जिले में मुक्तागिरि जैनियों का पवित्र तीर्थस्थल है। यहां 52 मन्दिर हैं। कुछ मन्दिर चट्टानों के अन्दर बने हैं।

**उज्जैन** – पवित्र क्षिप्रा नदी के तट पर बसा उज्जैन नगर प्राचीन काल से ही एक धार्मिक स्थल रहा है।
– जिसे धार्मिक राजधानी का दर्जा प्राप्त है। यहां अनेक मन्दिर हैं, किन्तु महाकालेश्वर का मन्दिर सर्वश्रेष्ठ है। यहां हर बारह वर्ष बाद 'कुम्भ का मेला' लगता है।

**ओंकारेश्वर** – नर्मदा नदी के तट पर ओंकारेश्वर महादेव



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

का मन्दिर अवस्थित है।
- मन्दिर मध्यकालीन ब्राह्माण शैली में बना ओंकार-मान्धाता का सुन्दर मन्दिर है। और देश के सुप्रसिद्ध 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

**महेश्वर** - नर्मदा के किनारे प्राकृतिक सौन्दर्य से परिपूर्ण महेश्वर नगर स्थित है। इसका प्राचीन नाम महिष्मती हैं जो हैहयवंश का प्रशासन केन्द्र था। 19वीं शती में महारानी अहिल्याबाई ने इसी अपनी राजधानी बनाकर यहां सुन्दर किला और मनोहर घाट बनवाए।

**बावनगजा** - बावनगजा प्रमुख जैन स्थल है। इन पहाड़ियों में 15वीं शताब्दी की 72 फीट ऊंची जैन मूर्ति है। जो यहां के आकर्षण का मुख्य केन्द्र है।

**सोनागिरि का मन्दिर** - दतिया से लगभग 15 किलोमीटर दूर पहाड़ियों पर 108 मन्दिर है।

**विदिशा** - विदिशा भोपाल से लगभग 52 किलोमीटर दूर है। प्राचीन काल में इसका नाम हामालिस्तान या मेवसा था। यहां हिन्दू, जैन तथा बौद्ध धर्मों के अनेक स्थल हैं।

**पीताम्बरा पीठ** - दतिया में स्थित यह पीठ पूज्यपाद स्वामी जी महाराज द्वारा स्थापित एक पूर्ण शक्तिपीठ है।

## मध्य प्रदेश में प्राचीन स्मारक (समाधि एवं मकबरे)

### तानसेन का मकबरा

☞ प्रसिद्ध संगीतज्ञ तानसेन रामतनु पाण्डे एक ब्राह्मण के कुल में पैदा हुए थे। वे बचपन में हकलाते थे। मुहम्मद गौस नामक एक पीर सन्त में अपनी जीभ उनकी जीभ से छुलाकर उनकी हकलाहट दूर की थी जिस कारण वे मुसलमान बन गए और मियां तानसेन के नाम से प्रख्यात हुए। 55 वर्ग मीटर क्षेत्र में ग्वालियर में तानसेन का मकबरा बना है जो मुगलकाल की कला का एक मन्दिर नमूना हैं।

### महारानी सांख्यराजे सिन्धिया की समाधि

☞ शिवपुरी में सांख्य सागर के निकट महारानी सांख्यराज सिन्धियां की समाधि है। जिसका निर्माण महारानी के पुत्र महाराज माधव राज सिन्धियसा ने कराया था।

### मुहम्मद गौस का मकबरा

☞ मुहम्मद गौस बाबर और अकबर के गुरू थे और पीर समझे जाते थे। ग्वालियर दुर्ग के बाहर उनका मकबरा है।

### रानी दुर्गावती की समाधि

☞ जबलपुर से 17 किमी दूर बरेला ग्राम में रानी दुर्गावती की समाधि है।

### तात्या टोपे की समाधि

☞ वीर स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी तात्या टोपे को अंग्रेजों द्वारा शिवपुरी के समीप फांसी पर लटकाया गया था। अत: यहीं जाधव सागर के समीप उनकी समाधि बनाई गई है।

### रानी अवन्तीबाई की समाधि

☞ 1857 की क्रान्ति में रामगढ़ (मण्डला) की रानी ने बड़े साहस और शोय का परिचय दिया था।

## मध्यप्रदेश के राजसी महल

### गूजरी महल

☞ गूजरी महल ग्वायिलर के दुर्ग में है। इसका निर्माण ग्वालियर के प्रख्यातक राजा मानसिंह तोमर ने 1486-1516 के मध्य अपनी प्रेमिका 'मृगनयनी' (जो गूजरी जाति की थी) के लिए कराया था।

### मोती महल (ग्वालियर)

☞ ग्वालियर नगर में ग्वालियर के राजा जीवाजी राव का सुन्दर एवं कलात्मक राजमहल था।

### जय विलास

☞ ग्वालियर नगर में जीवाजी राव सिन्धिया का निवास जय विलास राजमहल कहलाता है।

### मोती महल (मण्डला)

☞ मण्डला से लगभग 16 किमी दूर रामनगर के सघन जंगल में 25 मीटर की ऊंचाई पर 65 मीटर लम्बा और 61 मीटर चौड़ा आयताकार महल बना है जिसे मोती महल कहते है।

### बघेलिन महल-

- मोती महल के पूर्व में 3 किलोमीटर दूर नर्मदा के किनारे एक रमणीक स्थल पर बघेलिन महल बना है। यह पर्यटकों का मुख्य केन्द्र है।

### मदन महल

- मदन महल जबलपुर नगर में एक विशाल पहाड़ी पर स्थित है। इसे गोंड राजा मदन शाह ने 1200 ई. में बनवाया था। यह उनका राज प्रसाद था।

### खरबूजा महल

- धार के किले में एक पुरानी जीर्ण-शीर्ण अवस्था में इमारत है, जिसे खरबूजा महल कहते हैं। इस महल के ऊपर से देखने से सारा नगर दिखाई देता है।

### राजा रोहित का महल

- राजा राजवंसती द्वारा निर्मित महल है। रायसेन दुर्ग में स्थित है।

### बादल महल

- रायसेन दुर्ग में राजा राजवंसती ने रायसेन दुर्ग में सोलहवीं शताब्दी में बनवाया था।

### इत्रदार महल

- यह महल भी रायसेन दुर्ग में स्थित है।

### हवा महल/नौखण्डा महल

- चन्देरी के किले में प्रतिहार राजा कीर्तिपाल ने इस महल को 11वीं शताब्दी में बनवाया था।

### जहांगीर महल

- जहांगीर ने अपनी विश्राम के लिए ओरछा के दुर्ग में एक सुन्दर महल बनवाया था।

### दाई का महल

- माण्डू में ही सागर तालाब के किनारे दाई का महल बना है।

### राजमन्दिर

- बेतवा नदी के द्वीप में राजा वीरसिंह जुदेव ने एक विशाल महल बनवाया था, जो सुन्दर व कलात्मक था। इसके खण्डहर ओरछा दुर्ग के निकट विद्यमान है।

### राजा अमन का महल

- अजयगढ़ दुर्ग में राजा अजयपाल ने अठारहवीं शताब्दी में यह महल बनवाया था।

### अशरफी महल

- यह महल माण्डू की प्रमुख इमारत है। यह महल कटोरी की भांति बना है। आगरा का ताजमहल बनवाने में पूर्व बादशाह शाहजहाँ ने अपने कारीगरों को यहां कला का अध्ययन करने भेजा था। यह अफगानों की कला का सबसे सुन्दर नमूना है।

### रानी रूपमती का महल

- माण्डू से 3 किलोमीटर रेवाकुण्ड झील है। रानी रूपमती ने इस झील को चौड़ा कराया था और एक महल भी बनवाया था। यहीं से बाज बहादुर के महल को पानी जाता था।

## मध्यप्रदेश के प्रमुख दुर्ग/किले

### ग्वालियर दुर्ग

- इसे भारत के 'किलों का रत्न' या 'भारत के किलों का सिरमौर' या भारत का जिब्राल्टर कहते है। इस दुर्ग का निर्माण 525 ई. में राजा सूरजसेन ने करवाया था।

### धार का किला

- मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग में हैं, एक छोटी पहाड़ी पर यह किला स्थित है।
- इसका पुनर्निर्माण 1344 ई. में सुल्तान मोहम्मद तुगलक ने अपनी दक्षिण विजय के दौरान देवगिरी जाते समय यहां ठहरने के उद्देश्य से कराया था।

### असीरगढ़ का किला

- इस किले का निर्माण आसा नाम के एक अहीर राजा ने करवाया था।
- अकबर ने अपना अंतिम अभियान किया था। इसे अभेद किला भी कहते हैं।

### चन्देरी का किला

- ललितपुर (उ.प्र.) से 34 कि.मी. दूर बेतवा नदी के किनारे अवस्थित है। यहां पर जौहर कुण्ड, खूनी दरवाजा, हवा महल, नौखण्डा महल प्रसिद्ध है।
- चन्देरी के किले का निर्माण प्रतिहार नरेश कीर्तिपाल ने 11वीं शताब्दी में कराया था।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

☞ 1528 ई. में बाबर ने चन्देरी का युद्ध मेंदनी राय से किया था तथा राजपूतों के सिर से मिनार का निर्माण करवाया था।

**गिन्नौरगढ़ का दुर्गः**

☞ भोपाल से 60 किमी दूर गिन्नौर है, जहाँ 390 मीटर लम्बी और 50 मीटर चौड़ी पहाड़ी पर एक किला बना है। यहां पर तोते अधिक पाये जाते हैं।

☞ इसका निर्माण तेरहवीं शताब्दी में महाराजा उदयवर्मन ने करवाया था।

**रायसेन का दुर्गः**

☞ भोपाल से 46 किमी रायसेन स्थित है। यहीं एक पहाड़ी के शिखर पर रायसेन का दुर्ग सोलहवीं शताब्दी में गोंड शासक राजा राजवसंती ने बनवाया था।

☞ इस दुर्ग में तीन राजमहल-बादलमहल, राजा रोहित महल और इत्रदार महल है।

**बांधोगढ़ः**

☞ उमरिया स्टेशन से 30 किमी दूर स्थित है। 14वीं शताब्दी में इस किले का निर्माण किया गया था।

**अजयगढ़**

☞ पन्ना नगर से 34 किमी दूर उत्तर में अजयगढ़ एक छोटा नगर है, जहाँ एक विशाल, सुदृढ़ एवं दुर्गम किला है, जिसका निर्माण राजा अजयपाल ने कराया था।

**ओरछा दुर्गः**

☞ झांसी से आगे स्टेशन ओरछा है। जिनमें चतुर्भुज मन्दिर, राम मन्दिर तथा लक्ष्मीनारायण मन्दिर बुन्देला नरेशों की कला-प्रियता के प्रतीक हैं। निर्माण वीरसिंह बुन्देला ने करवाया था।

**मण्डला का दुर्ग :**

☞ जबलपुर से 96 किमी दूर महिष्यति नामक प्राचीन नगर है, जिसे वर्तमान में मण्डला कहते है।

☞ इस दुर्ग को नर्मदा नदी तीनों ओर से घेरे हुए है। निर्माण गोंड शासक नरेन्द्र शाह ने करवाया था।

**मन्दसौर का किला-**

☞ मध्य प्रदेश के उत्तर-पश्चिमी भाग में शिबना नदी के किनारे मन्दसौर स्थित है। इसे प्राचीनकाल में दशपुर भी कहते थे।

☞ नगर के पूर्वी भाग में 14वीं शताब्दी में अलाउद्दीन खिलजी ने एक किले का निर्माण कराया था जिसे मन्दसौर का किला कहते हैं।

**नरवर का किला**

☞ शिवपुरी से उत्तर में 19 किमी दूर नरवर स्थित है। यही एक सुदृढ़ पहाड़ी दुर्ग है, जो नल की राजधानी था। राजा नल और दमयन्ती की प्रणय-कथाएं विख्यात है। निर्माण राजा नल ने करवाया था

**दतियसा का किला**

☞ इस किले का निर्माण बुन्देलखण्ड नरेश वीरसिंह जूदेव ने 1626 ई. में कराया था।

## मध्य प्रदेश के पुरस्कार एवं सम्मान

### वर्ष 2012 में दिए गए राष्ट्रीय सम्मान

| | | |
|---|---|---|
| चन्द्रशेखर आजाद राष्ट्रीय सम्मान | - | अनिल काकोदकर (ऊर्जा वैज्ञानिक) |
| महाराजा अग्रसेन राष्ट्रीय सम्मान | - | रमेश चन्द्र अग्रवाल |
| महर्षि वेदव्यास राष्ट्रीय सम्मान | - | प्रो. जगमोहन सिंह राजपूत |
| कालिदास राष्ट्रीय सम्मान | - | डॉ. एन राजम और सरोजा बैधनाथन |
| वाकणकर राष्ट्रीय सम्मान | - | पदम श्री धवलीकर |
| लता मंगेशकर राष्ट्रीय सम्मान | - | राजेश रोशन |

### राष्ट्रीय सम्मान

| क्र. | सम्मान | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | कालिदास सम्मान | रूपंकर कला |
| 2. | कालिदास सम्मान | रंगकर्म |
| 3. | कालिदास सम्मान | शास्त्रीय नृत्य |
| 4. | कालिदास सम्मान | शास्त्रीय संगीत |
| 5. | कबीर सम्मान | भारतीय कविता |
| 6. | तानसेन सम्मान | शास्त्रीय संगीत |
| 7. | मैथिलीशरण गुप्त सम्मान | हिन्दी कविता |
| 8. | लता मंगेशकर सम्मान | सुगम संगीत |
| 9. | इकबाल सम्मान | उर्दू साहित्य |
| 10. | तुलसी सम्मान | लोक एवं पारम्परिक कलाएँ |

| | | |
|---|---|---|
| 11. | कुमार गन्धर्व सम्मान | युवा शास्त्रीय संगीतकार |
| 12. | शरद जोशी सम्मान | हिन्दी व्यंग्य-लेखन |
| 13. | महात्मा गांधी सम्मान | गांधी दर्शन के अनुरूप सामाजिक कार्य |

## राज्य स्तरीय सम्मान

| क्र. | सम्मान | क्षेत्रय |
|---|---|---|
| 1. | शिखर सम्मान | साहित्य |
| 2. | शिखर सम्मान | प्रदर्शनकारी कलाएँ |
| 3. | शिखर सम्मान | रूपंकर कलाएँ |
| 4. | किशोर कुमार सम्मान | संगीत |
| 5. | देवी अहिल्याबाई सम्मान | विशेष क्षेत्र |

## शिक्षावृत्ति

| क्र. | शिक्षावृत्ति | अवधि |
|---|---|---|
| 1. | अमृता शेरगिल फेलोशिप | साहित्य |
| 2. | चक्रधर फेलोशिप | विशेष क्षेत्र |
| 3. | मुक्तिबोध फेलोशिप | रूपंकर कलाएँ |
| 4. | उस्ताद अलाउद्दीन खाँ संगीत फेलोशिप | प्रदर्शनकारी कलाएँ |
| 5. | श्री कानत वर्मा फेलोशिप | संगीत |

## मध्यप्रदेश साहित्य परिषद् के पुरस्कार

## अखिल भारतीय पुरस्कार

| क्र. | पुरस्कार | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | भवानी प्रसाद मिश्र पुरस्कार | कविता |
| 2. | वीरसिंह देव पुरस्कार | उपन्यास |
| 3. | गजानन माधव मुक्तिबोध पुरस्कार | कहानी |
| 4. | पेठ गोविन्द दास पुरस्कार | नाटक एवं एकांकी |
| 5. | रामचन्द्र शुक्ल पुरस्कार | आलोचना |
| 6. | पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी पुरस्कार | व्यंग्य, ललित, निबन्ध, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा आत्मकथा डायरी, पत्र रिपोर्ताज |

## प्रादेशिक पुरस्कार

| क्र. | पुरस्कार | क्षेत्र |
|---|---|---|
| 1. | माखनलाल चतुर्वेदी पुरस्कार | कविता |
| 2. | शरद जोशी पुरस्कार | व्यंग्य |
| 3. | सुभद्रा कुमारी चौहान पुरस्कार | कहानी |
| 4. | विश्वनाथ सिंह पुरस्कार | उपन्यास, संस्मरण |
| 5. | नन्ददुलारे वाजपेयी पुरस्कार | आलोचना |
| 6. | रामविलास शर्मा पुरस्कार | लेखक की प्रथम कृति |
| 7. | मुकुटधर पाण्डेय पुरस्कार | सृजनात्मक चिन्तन एवं ललित निबन्ध |
| 8. | माधवराव सप्रे पुरस्कार | प्रदेश की विभूति, स्थान एवं इतिहास पर गद्य अथवा गद्य लिखित कृति |
| 9. | हरिकृष्ण प्रेमी पुरस्कार | नाटक एवं एकांकी |
| 10. | दुष्यंत कुमार पुरस्कार | 35 वर्ष से कम आयु के लेखक एवं लेखिका की प्रथम कृति |
| 11. | बालकृष्ण शर्मा नवीन पुरस्कार | गीत-प्रबन्ध |
| 12. | राजेन्द्र माथुर पुरस्कार | रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रा आत्मकथा पत्र, रिपोर्ताज |
| 13. | ईसुरी पुरस्कार | लोकभाषा कृति |
| 14. | रविशंकर शुक्ल पुरस्कार | बाल-साहित्य (12 वर्ष तक के बच्चों हेतु) |
| 15. | ताम्बे पुरस्कार पुरस्कार | मराठी साहित्य |
| 16. | अनिल कुमार पुरस्कार | प्रदेश की लघुपत्रिका |

**Subscribe - https://www.youtube.com/channel/UC7HEJ54ia2cU-rS20LHpHtg**

**Join - https://t.me/examtechnique**



**TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in**

# म.प्र. की राजनैतिक परिदृष्य एक नजर में

## राज्यपालों के नाम और उनके कार्यकाल

| | | |
|---|---|---|
| 1. | बी.पट्टाभि सीतारमैया | 01.01.1956 से 13.06.1957 |
| 2. | हरि विनायक पाटस्कर | 14.06.1957 से 10.02.1965 |
| 3. | के.सी.रेड्डी | 11.02.1965 से 09.02.1966 |
| 4. | न्यायाधीश पी.वी. दीक्षित (कार्यकारी) | 03.02.1966 से 02.02.1966 |
| 5. | के.सी. रेड्डी | 10.02.1996 से 07.03.1971 |
| 6. | सत्य नारायण सिन्हा | 08.03.1971 से 13.10.1977 |
| 7. | निरंजन नाथ वांचू | 14.10.1977 से 16.08.1978 |
| 8. | चेप्पूदिरा मुथाना पुनाचा | 17.08.1978 से 29.04.,1980 |
| 9. | भगवत दयाल शर्मा | 30.04.1980 से 25.05.1981 |
| 10. | न्यायाधीश जे.पी.सिंह (कार्यकारी) | 26.05.1981 से 09.07.1981 |
| 11. | भगवत दयाल शर्मा | 10.07.1981 से 20.09.1983 |
| 12. | न्यायाधीश जे.पी. सिंह (कार्यकारी) | 21.09.1983 से 07.10.1983 |
| 13. | भगवत दयाल शर्मा | 08.10.1983 से 14.11.1984 |
| 14. | के.एम.चांडी | 15.05.1984 से 30.11.1987 |
| 15. | न्यायाधीश एन.डी. ओझा (कार्यकारी) | 01.12.1987 से 29.12.1987 |
| 16. | के.एस.चांडी | 30.12.1987 से 30.03.1989 |
| 17. | सरला ग्रेवाल (प्रथम महिला) | 31.03.1989 से 05.02.1990 |
| 18. | कुँवर महमूद अली खान | 06.02.1990 से 23.06.1993 |
| 19. | मो. शफी कुरैशी | 24.06.1993 से 21.04.1998 |
| 20. | डॉ. भाई महावीर | 22.04.1998 से 06.05.2003 |
| 21. | रामप्रकाश गुप्ता | 07.05.2003 से 01.05.2004 |
| 22. | के.एस.सेठ (कार्यकारी) | 02.05.2004 से 29.06.2004 |
| 23. | बलराम जाखड़ | 30.06.2004 से 28.06.2009 |
| 24. | रामेश्वर ठाकुर | 29.06.2009 से 07.09.2011 |
| 25. | रामनरेश यादव | 08.09.2011 से अब तक |

## मुख्य मन्त्रियों के नाम और उनके कार्यकाल

| | | |
|---|---|---|
| 1. | पं. रविशंकर शुक्ल | 01.11.1956 से 31.12.1956 |
| 2. | भगवन्त राव अन्नाभाऊ मण्डलोई | 01.01.1957 से 30.01.1957 |
| 3. | डॉ. कैलाश नाथ काटजू | 15.04.1957 से 11.03.1962 |
| 4. | भगवन्त राव अन्नाभाऊ मण्डलोई | 12.03.1962 से 29.09.1963 |
| 5. | पं. द्वारिका प्रसाद मिश्र | 30.09.1963 से 08.03.1967 |
| | | 09.03.1967 से 12.03.1969 |
| 6. | गोविन्द नारायण सिंह | 30.07.1967 से 12.03.1969 |
| 7. | राजा नरेश चन्द्र सिंह (13 दिन) | 13.03.19969 से 25.03.1969 |
| 8. | श्यामचरण शुक्ल | 26.03.1969 से 28.01.1972 |
| 9. | प्रकाश चन्द सेठी | 29.01.1972 से 22.03.1972 |
| | | 23.03.1972 से 22.05.1975 |
| 10. | श्यामचरण शुक्ल | 23.05.1975 से 29.04.1977 |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

**राष्ट्रपति शासन** 30.04.1977 **से** 25.06.1977

| | | |
|---|---|---|
| 11. | कैलाश जोशी | 26.06.1977 से 17.02.1978 |
| 12. | वीरेन्द्र कुमार सकलेचा | 18.02.1978 से 19.01.1980 |
| 13. | सुन्दरलाल पठवा | 20.01.1980 से 17.02.1980 |

**राष्ट्रपति शासन** 18.02.1980 **से** 08.06.19809

| | | |
|---|---|---|
| 14. | अर्जुन सिंह | 09.06.1980 से 11.03.1985 |
| | (एक दिन का सबसे छोटा कार्यकाल) | 11.03.1985 से 12.03.1985 |
| 15. | मोतीलाल वोरा | 13.03.1985 से 13.01.1988 |
| 16. | अर्जुन सिंह | 14.01.1988 से 24.01.1989 |
| 17. | मोतीलाल वोरा | 25.01.1989 से 08.12.1989 |
| 18. | श्यामचरण शुक्ल | 09.12.1989 से 04.03.1990 |
| 19. | सुन्दरलाल पटवा | 05.03.1990 से 15.12.1992 |

**राष्ट्रपति शासन** 16.12.1993

| | | |
|---|---|---|
| 20. | दिग्विजय सिंह (सबसे बड़ा कार्यकाल) | 07.12.1993 से 07.12.2003. |
| 21. | सुश्री उमा भारती | 08.12.2003 से 23.08.2004 |
| 22. | बाबूलाल गौर | 23.08.2004 से 28.11.2005 |
| 23. | शिवराज सिंह चौहान | 29.11.22005 से 11.12.2008 |
| | 12.12.2008 से 13.12.13 | 14.12.13 से अब तक |

## मध्य प्रदेश के विधानसभा अध्यक्ष

| | | |
|---|---|---|
| 1. | पं. कुँजी लाल दुबे | 01.11.1956 से 07.03.1967 |
| 2. | काशी प्रसाद पाण्डेय | 24.03.1967 से 24.01.1972 |
| 3. | तेजपाल टेंभरे | 25.03.1972 से 15.08.1977 |
| 4. | गुलशेर अहमद | 16.08.1972 से 14.07.1977 |
| 5. | मुकुन्द नेवालकर | 15.07.1977 से 02.07.1980 |
| 6. | य.ज्ञ दत्त शर्मा | 03.07.1980 से 15.07.1983 |
| 7. | रामकिशोर शुक्ला | 05.03.1984 से 15.03.1985 |
| 8. | राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल | 16.03.1985 से 04.03.1990 |
| 9. | प्रो. बृजमोहन मिश्र | 22.03.1990 से 22.12.1993 |
| 10. | श्रीनिवास तिवारी | 24.12.1993 से 15.12.2003 |
| 11. | ईश्वर दास रोहाणी | 16.12.2003 से 5.11.13 |
| 12. | डॉ. सीताशरण शर्मा | 9.01.14 से अब तक |

## मध्य प्रदेश के लोकायुक्त

| | | |
|---|---|---|
| 1. | न्यायमूर्ति श्री पी.वी दीक्षित | 14.02.1982 से 09.03.1986 |
| 2. | न्यायमूर्ति श्री पी.के.तारे | 06.03.1987 से 05.03.1992 |
| 3. | न्यायमूर्ति श्री जी.पी. सिंह | 30.03.1992 से 29.03.1997 |
| 4. | न्यायमूर्ति श्री फैजुद्दीन | 30.03.1997 से 29.03.2003 |
| 5. | न्यायमूर्ति श्री रिपुसूदन दयाल | 23.06.2003 से 28.06.2009 |
| 6. | न्यायमूर्ति श्री प्रकाश प्रभाकर नावलेकर | 29.06.2009 से अब तक |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

## मध्य प्रदेश के उप लोकायुक्त

| | | |
|---|---|---|
| 1. | न्यायमूर्ति श्री आरय.जे. भावे | 14.02.1982 से 13.02.1987 |
| 2. | न्यायमूर्ति श्री एस.एस. शर्मा | 04.04.1987 से 28.03.1993 |
| 3. | न्यायमूर्ति श्री एस.डी. झा | 13.12.1993 से 12.12.1999 |
| 4. | न्यायमूर्ति श्री एस.के. चावला | 20.01.2000 से 21.01.2006 |

**नोट-** राज्य में 1981 में लोकायुक्त एवं उप लोकायुक्त अधिनियम पारित किया गया जिसके अनुसार राज्यपाल लोकायुक्त की नियुक्ति विधान सभा के विपक्ष के नेता से परामर्श के बाद तथा उप लोकायुक्त की नियुक्ति लोकायुक्त के परामर्श के पश्चात् होती है। लोकायुक्त उच्चतम आयु 66 तथा उपायुक्त की l63 वर्ष है। तथा कार्य्रकाल 5 वर्ष होता है। परन्तु उनकी पुनर्नियुक्ति नहीं की जा सकती

## मध्यप्रदेश एक नजर में

| | | |
|---|---|---|
| मध्यप्रदेश की स्थापना | – | 1 नवम्बर 1956 |
| वर्तमान स्वरूप | – | 1 नवम्बर 2000 (छत्तीसगढ़ राज्य के विभाजन के बाद) |
| राज्य की सीमा | – | 5 राज्यों (उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, गुजरात,) को छूती है। सर्वाधिक उत्तर प्रदेश तथा सबसे कम गुजरात। |
| भौगोलिक स्थिति | – | 21º6' उत्तरी अक्षांश से 26º 30' उत्तरी अक्षांश तक तथा 74º9 पूर्वी देशांतर से 82º 48' पूर्वी देशांतर तक |
| क्षेत्रफल | – | 308252 वर्ग कि. (देश में दूसरा स्थान) कुल क्षेत्रफल का 9.38% है। |
| राजधानी | – | भोपाल |
| राजभाषा | – | हिन्दी |
| राजकीय पशु | – | बारहसिंगा (ब्रेडरी जाति का) |
| राजकीय पक्षी | – | दूधराज (शाहबुलबुल/पेराडाइज फ्लाईचेर) |
| राजकीय पुष्प | – | लिली |
| राजकीय वृक्ष | – | बरगद |
| राजकीय नाट्य | – | माँच |
| राजकीय नृत्य | – | राई |
| राजकीय खेल | – | मलखम्ब |
| राजकीय मछली | – | महाशीर |
| कुल सम्भाग | – | 10 |
| कुल जिले | – | 51 |
| कुल नगर निगम | – | 14 |
| कुल जिला पंचायते | – | 50 |
| कुल नगर पालिका | – | 100 |
| कुल नगर पंचायते | – | 263 |
| कुल विकास खण्ड | – | 313 |
| कुल जनपद पंचायत | – | 313 |
| कुल तहसील | – | 358 |
| कुल ग्राम | – | 55400 |
| कुल आबाद ग्राम | – | 52117 |
| कुल लोकसभा सीटें | – | 29 |

| | | |
|---|---|---|
| राज्यसभा सीटें | – | 11 |
| कुल सांसद | – | 40 |
| कुल विधानसभा सीटें | – | 230 |
| उच्च न्यायालय | – | जबलपुर (इंदौर ग्वालियर खण्डपीठ) |
| औद्योगिक न्यायालय | – | इंदौर |
| राज्य लोकसेवा आयोग | – | इंदौर |
| जलवायु | – | समशीतोष्ण मानसूनी |
| सबसे बड़ा संभाग (जनसंख्या) | – | इंदौर |
| सबसे छोटा संभाग (जनसंख्या) | – | होशंगाबाद |
| सबसे बड़ा संभाग (क्षेत्रफल) | – | जबलपुर |
| सबसे छोटा संभाग (क्षेत्रफल) | – | चम्बल |
| सर्वाधिक जनसंख्या वाला जिला | – | इंदौर |
| सबसे कम जनसंख्या वाला जिला | – | हरदा |
| सर्वाधिक लिंगानुपात वालगा जिला | – | बालाघाट |
| सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला | – | भिण्ड |
| सबसे अधिक साक्षरता वाला जिला | – | जबलपुर |
| सबसे कम साक्षरता वाला जिला | – | अलीराजपुर |
| सर्वाधिक जन घनत्व वाला जिला | – | भोपाल |
| सबसे कम जन घनत्व वाला जिला | – | डिंडोरी |
| सर्वाधिक सिंचित जिला | – | दिताय (58.4%) |
| न्यूनतम सिंचित जिला | – | डिंडोरी |
| सर्वाधिक औसत जोत वाला जिला | – | हरदा (5.4 हेक्टयर) |
| राज्य का पहल नगर निगम | – | जबलपुर (1864) |
| राज्य की प्रथम नगर पालिका | – | दतिया (1907) |
| संवैधानिक आधार पर पंचायती राज व्यवस्था लागू करने वाला प्रथम राज्य | – | मध्यप्रदेश 1994 |
| राज्य की जीवन रेखा | – | नर्मदा 1312 कि.मी. |
| कुल विश्व विद्यालय | – | 17 (शासकीय) |
| कुल पुलिस रेंज (IG) | – | 11 |
| पुलिस जिले | – | 50 |
| रेल्वे सेवा भर्ती बोर्ड का मुख्यालय | – | भोपाल |

**नोट**—1 नवम्बर 1981 को मध्यप्रदेश के राजकीय पशु तथा राजकीया पक्षी घोषत किये गये थे।

## मध्य प्रदेश विशेष

### मध्य प्रदेश में प्रथम

| | |
|---|---|
| प्रथम मुख्यमंत्री | पंडित रविशंकर शुक्ल |
| प्रथम राज्यपाल | डॉ. पट्टाभितीसारमैया |
| प्रथम न्यायाधीश | मो. हिदायतुल्ला |
| प्रथम विधानसभअध्यक्ष | कुंजीलाल दुबे |
| प्रथम महिला राज्यपाल | सुश्री सरला ग्रेवाल |
| प्रथम महिला मुख्यमंत्री | सुश्री उमा भारती |
| प्रथम मुख्य सचिव | एच.एस.कामथ |
| प्रथम विधानसभा उपाध्यक्ष | विष्णु विनायक सरवटे |
| प्रथम विपक्ष का नेता | विष्णुनाथ तामस्कर |
| प्रथम महिला न्यायाधीश | श्रीमति सरोजनी सक्सेना |

| | |
|---|---|
| प्रथम महिला मुख्य सचिव | निर्मला बुल |
| प्रथम गैर कांग्रेसी मुख्यमंत्री | वीरेन्द्र सकलेचा |
| प्रथम पुलिस महानिदेशक | वी.पी.दुबे |
| प्रथम महानिरीक्षक | बी.जी.घाटे |
| प्रथम वित्त आयोग के अध्यक्ष | शीतला सहाय |
| प्रथम निर्वाचन आयुक्त | एन.वी. श्रीवास्तव |
| प्रथम सूचना आयुक्त | टी.एन.श्रीवास्तव |
| प्रथम महाधिवक्ता | श्री एम.अधिकारी |
| प्रथम लोकायुक्त | पी.व्ही, दीक्षित |
| प्रथम राज्य योजना मण्डल के अध्यक्ष | प्रकाश चन्द्र सेठी |
| प्रथम राज्य योजना मण्डल के उपाध्यक्ष | डॉ. दयाशंकर नाग |
| प्रथम महिला I.A.S. | निर्मला बुच |
| प्रथम महिला I.P.S. | कु. आशा गोपाल |
| प्रथम लोकसेवा आयोग का अध्यक्ष | डी.बी. रेड्डी |
| प्रथम विपक्ष की महिला नेता | श्रीमति जमुना देवी |

- ☞ बालाघाट जनसम्पर्क कार्यालय प्रदेश का प्रथम पेपरलेस कार्यालय है।
- ☞ प्रदेश में पहला अंतर्राष्ट्रीय मक्का वा गेहूँ अनुसंधान केन्द्र खमरिया (जबलपुर) में स्थापित है।
- ☞ मध्य प्रदेश का प्रथम विश्वविद्यालय हरिसिंह गौर है।
- ☞ मध्य प्रदेश का पहला सैलरिच जैविक खाद संयंत्र भोपाल में है।
- ☞ मध्य प्रदेश का प्रथम विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) इंदौर में स्थापित किया गया है।
- ☞ मध्य प्रदेश का छतरपुर प्रदेश का पहला शिल्प ग्राम है।
- ☞ मध्य प्रदेश का एक मात्र जीवाश्म राष्ट्रीय उद्यान मण्डला में है।
- ☞ प्रदेश की प्रथम "झींगा हेचरी" बालाघाट में स्थापित की गई है।
- ☞ मध्य प्रदेश का एकमात्र निर्यात उर्वरक औद्योगिक पार्क देवास में स्थापित किया गया है।
- ☞ मध्यप्रदेश की पहली खुली जेल "नवजीवन शिविर' के नाम से गुना (वर्तमान अशोकनगर) के मुंगावली में खोली गई है।
- ☞ राज्य का एक मात्र यूनानी चिकित्सा महाविद्यालय बुरहानपुर में है।
- ☞ मध्यप्रदेश में एक मात्र कुंभ (सिंहस्थ) का मेला उज्जैन में आयोजित होता है (प्रति 12 वर्ष में)
- ☞ ऐतिहासिक धरोहर के संरक्षण के लिए प्रदेश का पहला राज्य संग्रहालय भोपाल में।
- ☞ मध्य प्रदेश का प्रथम बायोस्फीयर रिजर्व पचमढ़ी में स्थापित किया गया है।
- ☞ मध्यप्रदेश का खण्डवा जिला राज्य का एक मात्र गांजा उत्पादक जिला है।
- ☞ मध्यप्रदेश में सर्वपहथम टाइगर प्रोजेक्ट कान्हा किसली राष्ट्रीय उद्यान में प्रारंभ किया गया था।
- ☞ प्रदेश का पहला आकाशवाणी केन्द्र इंदौर में स्थापित हुआ।
- ☞ राज्य का पहला समाचार-पत्र ग्वालियर अखबार था।
- ☞ मध्य प्रदेश का हिन्दी में प्रकाशित होने वाला समाचार-पत्र मालवा अखबार था।
- ☞ मध्य प्रदेश में पहली स्थायी लोक अदालत की स्थापना इंदौर में की गई थी।
- ☞ प्रदेश का एकमात्र शासकीय दंत चिकित्सालय इंदौर में है।
- ☞ म.प्र. का राजकीय पशु बारहसिंगीा एकमात्र राष्ट्रीय उद्यान कान्हा किसली में पाया जाता है।
- ☞ मध्य प्रदेश में एकमात्र हॉकी छात्रावास नरसिंहपुर में है।
- ☞ मध्य प्रदेश के खरगौन जिले में प्रदेश का प्रथम शाक-सब्जी प्रक्रिया केन्द्र स्थापित किया गया है।
- ☞ मध्य प्रदेश की एकमात्र बैंकनोट प्रेस देवास में है।
- ☞ मध्य प्रदेश की ऋतु संबंधी आँकड़े बताने वाली एकमात्र वेधशाला इंदौर में स्थित है।
- ☞ मध्य प्रदेश का एकमात्र रेप्टाइल पार्क पन्ना में है।
- ☞ मध्य प्रदेश का एक मात्र घड़ी बनाने का कारखाना बैतूल में है।
- ☞ मध्य प्रदेश का पहला आई.टी. पार्क भोपाल में स्थापित है।
- ☞ मध्य प्रदेश के इंदौर में प्रदेश का पहला भूमितग उपग्रह केन्द्र स्थापित किया जा चुका है।
- ☞ मध्य प्रदेश का प्रथम पर्यटक नगर शिवपुरी है।
- ☞ मध्य प्रदेश का झाबुआ जिला एकमात्र एस्बेस्टस उत्पादक जिला है।
- ☞ मध्य प्रदेश का पहला जेण्डर आधारित बजट सन् 2007-08 में प्रस्तुत किया गया।
- ☞ 26 जनवरी, 2006 को मध्य प्रदेश का प्रथम डी.एन.ए. प्रयोगशाला सागर में स्थापित की गई है।
- ☞ मध्य प्रदेश का पहला सूचना प्रौद्योगिकी (आई.टी.) वि.वि. ग्वालियर मे स्थापित किया गया है।
- ☞ प्रदेश की राजधानी भोपाल में राज्य का पहला संजीवनी आयुर्वेद विक्रय केन्द्र स्थापित किया गया।
- ☞ प्रदेश की एकमात्र जड़ी-बूटी बैंक पर्यटक नगरी पचमढ़ी केपनार पानी क्षेत्र में स्थापित किया गया है।
- ☞ मध्य प्रदेश का एकमात्र अफीम उत्पादक जिला मंदसौर है।
- ☞ रीवा प्रदेश का एममात्र जिला है जहा सफेद शेर पाये जाते हैं।
- ☞ घातक पशु बीमारियों के लिए वैक्सीन बनाने वाली प्रदेश की एकमात्र बायोलॉजिकल लैब महू में है।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- मध्यप्रदेश के जबलपुर में प्रदेश का पहला बेलोड्रम स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश के देवास जिले में पहला मोबाईल थाने की शुरूआत वर्ष 2003 में की गई।
- मध्य प्रदेश का पहला सर्प उद्यान भोपाल में स्थापित किया जा रहा है।
- मध्य प्रदेश का एकमात्र उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में है।
- रीवा प्रदेश का एकमा4 जिला है जहा सफेद शेर पाये जाते हैं।
- घातक पशु बीमारियों के लिए वैक्सीन बनाने वाली प्रदेश की एकमात्र बायोलॉजिकल लैब महू में है।
- मध्यप्रदेश के जबलपुर में प्रदेश का पहला बेलोड्रम स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश के देवास जिले में पहला मोबाईल थाने की शुरूआत वर्ष 2003 में की गई।
- मध्य प्रदेश का पहला सर्प उद्यान भोपाल में स्थापित किया जा रहा है।
- मध्य प्रदेश का एकमात्र उद्यानिकी महाविद्यालय मंदसौर में है।
- मध्य प्रदेश का प्रथम आदिवासी खेल विद्यालय सीहोर में स्थापित हुआ।
- मध्य प्रदेश का पहला ''पावन उर्जा फार्म'' धार जिले के खेड़ागाँव की पहाड़ियों पर स्थापित किया गया है।
- प्रदेश का एकमात्र महिला जेल होशंगाबाद में है।
- मध्यप्रदेश का एक मात्र सैनिक हवाई अड्डा महाराजपुर (मुरार) ग्वालियर में है।
- मध्यप्रदेश का प्रथम परमाणु बिजलीघर चुटका गाँव (मण्डला) में प्रस्तावित है।
- मध्य प्रदेश का प्रथम चिकित्सा महाविद्यालय ग्वालियर में 1946 में स्थापित किया गया
- मध्य प्रदेश का एकमात्र सैनिक स्कूल रीवा में है।
- मध्य प्रदेश का प्रथम महिला थाना भोपाल में स्थापित किया गया।
- प्रदेश का एकमात्र कृषि अभियांत्रिकी महाविद्यालय जबलपुर में है।
- मध्य प्रदेश का एकमात्र गैस आधारित विद्युत गृह भाण्डेर (दतिया) में है।
- मनध्य प्रदेश का एकमात्र रेलवे इंजन बनाने का कारखाना भोपाल में है।
- मध्य प्रदेश की एक मात्र खेल पत्रिका खेल हलचल के नाम से इंदौर से प्रकाशित होती है।
- प्रदेश का पहला विमान रिपेयरिंग सेन्टर इंदौर में स्थापित किया जायेगा।
- मध्य प्रदेश में प्रथम चलित ए.टी.एम. सेवा इंदौर में प्रारंभ की गई है।
- प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग का पहला गर्ल्स फिजीकल ट्रेनिंग कालेज शिवपुरी में खुलेगा।
- मध्यप्रदेश के रतलाम में प्रदेश क पहला अंगूर अनुसंधान केन्द्र बनाया गया है।
- प्रदेश का पहला ड्रायविंग स्कूल इंदौर में बनेगा।

## मध्यप्रदेश का भारत में प्रथम स्थान विस्तार से ....

- मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने लोकसेवा प्रदाय गारंटी अधिनियम पारित कर लागू किया।
- देश का पहला सोलर पार्क म.प्र. के राजगढ़ के जिले में स्थापित होगा।
- देश का पहला बौद्ध विश्वविद्यालय म.प्र. के साँची में स्थापित होगा।
- अधिवक्ताओं को सतत् शिक्षण एरं प्रशिक्षण देने वाला देश का प्रथम एडवोकेट्स
- कान्टीन्यूइंग लीगल एज्युकेशन इंस्टिट्यूट मध्य प्रदेश के ग्वालियर शहर में स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश (राज्य स्तर पर) मानव विकास रिपोर्ट प्रकाशित करने वाला देश का प्रथम राज्य है।
- 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायती राज लागू करने वाला देश का पहला राज्य है।
- ग्राम न्यायालय स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य है।
- ग्राम सभा की शुरूआत करने वाला देश का पहला राज्य मध्य प्रदेश है।
- वनों का पूर्ण राष्ट्रीयकरण करने वाला देश का प्रथम राज्य है।
- देश का पहला मोबाईल बैंक स्थापित करने वाला प्रथम राज्य है।
- देश में जिला सरकार स्थापित करने वाला पहला राज्य है।
- मध्य प्रदेश महिला नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य है।
- मध्यप्रदेश का प्रथम मेडिकोलीगल संस्थान म.प्र. की राजधानी भोपाल में स्थापित किया गय है।
- हीरा उत्पादित करने वाला देश का एकमात्र राज्य है।
- देश का एकमात्र मानव संग्रहालय भोपाल में है।
- देश का प्रथम आपदा प्रबंधन संस्थान भोपाल में है।
- भारत का प्रथम आप्टिकल फायबर कारखाना मण्डीद्वीप (रायसेन) में स्थापित किया गया है।
- मध्य प्रदेश गेरू उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है।

- ☞ देश का सर्वाधिक सोयाबीन (लगभग 80 प्रतिशत) मध्य प्रदेश में उत्पादित होता है।
- ☞ देश का पहला ''रत्न परिष्कृत'' केन्द्र जबलपुर में स्थापित किया गया है।
- ☞ एशिया का सबसे बड़ा सोयाबीन संयंत्र उज्जैन में स्थापित है।
- ☞ देश में सर्वाधिक पवन चक्कियाँ मध्य प्रदेश है।
- ☞ विश्व का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र प्रदेश की राजधानी भोपाल में है।
- ☞ मध्य प्रदेश विद्युत मण्डल स्थापित करने वाला देश का पहला राज्य है।
- ☞ मध्य प्रदेश में देश का सर्वाधिक राष्ट्रीय उद्यान व अभ्यारण है।
- ☞ प्रदेश की एकमात्र चाय अकादमी भोपाल में है।
- ☞ मध्य प्रदेश देश में सबसे बड़ा तेंदूपत्ता व बीड़ी निर्माता राज्य है।
- ☞ देश का व एशिया का पहला शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय मध्य प्रदेश के ग्वालियर में स्थापित है।
- ☞ देश ही नहीं एशिया का भी प्रथम लेसर अनुसंधान केन्द्र मध्य प्रदेश के इंदौर में स्थापित है।
- ☞ मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में देश का पहला नेशनल सैलिंग स्कूल प्रारंभ किया गया है।
- ☞ देवास पुलिस अधीक्षक कार्यालय देश का पहला ऐसा S.P. कार्यालय जिसे I.S.O. प्रमाण-पत्र दिया गया है।
- ☞ मध्य प्रदेश के बैतूल जिले का कसई गाँव गैर पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोत बायोमास संयंत्र द्वारा उत्पादित बिजली से प्रकाशित होने वाला देश का पहला गाँव है।
- ☞ भारत का पहला रामायण कला संग्रहालय मध्य प्रदेश के ओरछा में स्थापित किया गया है। साथ में देश का पहला रामायण म्यूजियम भी स्थापित है।
- ☞ सरकारी खरीद में आरक्षण लागू करने वाला मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है।
- ☞ मध्यप्रदेश पुरुष नसबंदी के मामले में देश में पहले स्थान पर है ।
- ☞ मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य है जिसने प्रत्येक जिले में उद्योग केन्द्र स्थापित किये हैं।
- ☞ प्रदेश के जबलपुर जिले ने देश का पहला ऐसा जिला बनने का गौरव हासिल किया है। जहाँ महत्वाकांक्षा समाधान एक दिन योजना लागू की गई।
- ☞ मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य है, जिसने सभी गाँवों को ग्राम संपर्क नामक बेवसाइट से जोड़ने में सफलता प्राप्त ही है।
- ☞ मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थापित विद्युत मण्डल देश का पहला विद्युत मण्डल है।
- ☞ भोपाल एक्सप्रेस (भोपाल से दिल्ली) देश की पहली ट्रेन है, जिसे 2003 में I.S.O. 9001 तथा 14001 प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया है।
- ☞ भारत में सती-प्रथा के प्रथम साक्ष्य मध्य प्रदेश के सागर जिले के ऐरण अभिलेख से प्राप्त हुए हैं।
- ☞ BHEL द्वारा भोपाल में संचालित जवाहरलाल नेहरू स्कूल I.S.O. 9001 तथा 14001 प्रमाण-पत्र पाने वाला देश का पहला स्कूल है।
- ☞ मध्य प्रदेश देश का पहला राज्य है, जिसने बेरोजगारी भत्ता देने की व्यवस्था की है।
- ☞ मध्यप्रदेश में वर्ष 2006 में देश की पहली साइबर ट्रेजरी का प्रारंभ हुआ।
- ☞ अनुसूचित जनजाति की जनसंख्या (S.T.) की दृष्टि से मध्य प्रदेश का देश में प्रथम स्थान है।
- ☞ वर्ष 1995 में देश का पहला राष्ट्रीय युवा महोत्सव प्रदेश की राजधानी भोपाल में मनाया गया।
- ☞ देश का पहला शिव संग्रहालय राजधानी भोपाल के निकट स्थित भोजपुर में प्रस्तावित है।
- ☞ देश का पहला सामान्य वर्ग निर्धन कल्याण आयोग मध्यप्रदेश में 2008 में गठित किया गया है।
- ☞ मध्य प्रदेश हिन्दी भाषा में गजेटियर प्रकाशित करने वाला देश का प्रथम राज्य है।
- ☞ मानवाधिकार आयोगग गठित करने वाला मध्य प्रदेश देश का प्रथम राज्य है।
- ☞ जिला स्तरीय मानव विकास रिपोर्ट तैयार करने वाला देश का पहला राज्य है।
- ☞ देश का एकमात्र आदिवासी शोध संचार केन्द्र मध्यप्रदेश के झाबुआ में स्थापित है।
- ☞ मध्य प्रदेश के जबलपुर में देश का पहला विकलांग पुर्नवास केन्द्र स्थापित किया गया है।
- ☞ देश का पहला पुरातत्व पार्क मध्य प्रदेश के दमोह जिले के संग्रामपुर में बनाया जा रहा है।
- ☞ देश का प्रथम सौर चलित टेलीफोन एक्सचेन्ज प्रदेश के शिवपुरी जिले के अयोलपाटा में स्थापित किया गया है।
- ☞ म.प्र. में देश का पहला कार्गो हवाई अड्डा स्थापित किया जा रहा है ।
- ☞ मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में देश का पहला सिंकोट्रोन विकिरण स्त्रोत इंडस-1 प्रारंभ किया गया है।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

# मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा, सबसे छोटा, सबसे ऊँचा, सबसे नीचा, सबसे अधिक एवं सबसे कम विस्तार से..

- सबसे बड़ा वनवृत्त खण्डवा में है।
- सबसे छोटा वनवृत शाजापुर है।
- प्रदेश का सबसे लंबा पुल तवा नदी पुल है।
- प्रदेश से गुजरने वाला सबसे लंबा राष्ट्रीय राजमार्ग एन.एच.3 है।
- प्रदेश का सबसे छोटा राष्ट्रीय राजमार्ग एन.एच-76 है।
- प्रदेश का सबसे गर्म स्थान गंजबासौदा है।
- प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शिवपुरी है।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक वर्षा वाला स्थल पचमढ़ी है।
- मध्यप्रदेश का सबसे ऊँचा स्थान धूपगढ़ पहाड़ी (पंचमढ़ी) है।
- मध्य प्रदेश का सबसे नीचा स्थाना नर्मदा सोन घाटी है।
- सबसे लंबी नदी नर्मदा (1312) है।
- प्रदेश का सर्वाधिक लिंगानुपात वाला जिला बालाघाट है। (1000 : 1021)
- सबसे कम लिंगानुपात वाला जिला भिण्ड है (1000 : 838)
- चंबल संभाग प्रदेश का सबसे कम लिंगानुपात वाला संभाग है। प्रदेश का सबसे बड़ा नगर इंदौर है।
- सबसे कम वर्षा वाला क्षेत्र भिण्ड है।
- एशिया का सबसे बड़ा पनीर निर्माण संयंत्र म.प्र. के खजुराहों में स्थापित किया गया है।
- सबसे बड़ा कोयला भण्डार सोहागपुर क्षेत्र में है।
- प्रदेश का सबसे बड़ा शिवलिंग भोजपुर मंदिर का है।
- प्रदेश का मालवा क्षेत्र सर्वाधिक गेहूँ उत्पादक क्षेत्र है।
- सर्वाधिक प्रसार वाला समाचार पत्र दैनिक भास्कर है।
- मध्य प्रदेश का सर्वाधिक कुपोषित जिला श्योपुर है।
- प्रदेश का सर्वाधिक सघन आबादी वाला जिला भोपाल है। (854) प्रतिवर्ग कि.मी.)
- सबसे अधिक विरल आबादी वाला जिला डिंडोरी है। (94 प्रतिवर्ग कि.मी.)
- सर्वाधिक सघन आबादी वाला संभाग इंदौर है।
- क्षेत्रफल की दृष्टि से प्रदेश का सबसे बड़ा जिला छिंडवाड़ा है। (11815 वर्ग कि.मी.)
- क्षेत्रफल में सबसे छोटा जिला दतिया है। (2691 वर्ग कि.मी.)
- क्षेत्रफल में सबसे बड़ा संभाग जबलपुर है।
- क्षेत्रफल में सबसे छोटा संभाग होशंगाबाद है।
- प्रदेश का सबसे कम साक्षर जिला अलीराजपुर है। (37.2%) सर्वाधिक पुरुष साक्षरता वाला जिला इंदौर है।
- सर्वाधिक महिला साक्षरता वाला जिला भोपाल है।
- सबसे कम पुरुष व महिला साक्षरता वाला जिला अलीराजपुर है।
- सर्वाधिक वन वृक्ष सागौन है।
- मध्य प्रदेश में सर्वाधिक पाया जाने वाला वन्य पशु चीतल है।
- सर्वाधिक सिंचाई वाला जिला ग्वालियर है।
- सबसे कम सिंचाई वाला जिला डिंडोरी है।
- सबसे बड़ी जनजाति भील है। (37.7%)
- सर्वाधिक सिनेमा घर वाला शहर इंदौर है।
- प्रदेश के पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील क्षेत्रफल में सबसे छोटा तहसील है।
- सर्वाधिक जनसंख्या वृद्धि करने वाला जिला इंदौर है।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा जिला हरदा है।
- सर्वाधिक नगरीकृत जनसंख्या वाला जिला भोपाल है।
- सबसे कम नगरीय जनसंख्या वाला जिला डिंडोरी है।
- प्रदेश का सर्वाधिक साक्षर जिला जबलपुर है। (82.5%)
- सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान फासिल (मण्डला) है।
- प्रदेश की सबसे बड़ी मस्जिद ताजुल मस्जिद भोपाल में है।
- सबसे बड़ा रेलवे जंक्शन इटारसी जंक्शन है।
- प्रदेश की सबसे बड़ी गणपति प्रतिमा इंदौर में है, जो बड़ा गणपति के नाम से प्रसिद्ध है।
- सबसे मोटी कोयला परत सिंगरौली में है।
- सबसे बड़ा भौतिक विभाग मालवा का पठार है।
- जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ी तहसील इंदौर है।
- जनसंख्याकी दृष्टि से सबसे छोटी तहसील रौन है।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

# MPPSC की परीक्षाओं में पूछे गये प्रश्न एक नज़र में ...

- म.प्र. में सबसे बड़ा इंडोर स्टेडियम कहां पर स्थित है- इंदौर
- म.प्र. शासन के प्रतिष्ठित कालिदास सम्मान से नवंबर 2012 में निम्नलिखित में से किस सम्मानित किया गया- अनुपम खैर
- म.प्र. में सर्वाधिक सोयाबीन कहां होता है- मालवा
- म.प्र. के किस जिले की सीमा उ.प्र. को स्पर्श नहीं करती- श्योपुर
- म.प्र. का जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा जिला है- हर्दा
- म.प्र. के प्रथम मुख्यमंत्री है- रविशंकर शुक्ल
- भारत के बारह ज्योतिलिंगों में से म.प्र. में ज्योतिलिंगों की संख्या कितनी है- दो
- माण्डू निम्नलिखित में से संबंधित है- रानी रूपमती
- म.प्र. की कौनसी जनजाति जनसंख्या की दृष्टि से सबसे बड़ी है- भील
- मूर्ति कला का प्रसिद्ध स्थान फड़के स्टूडियों स्थित है- धार
- म.प्र. में प्रतिवर्ष अखिल भारतीय शास्त्रीय नृत्य उत्सव कहां आयोजित होता है- खजुराहों
- रेल बजट 2012-13 में म.प्र. के किस जिले में उच्च क्षमता वाला डीजल इंजनों के लिए ट्रैक्शन आल्टरनेटर्स कारखाना लगाने का प्रस्ताव है- विदिशा
- मण्डीदीप औद्योगिक क्षेत्र म.प्र. के किस जिले में है- रायसेन
- म.प्र. के किस जिले में रेलवे स्लीपर बनाने का कारखाना है- सीहोर एवं होशंगाबाद
- म.प्र. की प्रथम महिला मुख्यमंत्री कौन थी- उमाभारती
- जलदीप योजना म.प्र. शासन ने प्रारम्भिक तौर पर किस जलाशय से प्रारम्भ की- इंदिरा सागर
- वर्तमान में म.प्र. विधान सभा के अध्यक्ष है- ईश्वरदास रोहाणी
- 1-11-2000 म.प्र. के विभाजन के समय मुख्यमंत्री कौन थे- दिग्विजय सिंह
- रिलायंस समूह को म.प्र. में कोल बेड मीथेन के भण्डार मिलते हैं- सुहागपुर
- दुष्यंत कुमार पाण्डुलिपि संग्रहालय कहां स्थित है- भोपाल
- साँची स्तूप का निर्माण किरने करवाया था- अशोक
- म.प्र. का महालेखाकार कार्यालय (ए.जी.एम.पी.) किस शहर में स्थित है- ग्वालियर
- आर.सी.वी.पी. नोरोन्हा प्रशासनिक अकादमी किस शहर में स्थित है- भोपाल
- आल्हा- ऊदल सम्बन्धित थे- महोबा से
- नर्मदा नदी अपने उदगम स्त्रोत- अमरकंटक से निकलती है।
- 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम में किस राजवंश ने अंग्रेजों की सहायता की ?- ग्वालियर के सिंधिया
- राजा भोज ने शासन किया- धार पर
- भारतवर्ष का सबसे बड़ी आदिवासी जनसंख्या वाला राज्य कौन-सा है ? मध्यप्रदेश
- भोपाल बसा है- पांच पहाड़ियों पर
- संगमरमर की चट्टानों के लिए कौन-सा शहर प्रसिद्ध है ?- जबलपुर
- म.प्र. में कौन-सा खनिज पाया जाता है ?- बॉक्साइट
- तानसेन का मकबरा कहाँ स्थित है ?- ग्वालियर
- अकबर के साथ युद्ध करने वाली दुर्गावती कहां की रानी थी? - मण्डला
- निम्न में से कौन-सा संस्कृत कवि मध्य प्रदेश का नहीं है ? कल्हण (भवभूति मण्डन मिश्र एवं कालिदास है)
- भारतवर्ष की सबसे बड़ी मस्जिद- भोपाल में
- गूजरी महल किसने बनाया था- मानसिंह ने
- किस राजवंश ने भारत को प्रसिद्ध खजुराहों के मन्दिर दिये?- चन्देल
- म.प्र. कपास अनुसंधान केन्द्र स्थित है- खरगोन में
- भूवैज्ञानिक दृष्टि से म.प्र. भाग है- दक्कन ट्रैप का
- नर्मदा और ताप्ती के अतिरिक्त म.प्र. की नदियां-दूसरी नदियों में मिल जाती है।
- म.प्र. का कौन-सा शहर सिंध-गंगा के मैदानों में है- ग्वालियर
- निम्न में से कौन-सा मंदिर खजुराहों में नहीं है- दशावतार (कंदरिया माहदेव, चौंसठ योगिनी एवं चित्रगुप्त है)
- भारतवर्ष के जंगलों का सबसे बड़ा क्षेत्र-म.प्र. में है
- म.प्र. की कितनी जनसंख्या गरीबी रेखा से नीचे है ?- 40%
- म.प्र. का कौन-सा क्षेत्र गोण्डवाना कहलाता है ? - दक्षिण-पूर्व क्षेत्र
- 1956 में म.प्र. का कौनसा क्षेत्र महाराष्ट्र में मिला दिया गया था- विदर्भ
- विदेशी पर्यटकों के लिए म.प्र. का कौन-सा पर्यटन स्थल सर्वाधिक आकर्षण का केन्द्र है- खजुराहों
- नर्मदा नदी की म.प्र. में कुल लम्बाई है- 1077 किमी
- म.प्र. के किस क्षेत्र से टंग्स्टन प्राप्त होता है- होशांगाबाद क्षेत्र
- विदिशा किस नदी के तट पर स्थित है- बेतवा
- निम्न में से कौन-सी नदी म.प्र. में नहीं बहती - कृष्णा (महानदी, नर्मदा, ताप्ती बहती है)
- प्रथम खुली जेल कहाँ स्थापित है ?- होशांगाबाद
- डायनासोर जीवाश्म राष्ट्रीय पार्क की स्थापना किस जिले में की

जा रही है- धार
- म.प्र. में निम्न में से कौन-सी बोली नहीं बोली जाती है- कौरवी (मालवी, बुंदेलखण्डी एवं गौण्डी बोली जाती है)
- कालिदास के किस ग्रंथ में अमरकंटक के सौन्दर्य का चित्रण किया गया है ?- मेघदूत
- मण्डला राजधानी थी- गौण्ड की
- म.प्र. का कौन-सा नेता नेहरू की केबिनेट में पहले रक्षा मंत्री तथा बाद में गृह मंत्री बना ?- कैलाशनाथ काटजू
- नौकायन में अर्जुन अवार्डी है जी.ए.ल.यादव
- अबुल फजल का हत्यारा-बुन्देला शासक वीरसिंह देव बुन्देला (ओरछा)
- ओंकारेश्वर से विद्युत उत्पादन होती है- 520 मेगावाट (जल विद्युत केन्द्र)
- 2009 में स्वीकृत बाल विकास परियोजनाएँ हैं- 86
- बाघ राज्य, सोया राज्य, दलहन राज्य, वन प्रदेश आदि नाम है- मध्यप्रदेश का
- आदिवासी खेलकूद विद्यालय है- अलीराजपुर में
- मध्यप्रदेश का राज्य खेल हैं- मलखंभ
- न्यूनतम जनसंख्या वाला जिला- हरदा
- सीमेंट कारखाना, सतना का स्थापक- जे.पी. सीमेंट
- चचाई जल प्रपात है- रीवा की बीहड़ नदी में
- मृदा अपरदन से प्रभावित जिला है- मुरैना (चम्बल नदी)
- एन.एच. 3 मार्ग है- आगरा, ग्वालियर, देवास, मुम्बई (लम्बाई 712 कि.मी.)
- गिर के शेर या अफ्रीका चीजों को रखे जाने हेतु किस अभयारण्य का चयन हुआ है- पालपुर-कूनो अभयारण्य श्योपुर
- मध्यप्रदेश के सर्वाधिक समय तक मुख्यमंत्री रहे- दिग्विजय सिंह (1993-2003)
- राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय मान्यता प्राप्त दल नहीं है- गोण्डवाना गणतंत्र पार्टी
- ऑटो मोबाईल उद्योग है- पीथमपुर धार में
- मध्यप्रदेश देश का 55% से 60% सोयाबीन उत्पादित करता है।
- प्रति हेक्टयर खाद उपयोगिता का सही क्रम है- इंदौर, होशंगाबाद, मंडला, डिंडोरी
- कोल बेड मीथेन पाई जाती है- शहडोल
- मध्यप्रदेश शीर्ष उत्पादक है- तांबा व हीरा का
- 11वीं पंचवर्षीय योजना में मध्यप्रदेश ने सर्वाधिक व्यय किस क्षेत्र में किया है- सिंचाई क्षेत्र
- 500 मेगावाट की विद्युत इकाई है- वीरसिंहपुर, उमरिया
- कृषि विश्वविद्यालय है- जबलपुर व ग्वालियर में
- रक्षा गाड़ी कारखाना है- जबलपुर में
- मध्यप्रदेश विधानसभा में प्रतिपक्ष का नेता है- अजय सिंह
- खुला विश्वविद्यालय है- भोपाल
- रानी दुर्गावती संबंधित है- जबलपुर में
- मध्यप्रदेश की नगरीय जनसंख्या है- 2,00,59,666
- मध्यप्रदेश की साक्षरता दर है 70.63%
- मध्यप्रदेश का जनसंख्या घनत्व है- 236
- मध्यप्रदेश का लिंगानुपात है- 930
- मध्यप्रदेश की ग्रामीण जनसंख्या है- 5,25,37,899
- सागर चर्चा में रहा- केन्द्रीय विश्वविद्यालय के कारण
- साई का क्षेत्रीय कार्याजय है- भोपाल में
- मध्यप्रदेश की ऊर्जा राजधानी है- सीधी (अब सिंगरोली)
- अरावली एवं विंध्य शृंखलाओं के बीच स्थित है- मालवा का पठार
- 33 वे राष्ट्रीय खेल गुवाहाटी में मध्यप्रदेश ने कराटे में सर्वाधिक 12 पदक जीते।
- मध्यप्रदेश शासन का सम्मान है- विक्रम अवार्ड खिलाड़ियों को
- दूसरी ऑल स्टार एशियन एथलेटिक्स चैपियन 2008 में आयोजित हुई- भोपाल में।
- भारतीय टेस्ट टीम में नहीं रहे- अमय खुरासिया
- 2008 में गठित जिले है- सिंगरौली/अलीराजपुर
- भारतीय मानक समय देशांतर के निकट है- रीवा 82.1/2° देशांतर
- मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग है- एन.एच. : 3 (आगरा से मुम्बई)
- सीधी में झाबुआ से आधे घंटे पहले सूर्योदय होगा।
- सुमेलित हैं- IITDM- जबलपुर- IITM ग्वालियर- IIM इंदौर, IISER भोपाल
- सुमेलित है जरी के बटुए-भोपाल, भैरवगढ़ प्रिंट-उज्जैन, बाघ
- हस्तशिल्प-धार, चन्देरी साडी-अशोकनगर
- महर्षि पाणिनी संस्कृत विश्वविद्यालय है- उज्जैन में
- प्रदेश के विश्व धरोहर स्थल है- भीम बेठिका, खजुराहों मंदिर, सांची स्तूप
- यमुना नदी से नहीं मिलती-सोन नदी (सोन गंगा से मिलती है)
- नर्मदा नदी पर नहीं है- बाण सागर बाँघ (सोन नदी)

मध्यप्रदेश राजकीय पक्षी शाहबुलबुल/दूधराज/पेराडाइज फ्लाईचर
मध्यप्रदेश राजकीय वृक्ष बरगद

# समसामयिकी

## म.प्र. विधान सभा चुनाव विशेष

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शपथ ग्रहण के 20 मिनट बाद 4 योजनाओं पर हस्ताक्षर किये।

1. **1 रु. किलो चावल योजना**—गरीब एवं बीपीएल कार्ड धारक को अब म.प्र. में 1 रु. किलो गेहूँ के साथ 1 रु. किलो चावल भी मिलेगा।

2. **खेत सड़क योजना**—मुख्यमंत्री खेत सड़क योजना गाँव को सड़क से जोड़ने के लिए है।

3. **मध्यम वर्ग आयोग**—यह आयोग मध्य वर्ग की समस्याओं को चिंहित कर उन्हें दूर करने की सिफारिश करेगा।

4. **व्यापार संवर्धन बोर्ड**—म.प्र. के व्यापार को बढ़ावा देने के लिए बोर्ड का गठन किया गया।

## पुरस्कार/सम्मान

1. **नानाजी देशमुख राष्ट्रीय सम्मान** 2013—सुयश चैरिटेबल ट्रस्ट (पुणे) को दिया गया है। यह पुरस्कार पहली बार दिया गया इसके तहत दो लाख रुपये की राशि दी गयी।

2. **वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान**—देश की सुरक्षा, कर्त्तव्य देश बलिदान अदम्य साहस, वीरता, नारी, उत्थान, सामाजिक पुनर्जागरण एवं श्रेष्ठतम उपलब्धियों व योगदान करने वाली महिलाओं को सम्मानित करने के लिए मध्य प्रदेश सरकार ने वर्ष 2013 में वीरांगना लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय सम्मान की स्थापना की है। इसके तहत 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि प्रदान की जायेगी।

3. **प्रभास जोशी खेल पुरस्कार**—मध्य प्रदेश सरकार द्वारा 2013 में नया खेल पुरस्कार प्रभास जोशी पुरस्कार के नाम से स्थापित किया है। यह मध्य प्रदेश सरकार द्वारा खेल क्षेत्र में स्थापित पांचवा पुरस्कार है यह पुरस्कार राज्य खेल मलखम्भ के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जायेगा। जिसके लिए 1 लाख रुपये की राशि दी जायेगी। 2003 का प्रभास जोशी पुरस्कार अजय वाकतरिया (उज्जैन) को प्राप्त हुआ।

## मध्य प्रदेश को प्राप्त पुरस्कार

1. **कृषि कर्मण पुरस्कार**—कृषि विकास के क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए मध्य प्रदेश को कृषि कर्मण पुरस्कार 2011-12 दिया गया पुरस्कार के तहत राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 2 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की।

2. संयुक्त राष्ट्र लोक सेवा अवार्ड-2012

3. **निर्मल ग्राम पुरस्कार**—2012

4. इण्डिया टूडे राष्ट्रीय अवार्ड (मेक्रो इकोनॉमिक्स)

5. ई.बी.एन.-7 राष्ट्रीय अवार्ड

6. एनडीटीवी द्वारा इण्डियन ऑफ द ईयन 2010 अवार्ड

7. संयुक्त राष्ट्र अर्थ सम्मेलन में म.प्र. को जल स्वच्छता के नवाचारों के लिए अंतर्राष्ट्रीय सम्मान।

8. कृषि में एग्रीकल्चर लीडरशिप 2012

9. स्टेट ऑफ द ईयर अवार्ड

10. ई-भुगतान के लिए गोल्ड अवार्ड (ईगवर्नेंस में म.प्र. देश में प्रथम)

11. ऑयल एण्ड गैस कंजर्वेशन अवार्ड (भारत सरकार द्वारा)

12. पर्यटन क्षेत्र में 4 राष्ट्रीय उत्कृष्टता पुरस्कार

## समसमायिकी

☞ वर्तमान एम.पी. विधान सभा अध्यक्ष-डॉ. सीताशरण शर्मा (9-1-2014) से है

☞ वर्तमान एम.पी. विधान सभा उपाध्यक्ष-डॉ. राजेन्द्र कुमार सिंह (10-1-2014) से है

☞ वर्तमान एम.पी. विधान सभा नेता प्रतिपक्ष-सत्यदेव कटारे (9-1-2014) से है

☞ विधान सभा अध्यक्ष ईश्वरदास रोहिणी का 5 नवम्बर 2013 को निधन हो गया। वह 68 वर्ष 4 माह के थे। रोहिणी का जन्म करांची में हुआ था।

☞ 16 अगस्त 2013 को म.प्र. का 51वां जिला आगर मालवा बना जिसे शाजापुर जिले से अलग किया गया। शाजापुर जिले की आगर बड़ौद सुसनेर, नलखेड़ा तहसीलों को आगर जिले में शामिल किया गया। इसका कुल क्षेत्रफल 2785 वर्ग किलोमीटर है। कुल जनसंख्या 4 लाख 80 हजार है तथा मुख्यालय आगर को बनाया गया।

☞ म.प्र. में निर्धनता अनुपात 234.06 लाख है। जोकि कुल जनसंख्या का 31.65% है। जबकि देश में निर्धनता अनुपात 2697.83 लाख है यह कुल जनसंख्या का 21.92% है।

☞ अटल ज्योति अभियान जबलपुर जिले से प्रारम्भ किया गया यह म.प्र. के ग्रामीण इलाको में विद्युतीकरण अभियान है।

☞ वर्ष 2013 को म.प्र. ने आई.टी. सशक्तीकरण वर्ष घोषित किया गया है।

☞ देश का पहला गौ अभ्यारण्य म.प्र. के सलारिया (शाजापुर) में 984 एकड़ भूमि में प्रारम्भ किया जायेगा।

☞ प्रथम किसान विद्यालय जबलपुर में स्थापित किया गया

☞ अंतर्राष्ट्रीय स्कूनर विजेता भोपाल के कमल चावला है।

☞ प्रदेश में प्रथम बार हर्रा, नीम बीज, करंजबीज लाख, महुआ फूल, महुआ गुठली और अचार गुठली का न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) घोषित किया गया।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- ☞ देश का पहला ट्रेवलेटर हबीबगंज (भोपाल) रेलवे स्टेशन में निर्मित किया गया।
- ☞ एन.सी.आर.बी. की रिपोर्ट के अनुसार बाल अपराध मामले में म.प्र. देश में प्रथम है
- ☞ देश की पहली केन्द्रीय पुलिस ट्रेनिंग अकादमी भोपाल में निर्माणाधीन है।
- ☞ राज्य का प्रथम कम्पोजिस्टक हब होशबागाबाद में बनेगा।
- ☞ म.प्र. में 25 सितम्बर 2012 से लोग सेवा केन्द्र प्रारम्भ हो गया।
- ☞ डॉक विभाग ने 21 जुलाई 2013 को आठ हस्तियों के सम्मान में स्मारक टिकट जारी किये, जिनमें 1. पं. कुमार गंधर्व (देवास), 2. सितार वादक पं. रविशंकर तथा 3, अली अकबर का सम्बन्ध म.प्र. से है।
- ☞ महू के एएमयू में सूबेदार विजय कुमार ने 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल में लंदन औलम्पिक में रजत पदक जीता।
- ☞ धार विधानसभा के विधायक नीना वर्मा के चुनाव को हाईकोर्ट ने शून्य घोषित किया।
- ☞ फूलन देवी के आत्मसपर्मण के समय म.प्र. के मुख्यमंत्री अर्जुन सिंह थे।
- ☞ डीजल इंजन ट्रेक्शन अल्टरनेट कारखाना विदिशा में प्रस्तावित है।
- ☞ नवीनतम पशु चिकित्सा महाविद्यालय त्यौथर (रीवा) में स्थापित है।
- ☞ म.प्र. की पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती 2012 में उ.प्र. के महोबा से विधायक निर्वाचित हुई।
- ☞ तीसरा अंतर्राष्ट्रीय जनजातिय फिल्म समारोह जून 2013 को भोपाल में सम्पन्न हुआ।
- ☞ मेट्रो ट्रेन व ट्रॉम के लिए प्रथम इंदौर शहर का चयन किया गया जिसमें इंदौर में 33 किमी. तथा भोपाल में 28.5 किमी. को मेट्रो परियोजना को स्वीकृति मिली है।
- ☞ प्रमुख राजस्व आयुक्त कार्यालय (म.प्र.) की स्थापना फरवरी 2011 को हुई।
- ☞ 1956 से 1996 तक म.प्र. प्रदेश विधानसभा भवन भोपाल का मिण्टो हॉल रहा है।
- ☞ म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग का गठन 19 फरवरी 1994 को हुआ।
- ☞ संजय गांधी युवा नेतृत्व एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान पंचमढ़ी में है।
- ☞ मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन की शुरूआत 3 सितम्बर 2012 को हबीबगंज रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम् की यात्रा से हुई।
- ☞ राष्ट्रीय हॉर्टीकल्चर इंस्टीट्यूट इंदौर में बनेगा।
- ☞ उज्जैन व जबलपुर को स्मार्ट शहर बनाने की योजना प्रस्तावित है।
- ☞ म.प्र. में मर्यादा अभियान के प्राथमिक चरण में 3 लाख शौचालय निर्मित किए गए।
- ☞ मार्च 2013 तक 113 कौशल विकास केन्द्र स्थापित किए गए। पं. रविशंकर की आत्मकथा रागमाला है।
- ☞ म.प्र. में 20 लाख से अधिक जनसंख्या वाले जिलो की संख्या 9 है।
- ☞ राज्य में 355 संरक्षित स्मारक है।
- ☞ म.प्र. में 17 केंद्रीय जेल है।
- ☞ वाराहमिहिर वैधशाला डोंगला (महिदपुर) उज्जैन जिले में है। म.प्र. में 27 प्रस्तावित उद्योग क्षेत्र है।
- ☞ म.प्र. में 4 महानगर भोपाल, इंदौर, ग्वालियर एवं जबलपुर को मेट्रोपालिटीन एरिया बनाया जायेगा।
- ☞ म.प्र. में पंच परमेश्वर योजना का शुभारम्भ 9 जनवरी 2012 से हुआ। जिसके अंतर्गत पंचायतों को वित्तीय वर्ष हेतु सभी योजनाओं की राशि एकमुश्त दी जायेगी।
- ☞ प्रदेश में इंजीनियरिंग सीटो की संख्या 1 लाख है।
- ☞ गौवंश वध प्रतिषेध (संशोधन) विधेयक 2010 को राष्ट्रपति ने मंजूरी दी। जिसके अंतर्गत न्यूनतम सात साल की सजा तथा न्यूनतम 5 हजार का जुर्माना है।
- ☞ विशेष न्यायालय एक्ट 15 फरवरी 2012 को प्रभावी हुआ।
- ☞ म.प्र. विशेष न्यायालय एक्ट 2011 के तहत भोपाल, इंदौर ग्वालियर व जबलपुर में विशेष न्यायालय गठित किए जायेंगे। जिसमें भ्रष्टाचार के मामलों का त्वरित निराकरण तथा भ्रष्ट लोगों की सम्पत्ति राजसात करने के निर्णय होंगे।
- ☞ भोपाल में बनेगा भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान
- ☞ बीज निगम की अंश पूंजी राज्य सरकार ने 6 जनवरी 2014 को बढ़ाकर 40 करोड़ कर दी।
- ☞ म.प्र. द्वारा 6 अप्रैल 2013 को विकास दिवस घोषित किया गया।
- ☞ वर्ष 2012-13 के लिए 19.77 लाख हेक्टयर क्षेत्र में सिंचाई का लक्ष्य रखा गया।
- ☞ म.प्र. आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2012-13 के अनुसार प्रदेश में वन क्षेत्र 94.69 हजार वर्ग किलोमीटर है जो राज्य के क्षेत्रफल का 30.71% है।
- ☞ भोपाल इंदौर के बीच सबसे बड़ा हॉर्टीकल्चर कॉरीडोर बनाया जायेगा।
- ☞ झाबुआ जिले की खालखोडवी पंचायत की सरपंच वंदना बहादुर मेढ़ा को संयुक्त राष्ट्र वूमन कलेण्डर के मई 2013 के पृष्ठ पर स्थान दिया गया।

- म.प्र. की राजधानी भोपाल में मौसम के सटीक अनुमान के लिए बैंड रडार की स्थापना की जा रही है।
- म.प्र. में सिंचाई जल के अधिकतम उपयोग हेतु 'राज्य माइक्रो मिशन' का गठन किया गया है।
- प्रदेश के ग्वालियर में एक संगीत विश्वविद्यालय की स्थापना की जायेगी।
- म.प्र. के जबलपुर रीवा व ग्वालियर में तीन नये विशेष आर्थिक क्षेत्रों की स्थापना की जायेगी।
- प्रदेश के गंजबासौदा में नवीनतम कृषि महाविद्यालय की स्थापना की गई।
- प्रदेश की पहली तथा देश की तीसरी साइंस सिटी के क्षेत्र में औद्योगिक नगरी देवास को विकसित करने की योजना है। जिसकी लागत 1 अरब 11 करोड़ होगी।
- म.प्र. के सतना जिले के चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के पूर्व में संस्कृति विभाग लोक कला अकादमी द्वारा तुलनी बोध संस्थान की स्थापना की जायेगी।
- मथुरा रिफाइनरी पर आधारित पेट्रो रसायन उद्योग म.प्र. के मुरैना जिले में स्थापित किया जा रहा है।
- राज्य अर्थ व्यवस्था में परिवहन की भागीदारी 3.15 प्रतिशत है (आर्थिक सर्वे 2012-13)
- मध्य प्रदेश में वर्तमान में राष्ट्रीय राजमार्गों की संख्या 20 है। (आर्थिक सर्वेक्षण 2012-13)
- धार के सौरभ वर्मा ने ओएनजीसी सीनियर रैंकिंग बैडमिंटन चैम्पियनशिप 2013 में जीत दर्ज की।
- 2013 के पदम विभूषण सैय्यद हैदर राजा (पेंटर, दमोह, फ्रांस) तथा पदम श्री शायर निदा फाजली म.प्र. से है।
- 29 मार्च 2013 को ऑल इंडिया रेडिया (एफएम) उज्जैन का शुभारम्भ हुआ।
- 25 मार्च 2013 को आजाद हिंद रेडियो का शुभारम्भ हुआ।
- मिस इंडिया पेसिफिक 2012 हिमांगिनी सिंह यदु इंदौर से है।
- बाइबिल का ''मावली'' में अनुवाद इंदौर के प्रकाश डी. मसीही ने किया।
- 17 फरवरी 2013 को अमरकंटक से नर्मदा शुद्धिकरण अभियान शुरू हुआ।
- अल्पसंख्यक विद्यार्थियों को स्कालरशिप वितरण में मध्यप्रदेश श्रेष्ठतम् राज्यों में शामिल
- मनरेगा योजना के अन्तर्गत व्यय करने में मध्य प्रदेश देश में तीसरे स्थान पर। मध्यप्रदेश में शाजापुर और रायसेन का प्रथम स्थान।
- यूका का रासायनिक कचरा जर्मनी में नष्ट किया जाएगा।
- शिक्षण शुल्क छूट में वार्षिक आय सीमा 4.50 लाख किया गया।
- देश की पहली नदी तालाब जोड़ो परियोजना बुंदेलखण्ड में प्रारम्भ जिससे 1980 हेक्टेयर भूभाग पर सिंचाई सुविधा का लाभ मिलेगा। इसी कारण यहाँ के चंदेल कालीन तालाब को पुर्नजीवन मिल सकेगा।
- ई-पेमेन्ट के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्यों के लिये म.प्र. को स्टेट ऑफ द ईयर एवं स्वर्ण पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- जून 2012 को मुख्यमंत्री ने 8500 करोड़ रू. का फसल ऋण 0 प्रतिशत ब्याज दर पर देने की घोषणा की।
- कोल जनजाति के गठन के लिए पृथक अभिकरण का गठन किया जाएगा।
- बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमति उषा चतुर्वेदी बनी।
- ए.जे.डिसूजा म.प्र. के नए मुख्य सचिव नियुक्त।
- महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम
- यू एन वीम तथा म.प्र. सरकार के मध्य करार हुआ जिससे दो जिलों झाबुआ व सीहोर में संयुक्त राष्ट्र संगठन के सहयोग से 31 दिसम्बर 2012 तक महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम चलेगा जिससे पंचायती संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी।
- **भोपाल गैस त्रासदी**—2 से 3 दिसम्बर, 1984 की मध्य रात्रि को यूनियन काबाईड से मिथाइल आइसो सायनेट गैस का रिसाव लगभग 42 टन हुआ जिससे जन-धन की हानि हुई। जून 2010 को भोपाल के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने इस त्रासदी पर बहुचर्चित निर्णय दिया जिसमें यूनियन काबाईड कंपनी पर 5 लाख जुर्माना व तत्कानील चेयरमैन केशव महिन्द्रा, सहित 8 पर दो-दो वर्ष की सजा सुनाई गई।
- **बायो मॉस पॉवर प्लांट**—विदिशा के करीब गाँव वन में करीब साढ़े पाँच करोड़ रुपए लागत से 1.2 मेगावाट क्षमता का बायो मॉस विद्युत उत्पादन संयंत्र लगा। इसमें सितम्बर 2011 में उत्पादन शुरू हो गया। यह प्रदेश का तीसरा गैसोफिकेशन आधारित पॉवर प्लांट है।
- **मध्यप्रदेश जनसंख्या**—देश में शिशु मृत्यु दर 47 है जबकि मध्यप्रदेश में 62 है।
- बालिकाओं की संख्या में कमी-2001 में जनगणना में प्रति हजार बालकों में बालिकाओं की संख्या 932 थी जो इस बार 912 रह गई। यादि हमारी लाड़ली लक्ष्मी की संख्या में 20 अंकों की गिरावट दर्ज हुई है।
- साक्षरता की दर बढ़ी-आंकड़ों के अनुसार हमारी साक्षरता दर 70.5 प्रतिशत है।
- इसमें पुरुषों की साक्षरता 80.5 प्रतिशत एवं महिलाओं की 60 प्रतिशत है। यानि इस बार साक्षरता दर में 6.9 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। पुरुषों में यह वृद्धि 4.5 और महिलाओं में

9.7 है। जबलपुर जिला प्रदेश में 82.5 प्रतिशत साक्षरता के साथ शीर्ष पर है।

- **मुख्य बातें**—दस साल में 20.3 फीसदी की दर से एक करोड़ 24 लाख बड़ी जनसंख्या वृद्धि में झाबुआ दूसरे, भोपाल तीसरे, सिंगरौली चौथे नंबर पर प्रदेश में सबसे कम आबादी हरदा जिला-5 लाख 70 हजार मिसाल बना बालाघाट- 1000 पुरुषों पर 1021 महिलाएँ सबसे कम 838 भिंड में। सर्वाधिक जनसंख्या घनत्व 854 भोपाल, दूसरा 839 इंदौर व सबसे कम 94 डिंडोरी जिले में इंदौर इनमें नंबर 1 सर्वाधिक पुरुष साक्षरता-82.2 प्रतिशत दशकभर में सबसे अधिक वृद्धि दर 32.7 प्रतिशत प्रदेश में सबसे अधिक आबादी 32.70 लाख
- **बदलाव**—आंकड़े बताते हैं कि लिंगभेद की मानसिकता ने सिर्फ बरकार है बल्कि ग्वालियर, चंबल के साथ एक नया संभाग रीवा भी यह नकारात्मक ट्रेंड दिखा रहा है। सरकार, समाज और स्वैच्छिक संगठनों को एक साथ अलख जगाना होगा। जनगणना निदेशक के अनुसार 121 करोड़ की जनसंख्या के साथ भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। यह विश्व की कुल आबादी का 16 प्रतिशत है। विश्व की कुल जनसंख्या वृद्धि दर देश की जनसंख्या वृद्धि दर से 2.66 फीसदी ज्यादा है। देश में सबसे कम वृद्धि दर नागालैण्ड की - 0.47 प्रतिशत है।
- विकास सूचकांक व मध्यप्रदेश (नवंबर, 2011) पी.एच.डी. चैंबर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्री ने दस राज्यों का सर्वे किया जिसमें निम्न बिन्दु प्रमुख हैं-
  (1) विकास सूचकांक में दिल्ली शीर्ष पर रहा (65.15) शेष राज्यों का क्रम-हरियाणा 63.8 पंजाब 52.2 उत्तराखंड 45.19 हिमाचल 44.49, छत्तीसगढ़ 44.13 जम्मू 42.5 उत्तरप्रदेश 42.5 राजस्थान 42.09 मध्यप्रदेश 38.34।
  (2) मध्यप्रदेश देश के 3 अविकसित राज्यों में शामिल है।
  (3) मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है तथापि कृषि अनुप्तादक होने से गरीबी विद्यमान है।
  (4) सिंचाई के अपर्याप्त साधन।
  (5) प्रति व्यक्ति आय में शीर्ष दिल्ली (1.17 लाख) है जबकि मध्यप्रदेश 27.250 रुपये, उत्तर प्रदेश 23132 रूपए है।
  (6) मध्यप्रदेश में शिशु मृत्यु दर सर्वाधिक है।
- 11 वीं पंचवर्षीय योजना में आर्थिक वृद्धि दर 9.07 प्रतिशत (अनुमानित) रही जो राष्ट्रीय औसत से अधिक है।
- कृषि क्षेत्र की विकास दर 11 वीं पंचवर्षीय योजना में बढ़कर 5.19 हो गयी है।
- कृषि क्षेत्र के लिए कृषि के केबिनेट के गठन का प्रावधान है। जो कृषि संबंधित विकास के लिए त्वरित निर्णय लेगा।
- 2 वृहद एवं 25 मध्यम सिंचाई परियोजना प्रारम्भ होगी।
- किसानों को 1 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराने के लिए 350 करोड़ रू. का प्रावधान है।
- जबलपुर में बोरलाग संस्थान स्थापित किया जाएगा जो मुख्यत: गेहूँ और मक्का पर अनुसंधान करेगा। बोरलाग संस्तान पंजाब और बिहार में पहले से कार्यरत् है।
- गोपाल पुरस्कार योजना का विस्तार कर अब गाय पालकों को विकास खण्ड स्तर पर पुरस्कृत किया जाएगा।
- 10 जिलों में एकीकृत सहकारी योजना प्रारम्भ।
- मछुआरों को 1 प्रतिशत ब्याज दर पर अल्पकालीन ऋण की सुविधा मिलेगी।
- शिक्षा पर पिछले साल की तुलना में 18 प्रतिशत अधिक व्यय।
- बालिकाओं को परिवहन भत्ते का प्रावधान।
- नक्सल प्रभावित बालाघाट जिले में लांजी तहसील के विरसा ग्राम तथा परसवाड़ा में कौशल विकास केन्द्र प्रारम्भ किए जायेंगे।
- स्वास्थ्य पर पिछले साल की तुलना में 36 प्रतिशत अधिक व्यय।
- मात्र मृत्युदर 335 से घटकर 310 एवं शिशु मृत्यु दर 67 से घटकर 62 हो गयी है।
- 108 एम्बुलेंस सेवा का नया नाम संजीवनी 108 को सभी जिलों में विस्तार किया जाएगा।
- जननिजी भागीदारी के माध्यम से रतलाम, सतना, सिवनी, विदिशा एवं देवास में जिला चिकित्सालयों से सम्बंद्ध कर मेडिकल कालेज खोले जाएगे।
- बेटी बचाओं अभियान प्रारम्भ किया गया है। जिसका लक्ष्य लिंगानुपात संतुलन एवं समाज में जागरूकता बढ़ाना होगा।
- प्रत्येक जिले में वर्ष में एक बार अन्त्योदय मेले का आयोजन का प्रावधान है।
- ऐसे अभिभावक जिनकी संताने बेटियां है को पेंसन देने की नवीन योजना प्रारम्भ की जाएगी।
- मुख्यमंत्री शहरी पेयजल योजना प्रारम्भ।
- शहरी स्वच्छता मिशन प्रारम्भ जो नगरों की साफ-सफाई के लिए हैं।
- निजी कम्पनियों द्वारा खजुराहों एवं रीवा के बीच वायु सेवा के संचालन का विस्तार।
- भोपाल में वीर भारत परिसर का निर्माण किया जाएगा।
- मध्यप्रदेश सरकार द्वारा दिए जाने वाले 15 राष्ट्रीय शिखर सम्मान की राशि में 2 गुना वृद्धि।
- नानाजी देशमुख राष्ट्रीय सम्मान को प्रारम्भ किया गया जो सामाजिक एवं सांस्कृतिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मिलेग।
- बुंदेलखण्ड क्षेत्र के विकास के लिए सागर में मध्यप्रदेश औद्योगिक केन्द्र विकास निगम का गठन।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- इंदौर एवं भोपाल में हज़ हाउस निर्माण के लिए 1 करोड़ रू. का प्रावधान।
- बड़े शहरों में यातायात प्रबंधन के लिए यातायात प्रबंधन एवं डाटा सेंटरों की स्थापना।
- सुशील चन्द्र वर्मा पुरस्कार मंत्रालय, विभाग, सम्भाग एवं जिला स्तर पर अच्छे कार्य करने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए प्रारम्भ।
- 1 अप्रैल 2012 से कर्मचारियों एवं पेंशनरों को 7 प्रतिशत महंगाई भत्ते/राहत की अतिरिक्त किस्त मिलेगी- सैम्पल रजिस्ट्रीकरण प्रणाली के सर्वेक्षण के अनुसार मध्यप्रदेश के प्रमुख आंकड़े निम्नानुसार हैं-
  1. जन्म दर- 27.3 (उच्चतम जन्म में तीसरा स्थान)
  2. मृत्यु दर- 8.3 (उच्चम मृत्यु दर में दूसरा स्थान)
  3. राष्ट्रीय मृत्यु दर 7.2 है।
  4. शिशु मृत्यु दर 62, शीर्ष राज्य
- तानसेन अलंकरण से सम्मानित हुई- सविता देवी
- मल्लिकार्जुन मंसूर सम्मान मिला-सरोज वादक अमजद अली खान (ग्वालियर)
- मध्यप्रदेश गोवंश प्रतिषेध एक्ट: 2004 (संशोधन, 2010) के तहत् गोवंश वध पर सात साल की कैद की सजा है।
- मुख्यमंत्री मजदूर सुरक्षा योजना का प्रारंभ वर्ष - 2007
- मुख्यमंत्री बाल हृदय उपहार योजना का प्रारंभ वर्ष-14 जुलाई, 2011
- राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण का मुख्यालय भोपाल में प्रस्तावित है।
- दुग्ध उत्पादन बढ़ावा हेतु गोपाल पुरस्कार योजना
- **सोन नदी जल प्राधिकरण**–पटना हाईकोर्ट ने प्राधिकरण गठन का निर्णय दिया है सोन नदी का उदगम अमरकंटक (अनुपपूर) से है जिस पर शहडोल में बाणसागर डैम है। उत्तरप्रदेश में गोविन्द वल्लभ सागर (रिहन्द) डैम है जो सोन की सहायक नदी रिहन्द पर निर्मित है। सोन की लम्बाई 784 किमी है। इस पर बने बांधों से बिहार में नदी का बहाव कम होता है जिस पर कोर्ट में याचिका दायर की गयी थी।
- 5 **अक्टूबर**–म.प्र. शासन ने 5 अक्टूबर को बेटी बचाओं अभियान शुरू किया।
- **एन जी ओ**–प्रदेश में 87 हजार स्वैच्छिक संगठन कार्यरत है।
- राज्य के प्रत्येक ब्लॉक में लोक सेवा दफ्तर खुलेगा जिसमें लोक सेवा गारण्टी कानून के तहत किसी भी विभाग की शिकायत दर्ज कराई जा सकेगी।
- **पवित्र नगर: मंदसौर**–सिवनी नदी के किनारे बसा ऐतिहासिक व धार्मिक नगर मंदसौर (दशपुर) को राज्य शासन ने पवित्र नगर का दर्जा दिया।
- **एयर टैक्सी सेवा**–प्रारंभ-7 सितम्बर, 2011
- उद्देश्य-प्रमुख शहरों को जोड़ना, धार्मिक पर्यटन स्थलों तक एयर टैक्सी का विस्तार करना मैसर्स वैंचुरा एयर कनेक्ट कम्पनी लिमिटेड से राज्य शासन ने करार किया है।
- **निर्मल ग्राम पुरस्कार**–मध्यप्रदेश आज भी देश का ऐसा दूसरा राज्य है जहाँ पर सर्वाधिक पंचायतों को निर्मल ग्राम का पुरस्कार प्राप्त हुआ है। इस पुरस्कार से अब तक प्रदेश की लगभग दो हजार पंचायतें सम्मानित हो चुकी है।
- **प्रदेश का पहला निजी पॉवर प्लांट**–निवारी गांव, गाडरवारा (45 मेगावाट क्षमता है)
- **प्रदेश में बढ़े करोड़पति**–प्रति व्यक्ति आया और विकास दर में वृद्धि दिखाने वाले
- मध्यप्रदेश में करोड़पति की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसी हिसाब से करोड़ों में कर देने वालों की संख्या में भी इजाफा हुआ है और भोपाल रीजन में आने वाले मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में यह संख्या छ: सौ को पार कर गई है। वित्तीय वर्ष 2009-10 में यह आकड़ा 562 था।
- मध्यप्रदेश में सूर्य नमस्कार का आयोजन होता है- 12 जनवरी 2007 से
- राष्ट्रीय सीनियर बैडमिंटन स्पर्धा के विजेता है- सौरभ वर्मा, धार
- संजय गांधी युवा नेतृत्व एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान कहाँ है- पंचमढ़ी
- **कृषि कैबिनेट**–कृषि संबंधी विषयों पर समग्र योजना तैयार करने के लिए मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में कृषि कैबिनेट का गठन जून 2011 में किया गया इसमें 11 मंत्री सदस्य हैं
- फ्रांस ने भारतीय विरासत शहर नेटवर्क में भोपाल, महेश्वर को प्राचीन धरोहर के संरक्षण के लिए चुना है।
- **रामनरेश यादव ( उत्तरप्रदेश )**–म.प्र. के राज्यपाल नियुक्त हुए।
- **अटल बिहारी हिन्दी विश्वविद्यालय प्रारंभ प्रारंभ**–25 दिसम्बर स्थल-भोपाल
- **ताप विद्युत केन्द्र**–सतपुड़ा ताप विद्युत गृह सारणी- 210 × 210 × 62
- मेगावाट अमरकंटक ताप वि. गृह चर्चाई (शहडोल) - 460 मेगावाट
- संजय गांधी ताप विद्युत गृह वीरसिंहपुर उमरिया- 1340 मेगावाट
- मुख्यमंत्री कन्यादान योजना प्रारंभ वर्ष 2006 है। 1 अप्रैल 2012 से विवाह हेतु 15000 रु. राशि दी जाती है
- भवभूति अलंकरण: 2011 से सम्मानित हुए - वसुध के संपादक स्वयं प्रकाश

- मध्यप्रदेश के डी.जी. पी नंनद दुबे (29 फरवरी, 2012 से)
- मध्यप्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त है- इकबाल अहमद (अगस्त 2012 से)
- **मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना का प्रारंभ वर्ष है**–2003 (BJP) परिवार को गेहूँ 3 रु. किग्रा व चावल 4.50 किग्रा।
- लोक सेवा गारंटी विधेयक में 26 विभाग शामिल हैं।
- प्रदेश का छोटा राष्ट्रीय उद्यान डिण्डोरी (जीवाश्म) में है।
- प्रदेश का प्रस्तावित राष्ट्रीय उद्यान ओंकारेश्वर है।
- प्रदेश की नवीनतम प्रोजेक्ट टायगर रातापानी अभयारण्य है।
- बाघों की संख्या में कमी होने से मध्यप्रदेश अब टायगर स्टेट नहीं रहा है।
- सिंगरौली (बैढ़न) मध्य प्रदेश की ऊर्जा राजधानी है।
- इन्दौर को खेल राजधानी अवश्य कहा जाता है किन्तु भोपाल खेल व खेल सुविधाओं की दृष्टि से नवीनतम खेल राजधानी का दर्जा प्राप्त कर चुका है।
- रीवा पशु चिकित्सा महाविद्यालय 2007 में स्थापित हुआ।
- रानी दुर्गावती राष्ट्रीय सम्मान 2009 में प्रारंभ किया गया।
- प्रदेश की नवीन जनसंख्या नीति 12–जनवरी, 2000 को घोषित प्रदेश का जनघनत्व है- 236
- जन नायक टट्या भील सम्मान-2012 अंजू इनवाती और चंद्रकांत उइके को मिला।
- मध्य प्रदेश की बॉक्सर आशा रोक बनी तीसरी बार नेशनल चैम्पियन।
- **भाबरा**–शहीद चंद्रशेखर आजाद की जन्मस्थली अलीराजपुर के भाबरा का नाम चन्द्रशेखर आजाद नगर किया गया।
- खजुराहों इन्वेसस्टर्स मीट अक्टूबर, 2010 को संपन्न हुई अगली इंदौर समिट अक्टूबर, 2012 में सम्पन्न हुआ। इंडिया इकोनामिक समिट मुम्बई में मध्यप्रदेश राज्य शासन ने निवेशकों को आकर्षित करने हेतु हेतु अपना पक्ष (नवंबर 2011) रखा। वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के अध्यक्ष प्रॉ. क्लाज स्वाब से मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री ने मुम्बई समिट में मुलाकात की। पुलिस ट्रेनिंग अकादमी, भोपाल- देश में पुलिस प्रशिक्षण में एकरूपता के उद्‌देश्य से केन्द्रीय पुलिस एकेडमी की स्थापना भोपाल में प्रस्तावित है।
- **राज्यगीत**–अक्टूबर 2010 में मध्यप्रदेश का राज्यगीत को कैबिनेट ने स्वीकृति दी। महेश श्रीवास्तव रचित व शान की आवाज में यह गीत स्वरबद्ध है।
- **तात्याटोपे स्टेडियम भोपाल**–11 अक्टूबर को स्टेडियम में आग से एक की मौत।
- **नदी जोड़ो में अवरोध**–चम्बल, पार्वती, कालीसिंध व बनास नदी को जोड़ने कीर मध्यप्रदेश, राजस्थान राज्यों की परियोजना पर 2003 में सहमति बनी थी। मध्यप्रदेश सरकार ने इस परियोजना से हाथ खींच लिये। फिलहाल चम्बल के चारों बाँध गाँधीसागर, राणा प्रताप सागर, जवाहर सागर व कोटा बैराज तथा नहरों के जीर्णोद्धार के प्रस्ताव दोनों राज्यों द्वारा संयुक्त रूप से तैयार किए जा रहे हैं।
- **छतरपुर में हीरा**–एंग्लों आस्ट्रेलियन कम्पनी रियो टिण्टो को छतरपुर में 27.4 मिलियन कैरेट हीरे होने का अनुमान है। यह मझगवां माइन, पन्ना से सात गुना अधिक है। राज्य सरकार ने रियो टिंटो की लीज संबंधी प्रस्ताव को मंजूरी दी है। यह दुनिया में दूसरे नंबर का माइनिंग समूह है। भारत का यह पहला बंडर डायमंड माइनिंग प्रोजेक्ट होगा।
- **12वें सीनियर महिला मुक्केबाजी चैम्पियनशिप**–आयोजन टीटी नगर स्टेडियम भोपाल श्रेष्ट खिलाड़ी-मेरीकोम (मणिपुर)
- **एन.एच. सुधार**–राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 12 भोपाल से जबलपुर तक, एन एच 12 ए ब्यावरा से राजस्थान सीमा, एन एच-12 ए जबलपुर मंडला तक व एन एच 78 कटनी शहडोल को राज्य शासन 277 करोड़ रु. में सुधारेगी। एन एच का रखरखाव केन्द्र सरकार का दायित्व है।
- **आर.टी.आई.**–केन्द्र सरकार ने 12 अक्टूबर, 2005 को सूचना का अधिकार कानून लागू किया किन्तु आरटीआई कार्यकर्ताओं की सुरक्षा संबंधी कानून केन्द्र ने नहीं बनाया है। राज्य स्तर पर सुरक्षा कानून बनाने वाला पहला राज्य हरियाणा हैं। यद्यदि इसकी आवश्यकता को दृष्टिगत रख 2012 में आर टी आई कार्यकर्ता सुरक्षा कानून केन्द्र या राज्य स्तर पर बनाना लाजिमी है।
- डॉ. अम्बेडकर संविधान प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. अम्बेडकर (जन्म महू) का निर्वाण स्थल दिल्ली को सुन्दर समाधि के रूप में विकसित की मांग को केन्द्र ने स्वीकृति दी।
- राज्य का प्रथम कंपोजिट लॉजिस्टिक हब प्रस्तावित है- होशंगाबाद में
- संयुक्त राष्ट्र संघ का लोक सेवा अवार्ड प्रदेश की किस योजना को मिला-लोक सेवा गारंटी अधिनियम को।
- **भूरिया प्रदेश अध्यक्ष**–कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने केन्द्रीय जनजाति कार्यमंत्री कांतिलाल भूरिया को मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नियुक्त किया है।
- इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय का शिलान्यास 19 अप्रैल, 2008 को अमरकंटक में अवश्य किया गया है किन्तु विश्वविद्यालय भवन निर्माण का काम 2011 में भी शुरू नहीं हो सका।
- **हेलीकॉप्टर ई.सी.**–155 म.प्र. ने फ्रांस से ई.सी. 155 विमान 66 करोड़ में खरीदा।
- **कूड़ेदान मुक्त शहर**–पन्ना, सैलाना व कुक्षी नगर निकाय कूड़ेदान मुक्त हुए।



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- प्रदेश में 110 नगरों की विशाल योजनाओं को राज्य शासन ने स्वीकृति दी।
- **बोफोर्स**—बोफोर्स तोप के गोले मध्यप्रदेश के आयुद्ध निर्माणी खमरिया को सौंपा गया है। आयुद्ध निर्माणी बोर्ड जबलपुर का इस वर्ष 59 हजार करोड़ रूपए का उत्पादन लक्ष्य है।
- **किशोर कुमार सम्मान**—देवानंद–वर्ष 2012-11 में निर्देशन के क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु 2 लाख रूपए राशि का किशोर कुमार सम्मान अभिनेता देवानंद को 13 अक्टूबर को दिया गया।
- **पन्ना में हीरा ( 10 नवम्बर )**—एशिया की इकलौती मैंकनाइज्ड एन.एम.डी.सी. हीरा खदान में 37.68 वजन का हीरा मिला। 1968 में मझगवां (पन्ना) खदान शुरू हुई तब से लेकर पन्ना खदान का सबसे बड़ा हीरा है जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ रूपए है।
- वर्ष 2010 का लता मंगेशकर अलंकरण से सम्मानित–स्व. रविशंकर शर्मा संगीतकार
- डीजल इंजन कलपुर्जा कारखाना प्रस्तावित है– सांची (रायसेन में)
- राज्य सरकार के 2008 में शुरू किए गए सम्मान हैं–
  1. रानी दुर्गावती राष्ट्रीय सम्मान (महिला)- 2 लाख रुपये
  2. ठक्कर बापा राष्ट्रीय सम्मान-2 लाख रुपये
  3. **वार शंकर शाह सम्मान**—जनजातीय जीवन का उत्कृष्ट रेखांकन हेतु
  4. टंटया भील, राज्य- (1 लाख) शिक्षा व लेख गतिविधि हेतु
  5. वीर शंकर शाह रघुनाथ शाह राष्ट्रीय सम्मान-2 लाख रूपये
- वर्ष 2005 में वाकणकर सम्मान शुरू किया गया है।
- प्रदेश में 4 नए राज्य स्तरीय शिखर सम्मान किया क्षेत्र में शुरू किए गए हैं–
- नृत्य, नाट्य, संगीत व दुर्लभ वाद्य वादन क्षेत्र
- मध्यप्रदेश के शिखर सम्मानों की संख्या 3 से बढ़ाकर 7 की जिसमें 1-1 लाख रु. की सम्मान राशि मिलेगी। नये सम्मान नृत्य, नाटक और दुर्लभ वाद्य वादन के क्षेत्र में होंगे। जबकि पूर्व 3 सम्मान साहित्य, प्रदर्शनकारी कला एवं रूपाकंर कला के लिए थे।
- प्रथम भारत मानव विकास पुरस्कार 2012 से सम्मानित जिला है– खरगौन
- मनरेगा में अव्वल जिला है– जबलपुर
- 24 वी ऑल इंडिया जूनियर कराते चैम्पियन का विजेता– मध्यप्रदेश (दिल्ली, तालकटोरा, स्टेडियम)
- 24 अप्रैल राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस मनाया जाता है।
- ई-पेमेंट में शीर्ष राज्य–मध्यप्रदेश
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना में दिसंबर, 2011 तक निर्मित सड़क– 5037 किसी प्रदेश के नवनियुक्त मुख्य सचिव– आर.परशुराम (30 अप्रैल 2012)
- यूनेस्कों की बायोस्फीयर रिजर्व सूची में शामिल हैं– अमरकंटक
- **अंतर्राष्ट्रीय स्नूकर विजेता**—भोपाल के कमल चावला
- मुख्यमंत्री आवास मिशन का प्रारंभ वर्ष–मार्च 2011
- गुड गवर्नेंस अवार्ड: 2010 मिला– MP ONLINE को
- ई गवर्नेस अवार्ड: 2011 मिला टेली समाधान नागरिक सेवा केन्द्र को (प्रदेश का नि:शुल्क नागरिक सुविधा नंबर है– 155345)
- सागर में 250 × 5 = 1250 मेगावाट क्षमता की विद्युत इकाई स्थापित करेगी– बीना पॉवर सप्लाई लिमिटेड
- मध्यप्रदेश विधानसभा में अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति हेतु सीटें हैं 35 व 47 सीटें मध्यप्रदेश में शासकीय कर्मचारी– 7.50 लाख
- सबला योजना कितने जिलों में चल रही है– 15 जिले (किशोरी बालिका का समूह बनाकर सशक्त करना)
- दादा धुनीवाले ताप विद्युत परियोजना खण्डवा की क्षमता होगी– 2 × 800 मेगावाट
- मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग अधिनियम 2005 के तहत आयोग गठित हुआ 12 दिसम्बर, 2008 (अध्यक्ष शीला खन्ना)
- मध्यप्रदेश की नवीन उद्यग सम्वर्द्धन नीति 1 नवम्बर 2010 से 2015 तक के लिये है
- मध्यप्रदेश उद्यमिता विकास केन्द्र की स्थापना हुई– 1988 (सेडमेप)
- मध्यप्रदेश स्टेट इण्डस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमिटेड (MPSIDC) का गठन हुआ। 1965 में।
- प्रदेश में प्रस्तावित परमाणु विद्युतगृह है– 1 चुटका, मंडला, 2. भीमपुर, शिवपुरीप्रदेश का नवीनतम राष्ट्रीय उद्यान डायनासौर जीवाश्म उद्यान धार में है।
- सर्वाधिक ग्रामीण जनसंख्या डिण्डौरी की 95.5% है।
- हलाल बैराज (रायसेन), शाजापुर आदि से होकर कर्क रेखा गुजरती है।
- क्षेत्रफल में बड़ा व छोटा संभाग है– जबलपुर व चंबल
- वर्ष 2012-13 में समर्थन मूल्य पर कुल कितना गेहूँ मध्यप्रदेश में खरीदा गया– 84.50 लाख मीट्रिक टन
- जनसंख्या में बड़ा व छोटा संभाग है– होशंगाबाद व जबलपुर
- कोल बेड मीथेन का भंडार है– अनूपपुर, शहडोल (रिलायंस इंडस्ट्रीज)
- 2011 में बालिकाओं की संख्या अर्थात लिंगानुपात रहा है, मात्र 912 2001 से 2011 के मध्य प्रदेश की जनसंख्या 20.3% की दर से 1 करोड़ 24 लाख बढ़ी सर्वाधिक पुरुष साक्षरता

इंदौर की 82.2% रही। इंदौर की आबादी है- 32.70 लाख

- 1984 में भोपाल गैस त्रासदी के पश्चात् यूनियन कार्बाइड कम्पनी की पालक कम्पनी डाउ केमिकल (लंदन ओलंपिक 2012 के प्रायोजक होने से डाउ कम्पनी चर्चित रही)
- बावनगजा (बड़वानी में ऋषभदेव की 84 फीट ऊँची प्रतिमा है)
- श्याम जनगढ़ सम्मान जनजातीय कलाकारों को वन्या प्रकाशन द्वारा दिया जाता है।
- नवीनतम विद्युत, 1. खण्डवा, 2 सारणी ताप विद्युत, 3. गांधी, चंबल
- कान्हन व सोन जल विद्युत केन्द्र है।
- बाज बहादुर व रूपवती का समाधि है- सारंगपुर (राजगढ़)
- शाहजादा परवेज, दौलत खाँ लोदी, मुमताज की कब्र है- बुरहानपुर में
- प्रदेश के GDP में कृषि क्षेत्र का योगदान मात्र 23.05% एवं सेवा क्षेत्र का हिस्सा 47.41% है।
- गत वर्ष प्रदेश की कृषि वृद्धि दर 18% रही जो रिकार्ड वृद्धि है।
- सर्वाधिक शहरी जनसंख्या इंदौर की 20.4 लाख है।
- शहरी दशकीय वृद्धि दर 25.6% रही जबकि प्रदेश की वृद्धि दर थी- 20.3%
- बाबूलाल जैन- राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष के मंत्री दर्जा प्राप्त है।
- गोंदर मऊ (भोपाल) महर्षि पतंजलि के जन्म स्थान पर योग संस्थान की स्थापना की मांग उठी।
- **नौ नए औद्योगिक क्षेत्र**—प्रदेश की शीर्ष स्तरीय निवेश संवर्द्धन अधिकार समिति (अध्यक्ष मुख्यमंत्री) ने नौ औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने पर अक्टूबर में सहमति दी- इसके लिए भोपाल, इंदौर उज्जैन व ग्वालियर संभाग में 761 हैक्टयर जमीन का चयन किया गया है। औद्योगिक क्षेत्र निम्न होंगे जिसके लिए 255 करोड़ रूपए खर्च किए जायेंगे।
- **स्पेशल एजुकेशन जोन**—आधारपुरा (भोपाल) बगरोदा (ग्वालियर), क्रिस्टल आई.टी. पार्क- इंदौर, भिाव सिंगपुरा (खंडवा), सिरसौदा (देवास) व पहाड़ी क्षेत्र (मुरैना), रेडीमेड गारमेंट्स-गदईपुरा (रीवा) बगड़ा (सतना)
- **निवेश छूट**—प्रदेशख में पचास हजार करोड़ से अधिक निवेश पर वेट व प्रदेश कर में तीन-तीन वर्ष की अतिरिक्त छूट व 60 एकड़ जमीन रियायती दर पर दी जाएगी।
- **पेंच**—छिंदवाड़ा जिले के माचागोरा गांव में बांध परियोजना निर्माणाधीन है।
- मध्यप्रदेश वन विभाग को मिला ग्रीन ग्लोबल फाउण्डेशन पुरस्कार।
- संस्कृति मंत्री लक्ष्मीकांत शर्मा को राष्ट्रभाषा गौरव सम्मान मिला।
- रज़ा पुरस्कार- आरती पालीवाल एवं उदय गोस्वामी को मिला।
- मध्यप्रदेश में MSMED एक्ट 2006 प्रभावी हुआ- 2 अक्टूबर, 2006 को (माइक्रो स्माल एण्ड मीडिया इण्टरप्राइजेस एक्ट 2005)
- JNNURM 2005 के तहत मध्यप्रदेश के शामिल शहर है- इंदौर, ग्वालियर, भोपाल, जबलपुर व उज्जैन
- प्रजोक्ट उत्थान किन शहरों में संचालित है- भोपाल (डिपार्टमेंट फार इण्टरनेशनल) डेव्लेपमेंट द्वारा संचालित है- प्रोजेक्ट उत्थान)
- प्रदेश का तीसरा बायोमॉस पॉवर प्लांट (गैसोफिकेशन आधारित) है- वन ग्राम (विदिशा) 1.2 मेगावाट
- डायनासौर जीवाश्व राष्ट्रीय उद्यान स्थापित किया गया है- धार में
- सोन चिरैय्या संरक्षण केन्द्र है- घाटी गाँव (ग्वालियर) तथा करैरा (शिवपुरी)
- बरेठी (छतरपुर) में 4000 मेगावाट क्षमता का ताप विद्युत केन्द्र स्थापित होगा।
- प्रथम किसान विद्यालय जबलपुर में स्थापित है।
- राम रोटी योजना की शुरूआत 2 नवंबर, 2012 को भोपाल से हुई।
- समर्थन मूल्य में शीर्ष गेहूँ खरीदी होशंगाबाद जिले में हुई (2011-12)
- शीर्ष व न्यूनतम जनघनत्व है क्रमश:- भोपाल-854, डिंडोरी-94
- कछारी मिट्टी भिण्ड मुरैना, श्योपुर ग्वालियर में है।
- कैमूर पर्वत श्रृंखला रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, तक तथा माण्डेर पर्वत-पन्ना, छतरपुर जिले में है।
- मध्यप्रदेश विधानसभा की सदस्यता से निष्कासित व पुन: बहाली हुई कल्पना परूलेकर महिदपुर तथा राकेश चतुर्वेदी भिंड विधायक
- मध्यप्रदेश लोक सेवा गारंटी कानून को मिला संयुक्त राष्ट्र का लोक सेवा अवार्ड।
- मध्यप्रदेश में मछुआ कल्याण बोर्ड का गठन हुआ यह बोर्ड मछुआ के विकास सम्बंधि सुझाव देगा।
- हितकारिणी योजना प्रारम्भ जो शहरी एवं ग्रामीण उपभोक्ता के लिए कार्य करेगी।
- मुरैना में खनन माफिया के हमले में शहीद हुए आईपीएस अधिकारी नरेन्द्र कुमार सिंह
- मालवा कबीर यात्रा-कबीर के जीवन दर्शन और वाणी पर आधारित मालवा कबीर



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

- यात्रा 17 अप्रैल से शुरू हुई। लुनियाखेड़ी तराना से चलकर यह यात्रा क्षेत्र के विभिन्न-हिस्सों में कबीर दर्शन का अलख जगाएगी 124 अप्रैल को कबीरवाणी के विशेष कार्यक्रम के साथ इंदौर में इसका समापन हुआ।
- भारत सरकार का राष्ट्रीय रजत शील्ड पुरस्कार मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन को दिया गया यह सम्मान कोटर सबस्टेशन के तेजी से निर्माण के लिए प्राप्त हुआ।
- मध्यप्रदेश की 212 ग्राम पंचायतों को निर्मल ग्राम पुरस्कार मिला।
- मध्यप्रदेश की 12वीं पंचवर्षीय योजना का आकार है- 2,01,862 करोड़ रूपये
- 12वीं योजना 2012-2017 में 11.5 प्रतिशत विकास दर हासिल करने का लक्ष्य है।
- मध्यप्रदेश की 11वीं पंचवर्षीय योजना का आकार था- 70,329 करोड़ रूपये
- 2010-11 की वार्षिक योजना राशि थी- 19,000 करोड़ रूपये
- 2011-12 की वार्षिक योजना थी- 23,000 करोड़ रूपए (शिक्षा व्यय 5417 करोड़ रू.)
- 2012-13 का वार्षिक योजना है- 28,000 करोड़ रू.
- **11वीं पंचवर्षीय योजना**—2007-12 में प्रदेश की सकल घरेलू उत्पादन वृद्धि की दर 10 प्रतिशत से अधिक दर्ज की गई है। कृषि क्षेत्र में 5 प्रतिशत के विरुद्ध 9.38 प्रतिशत, औद्योगिक क्षेत्र में 10 प्रतिशत के विरूद्ध 11.2 प्रतिशत तथा सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत के विरुद्ध 10 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज सेवा को चुकी है।
- मध्यप्रदेश में प्राकृतिक गैस भंडार-मध्यप्रदेश के अनुपपुर और शहडोल जिले में कोल बेड मीथेन गैस के भंडार मिले हैं। निजी क्षेत्र से सबसे बड़ी कंपनी इंडस्ट्रीज ने इन जिलों में36.5 खरब घनफुट गैस के भंडार होने की पुष्टि की है।
- 2009-10 में प्रति व्यक्ति आय 27250 रु.
- मध्यप्रदेश में कृषकों को बगैर ब्याज के ऋण देने की योजना शुरू हुई 13 जुलाई, 2012 से
- मध्यप्रदेश में विभागों की संख्या-56
- राज्य अल्प संख्यक आयोग के अध्यक्ष-अनवर मोहम्मद खान राज्य महाधिवक्ता हैं- ऋषभ दास जैन
- राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष है- अशोक कुमार पाण्डे
- राज्य निर्वाचन आयुक्त हैं- अजीत रायजादा
- राज्य योजना आयोग उपाध्यक्ष हैं- बाबूलाल जैन
- राज्य विद्युत नियामक आयोग अध्यक्ष हैं- राकेश साहनी
- राज्य महिला आयोग अध्यक्ष हैं- उपमा राय
- राज्य सामान्य निर्धन वर्ग कल्याण आयोग अध्यक्ष हैं- व्ही.के.वॉथम

## मध्यप्रदेश के साहित्यकार एवं साहित्य

| | | |
|---|---|---|
| कालिदास | - | मेघदूत, कुमार संभव, रघुवंश, मालविकाअग्नि मित्रम् ऋतुसंहार, अभिज्ञान शाकुन्तलम, विक्रमौर्यशिवम, |
| भारवि | - | किरातार्जुन |
| भवभूति (अम्बेक) | - | मालती-माधव, उत्तर-रामचरित, महावीर-चरित |
| बिहारी | - | बिहारी सतसंई, |
| भूषण | - | छत्रशाल दशक |
| केशवदास | - | जहांगीर जस चंद्रिका, कविप्रिया, रसिक प्रिया, रामचंद्रिका वीरसिंह चरित्र, रतन बावनी, विज्ञान गीता, |
| दण्डी | - | दशकुमसाचरित |
| पद्माकर | - | आलीजा प्रकाश |
| संत स्वरूप दास | - | रस रत्नाकर |
| नबीवक्श फलक | - | फलक सतसई (सात सौ दोहे) |
| रेवाराम बाबू | - | रतनपुर का इतिहास |
| डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन | - | हिल्लोल, मिट्टी की बारात, युग का मोल, प्रलय-सृजन, जीवन के गान, विन्ध्य-हिमालय |
| भवानी प्रसाद मिश्र | - | गीत फरोस, चकित है दु:ख, बुनी हुई रस्सी, अंधेरी कविताऐं गाँधी पंचशाती |
| माखनलाल चतुर्वेदी | - | कृष्णार्जुन युद्ध, हिमकिरीटिनी, हित तरंगनी, माता, युग चरण समय के पांव, साहित्य देवता, |
| सुभद्रा कुमारी चौहान | - | झाँसी की रानी, बिखरे मोती, सीधे साधे चित्र, त्रिधारा, |
| हरिशंकर परसाई | - | तट की खोज, रानी नागफनी कहानी, बोलती रेखाऐं |



TO GET MORE PDFs CLICK HERE- www.examtechnique.in

## Top Savers Today

View All

2100+ इतिहास के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ - हिंदी में

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

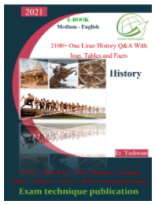



2100+ Most Important One Liner History Question and answer with Important Tables and Facts E-BOOK PDF in English

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

2000+ रसायन विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ -हिंदी में

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

2000+ Most Important One Liner Chemistry Q&A with Imp. Tables and Facts E-BOOK PDF in English

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

2000+ भौतिक विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF -हिंदी में

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

2000+ Most Important One Liner Physics Q&A with Imp. Tables and Facts E-BOOK PDF in English

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

2800+ जीव विज्ञान के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q & A, महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ -हिंदी में

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

2800+ Most Important One Liner Biology Q&A with Imp. Tables and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book PDF in English

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

विविध भाग -1+भाग -2(Static GK), सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF - हिंदी में

**Rs.40** ~~Rs.60~~

Add To Cart

विविध भाग -2(Static GK), सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF - हिंदी में

**Rs.25** ~~Rs.35~~

Add To Cart

विविध भाग -1(Static GK), सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF - हिंदी में

**Rs.25** ~~Rs.35~~

Add To Cart

Miscellany Part-1+ Part-2(Static GK) with imp. Table and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book pdf in English

**Rs.40** ~~Rs.60~~

Add To Cart

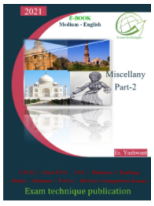



Miscellany Part-2(Static GK) with imp. Table and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book pdf in English

**Rs.25** ~~Rs.35~~

Add To Cart

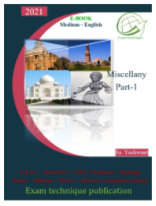



Miscellany Part-1(Static GK) with imp. Table and Facts for all Govt. Competitive Exams E-Book PDF in English

**Rs.25** ~~Rs.35~~

Add To Cart

2500+ भारतीय राजनीति के सबसे महत्वपूर्ण वन लाइनर Q&A, सभी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तालिका और तथ्यों के साथ E-BOOK PDF-हिंदी में

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

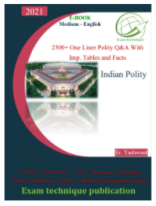



2500+ Most Imp. One Liner Indian Polity Q&A with Imp. Table and Facts for all Govt. competitive Exams E-book in English

**Rs.35** ~~Rs.50~~

Add To Cart

## Best Offers View

View All